हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

13 मार्च, 2018

खंड–1, अंक–08

अधिकृत विवरण

विषय सूची

मंगलवार, 13 मार्च, 2018

	पृष्ठ संख्या
बजट से संबंधित दस्तावेजों को रखने के लिए सदस्यों को बैग उपलब्ध कराने के बारे में सूचना	4
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	4
इंडियन नैशनल लोकदल के अध्यक्ष तथा भूतपूर्व मुख्य संसदीय सचिव का अभिनंदन	29
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)	29
नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	31
अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर	66
राज्यपाल की ओर से संदेश	70
विभिन्न मामले उठाना/बैठक का स्थगन	70
हिमाचल विधि महाविद्यालय काला आम्ब के अध्यापकों एवं विद्यार्थियों, असंध, करनाल की नगरपालिका के सभापति एवं पार्षदों तथा सरपंच संघ के अध्यक्ष और निसिंग ब्लॉक के अन्य सरपंचों का अभिनंदन	99
विभिन्न मामले उठाना/बैठक का स्थगन (पुनरारम्भ)	99
सदस्यों का नाम लेना	105

मास्टर कुणाल यादव, गूगल बॉय तथा श्री खुर्शीद आलम, शिक्षाविद् का अभिनंदन	107
सदस्यों का नाम लेना (पुनरारम्भ)	107
राजकीय महिला महाविद्यालय, सैक्टर–14, पंचकुला के प्राध्यापकों तथा विद्यार्थियों का अभिनंदन	108
सदस्यों का नाम लेना (पुनरारम्भ)	109
हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य का अभिनंदन	113
इंडियन नैशनल लोकदल के नेम किए गए सदस्यों को वापिस बुलाने के लिए निवेदन	113
वॉक–आउट्स	113
सदस्यगण का निलंबन	114
वर्ष 2018–2019 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा का पुनरारम्भ	116
बैठक का समय बढ़ाना	127
वर्ष 2018–2019 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	127
बैठक का समय बढ़ाना	134
वर्ष 2018–2019 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	134
बैठक का समय बढ़ाना	138
वर्ष 2018–2019 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	139
बैठक का समय बढ़ाना	140
वर्ष 2018–2019 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	141

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 13 मार्च, 2018

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर – 1, चण्डीगढ़ में सुबह 10:00 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री कंवर पाल) ने अध्यक्षता की।

.....

बजट से संबंधित दस्तावेजों को रखने के लिए सदस्यों को बैग उपलबध करवाने के बारे में सूचना

वित्त मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु) : अध्यक्ष महोदय, प्रश्नकाल शुरू होने से पहले मैं आपकी अनुमति से एक बात सदन में कहना चाहता हूँ कि सभी माननीय सदस्यों की सीटों पर एक–एक बैग रखा गया है। क्योंकि जब बजट प्रस्तुत किया गया था, उस समय कुछ माननीय सदस्यों द्वारा यह कहा गया था कि बजट से संबंधित काफी डॉक्यूमैंट्स होते हैं, इसलिए उनको कैरी करने के लिए एक बैग की भी व्यवस्था होनी चाहिए। मैंने सदन में इस बात के लिए कमिटमैंट मैंने किया था, वह कमिटमैंट आज पूरी कर दी है। (विघ्न)

.....

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अब प्रश्नकाल शुरू होता है।

Amount Disbursed as Compensation for Crop Losses

***2637. Smt Latika Sharma** : Will the Revenue and Disaster Management Minister be pleased to state the extent of amount disbursed by the Government as compensation for crop losses due to natural calamities during the year 2001 to 2017 togetherwith the year wise details of compensation amount ?

वित्त मंत्री (श्री कैप्टन अभिमन्यु) : श्रीमान जी, सभी उपायुक्तों की रिपोर्ट अनुसार वर्श 2001 से 2017 के दौरान प्राकृतिक आपदाओं के कारण हुए फसल नुकसानों के लिए मुआवजे के रूप में सरकार द्वारा वितरित की गई कुल मुआवजा राषि 3212,11,07,777/– रूपये है। इसका वर्शवार ब्यौरा निम्न प्रकार से हैः–

क्र0 सं0	वर्ष	राशि
1	2001	1,15,62,938/-
2	2002	35,65,46,579/-
3	2003	13,34,16,213/-
4	2004	28,41,96,376/-
5	2005	50,92,63,822/-
6	2006	40,33,10,150/-
7	2007	169,22,28,308/-

8	2008	25,91,27,777/-
9	2009	156,07,43,552/-
10	2010	269,85,88,709/-
11	2011	30,45,35,141/-
12	2012	54,48,46,774/-
13	2013	110,86,30,868/-
14	2014	453,98,98,365/-
15	2015	924,24,17,195/-
16	2016	803,82,50,662/-
17	2017	43,35,44,348/-
	Total	**3212,11,07,777/-**

श्रीमती लतिका शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी का धन्यवाद करती हूँ कि वर्ष 2001 से 2017 के दौरान प्राकृतिक आपदाओं के कारण हुए फसल नुकसानों के लिए किसानों को 3212,11,07,777/– रूपये की मुआवजा राशि दी गई है। हमारी सरकार ने पिछली सरकारों के मुकाबले किसानों को ज्यादा मुआवजा देने का काम किया है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा चलाई गई 'फसल बीमा योजना' की शुरूआत भी हमारे कृषि मंत्री श्री ओम प्रकाश धनखड़ ने रायपुररानी से की थी। माननीय वित्तमंत्री जी ने इस बार बजट में प्राकृतिक आपदाओं के कारण जो फसलों को नुकसान होगा उसके लिए भी बजट रखा है। इसके लिए माननीय वित्तमंत्री जी बधाई के पात्र हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार को धन्यवाद देना चाहूंगी कि सरकार ने किसानों के लिए बहुत अच्छा काम किया है। यह सरकार किसानों के लिए सबसे ज्यादा हितकारी है क्योंकि किसान फसलों के खराब होने के कारण आत्म हत्या कर रहे थे और सरकार ने किसानों को मुआवजा देकर कल्याणकारी काम किया है। अध्यक्ष महोदय, मैं इसके साथ यह बात भी जोड़ना चाहूंगी कि हमारे पहाड़ी क्षेत्र में बसे कालका हल्के में फल और सब्जियां उगाने वाले किसानों के लिए भी मुआवजे का प्रावधान किया जाए।

कैप्टन अभिमन्युः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या ने बहुत ही अच्छा सुझाव दिया है क्योंकि कालका एक पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण वहां के लोग तकलीफों में रहते हैं और माननीय महोदया उनकी तकलीफों को लेकर आवाज उठाती रहती हैं। चूंकि वहां के किसान सब्जी की खेती और अन्य प्रकार की खेती करते हैं और उन

किसानों को भी प्राकृतिक आपदाओं के कारण नुकसान होता है इसलिए इनका यह सुझाव प्रशंसनीय है। डिजास्टर रिलीफ फंड में भारत सरकार के कुछ नॉर्म्ज हैं उन्हीं नॉर्म्ज के अनुसार मुआवजा दिया जाता है। हम हरियाणा सरकार की तरफ से भारत सरकार को इस संबंध में पत्र लिखेंगे और राज्य स्तर पर भी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त मैं एक जानकारी और देना चाहूंगा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के बाद माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में किसानों को जितनी भी कम्पंसेशन दी गयी है वह कम्पंसेशन बैंक के माध्यम से संबंधित किसानों के बैंक खातों में दी गयी है ताकि बैनिफिशरीज को सीधा लाभ पहुंचे। लगभग 33 लाख किसानों के बैंक खातों के माध्यम से कम्पंसेशन दी गयी है। इसके साथ ही साथ कम्पंसेशन की एकच्युअल डिलीवरी का प्रतिशत पहले की तुलना में बहुत ज्यादा बढ़ा है। वर्ष 2001–04 में कम्पंसेशन की घोषणा का 38.75 प्रतिशत पैसा किसानों के पास पहुंचा था और वर्ष 2005–14 तक कम्पंसेशन का 77 प्रतिशत पैसा किसानों के पास पहुंचा था। इसके बाद 26 अक्टूबर 2014 के बाद यह प्रतिशत एकच्युअल खातों के माध्यम से किसानों के पास लगभग 90 प्रतिशत तक पहुंचा है। अध्यक्ष महोदय, मैंने आपके माध्यम से बैंक द्वारा मुआवजे की डिलीवरी देने के लाभ के बारे में सदन में आंकड़े बताये हैं।

श्री परमेन्द्र सिंह ढुलः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि मेरे हल्के में वर्ष 2015 में ओला वृष्टि हुई थी तो सरकार द्वारा नुकसान हुई फसल की गिरदावरी करवायी गयी थी और गिरदावरी की गई 3077 एकड़ फसल की रिपोर्ट सरकार के पास आ चुकी है। उसके बाद वर्ष 2015 में कपास में सफेद मक्खी से किसानों को नुकसान हुआ था। उस समय मेरे जीन्द हल्के में 200 गांवों में 1 लाख 74 हजार एकड़ फसल का नुकसान हुआ था लेकिन उस फसल का मुआवजा अभी तक नहीं दिया गया है। अभी वर्ष 2017 में भी भारी वर्षा हुई थी। उसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी और माननीय वित्त मंत्री जी से मिला था और सरकार की तरफ से विभाग को गिरदावरी करने के लिए आदेश दिये गए थे तथा साथ ही खेतों में भरे हुए पानी को निकालने के लिए भी कहा गया था। लगभग 17 हजार 256 एकड़ जमीन की गिरदावरी की रिपोर्ट सरकार के पास आ चुकी है। सरकार बीमा कम्पनियों को बारिश से होने वाले नुकसान की कम्पंसेशन देने के लिए कह रही है परन्तु बीमा कम्पनियां कहती हैं कि वे बारिश के नुकसान का मुआवजा नहीं देंगी। मैं कहना चाहूंगा कि किसान अपनी फसलों के

नुकसान का मुआवजा कहां से लें। मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार इस नुकसान की भरपाई का कोई हल निकालेगी। मेरे हल्के की रिपोर्ट सरकार के पास आ चुकी है, जिसमें 17 हजार 256 एकड़ जमीन है। इसके अतिरिक्त 3 हजार 77 एकड़ फसल का नुकसान ओलावृष्टि से हुआ था जिसकी जानकारी सरकार के पास है। यह नुकसान बीमा फसल योजना शुरू होने से पहले का है इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि क्या सरकार इन किसानों को मुआवजा देने की कृपा करेगी ?

कैप्टन अभिमन्युः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जुलाना विधान सभा क्षेत्र के गांवों में फसलों के नुकसान के मुआवजे को लेकर सरकार से लगातार सम्पर्क किया है और वे इस मुददे को उठाते रहे हैं। जुलाना मेरा पड़ोस का हल्का है। हमारे क्षेत्र के किसान भी अपनी फसलों को जुलाना की मंडी में ले जाकर बेचते हैं। जुलाना हल्के में मेरा आना जाना लगा रहता है और जुलाना हल्के के तमाम विषयों को मैं देखता रहता हूं। कई मामलों का जिक्र माननीय सदस्य ने किया है लेकिन मैं इनको बताना चाहूंगा कि सरकार ने फसल इन्श्योरैंस स्कीम को लागू करने के साथ–साथ इस स्कीम में एक प्रावधान किया है कि जो डिजास्टर रिलीफ फंड से कम्पंसेशन दिया जाता है वह केवल उसी किसान को दिया जाता है जो इन्श्योरेंस स्कीम में कवर्ड नहीं होते हैं। अगर कोई किसान इस इन्श्योरेंस स्कीम में कवर्ड हैं तो उसको इन्श्योरेंस स्कीम के माध्यम से ही मुआवजा मिलता है। वर्तमान में जिस फसल की बिजाई होती है उस फसल का कोई रिकार्ड उपल्बध नहीं होता है कि कौन सी जमीन की फसल इन्श्योरेंस स्कीम में कवर्ड है और कौन सी जमीन की फसल इन्श्योरेंस स्कीम में कवर्ड नहीं है। इसके अतिरिक्त पानी की निकासी के मामले में जिला प्रशासन से रिपोर्ट मंगवायी गई है और उसमें कुछ हिस्से को सैंक्शन करने के लिए प्रपोजल बनाकर माननीय मुख्य मंत्री जी के पास भेजा गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूंगा कि हमने जो निर्णय लिए हैं उसके तहत केवल उन्हीं किसानों को डिजास्टर रिलीफ फण्ड से कम्पनसेशन दिया जा सकता है जिन किसानों की फसल इश्योरेंस से कवर नहीं होती है। अध्यक्ष महोदय, हम चाहते हैं कि उन किसानों को इसका लाभ तुरन्त दिया जाए और मैं यह बताना चाहूंगा कि उसकी फाईल प्रोसेस में है। अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूंगा कि हमारे माननीय सदस्य ने जो बाकी के विषय उठाए हैं, उन सारे विषयों के ऊपर हमने बड़ी सूक्ष्मता से जांच करवाई है। अध्यक्ष महोदय, भारत सरकार के कम्पनसेशन के

जो नार्म्स हैं, उसके तहत केवल उन्हीं किसानों को कम्पनसेशन दिया जा सकता है, जिन किसानों की फसल किसी ओलावृष्टि या किसी क्लाइमेट चैंज की वजह से 33 प्रतिशत से ऊपर खराब हो गई हो, लेकिन हमारी राज्य सरकार के नामर्स के अनुसार जिन किसानों की फसल ओलावृष्टि या किसी क्लाइमेट चैंज की वजह से 25 प्रतिशत से ऊपर खराब हो गई हो तो उसे कम्पनसेशन दिया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, अगर कहीं–कहीं पर किसी किसान की फसल 25 प्रतिशत से कम डैमेज होती है तो हम इसकी दोबारा से जांच करवाते हैं। अध्यक्ष महोदय, जैसे हमारे माननीय सदस्य ने बताया कि हमारे पास गलत रिपोर्ट आई हुई है तो मैंने उसकी दोबारा से जांच करवाई थी। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन को बताना चाहूंगा कि हम पूरी तरह से किसानों का साथ देना चाहते हैं और हम हर जगह पर किसानों के साथ खड़े हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि हम केवल सरकारी रिपोर्ट या आधिकारिक रिपोर्ट के ऊपर विश्वास करके नहीं चलते हैं तथा जितना पॉसिबल होता है हम उसकी जांच करवाते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन की जानकारी के लिए एक बात और बताना चाहूंगा कि कल मैंने मुख्यमंत्री जी के पास एक फाईल भेजी थी, जिसमें जुलाना क्षेत्र को करीब 18 करोड़ रुपए मुआवजे के रूप में देने की बात की गई थी, वह राशि सैंक्शन हो चुकी है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री जगबीर सिंह मलिकः स्पीकर सर, मैं कुछ कहना चाहता हूं (विघ्न)

श्री अध्यक्षः मलिक जी, कृपया आप बैठ जाएं। (शोर एवं व्यवधान) अगर आप सारे माननीय विधायक इस तरह से खड़े होकर बोलते रहेंगे तो सारे क्वैश्चन डिसकस नहीं हो पाएंगे। (शारे एवं व्यवधान)

.....

तरांकित प्रश्न संख्या– 2397

(यह प्रश्न पूछा नहीं गया, क्योंकि इस समय माननीय सदस्या श्रीमती प्रेमलता सदन में उपस्थित नहीं थी।)

.....

To Declare Prithala as Sub-Division

***2566. Shri Tek Chand Sharma** : Will the Revenue and Disaster Management Minister be pleased to state

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to declare Prithala (Palwal) as sub-division; and

(b) if so, the time by which the above said proposal is likely to be materialized?

Finance Minister (Capt. Abhimanyu): (a) No, Sir. (b) This part of the queston, therefor, does not arise.

.....

श्री अध्यक्षः अब टेकचन्द जी अपना अगला सवाल पूछेंगे।

श्रीमती किरण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, इससे पहले कि अगला प्रश्न टेकअप हो, मैं आपके माध्यम से यह पूछना चाहती हूं कि आखिर सरकार गायों के बारे में जवाब देने से घबराती क्यों है ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्माः अध्यक्ष महोदय, किरण जी जो सवाल पूछ रही हैं, उसका जवाब नहीं दिया जा रहा है। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, मैंने सोचा था कि मैं मंत्री जी से जवाब पूछूंगी, लेकिन इन्होंने तो कल मेरे सवाल को ही गायब करवा दिया। अध्यक्ष महोदय, इससे साफ पता चलता है कि सरकार की मंशा गायों के प्रति क्या है ? अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी हमारे प्रश्न का जवाब क्यों नहीं देना चाहते हैं? (शोर एवं व्यवधान)

श्री टेक चंद शर्माः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि मैंने अपने विधान सभा क्षेत्र पृथला को सब–डिवीजन बनाने की बात कही थी। अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी पृथला कांस्टीच्युएंसी के बारे में कई बार सदन में कह चुका हूं कि मेरी पृथला कांस्टीच्युएंसी दो जिलों में बंटने के कारण यहां पर न तो कहीं पर बिजली विभाग का दफ्तर है, न ही पब्लिक हैल्थ डिपार्टमेंट का दफ्तर है और न ही कोई रेस्ट हाउस है। अध्यक्ष महोदय, यह एक ऐसी कांस्टीच्युएंसी है जो दो पार्टस में बंटी हुई है। अध्यक्ष महोदय, पृथला कांस्टीच्युएंसी दो पार्टस में बंटने की वजह से वहां पर काफी धीरे–धीरे विकास हो रहा है और दो पार्टस में बंटे होने के कारण यहां पर बहुत सारी दिक्कतें भी पैदा हो रही हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि यहां पर एक सब–डिवीजन बनने में कोई दिक्कत नहीं है।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह भी कहना चाहूंगा कि हमारे यहां पर अभी एक नया ब्लॉक तिगांव बनाया गया है, जिसके अंदर मेरे क्षेत्र से ही 8 गांवों को जोड़ दिया गया है, जबकि भौगोलिक दृष्टि से वे गांव उस ब्लॉक के अंदर नहीं लगते हैं। अध्यक्ष महोदय, वहां के डी.सी साहब की तरफ से एक लैटर आया हुआ है और मैं माननीय मंत्री जी से अनुरोध करना चाहूंगा कि जुनेडा, सांझापुर, साहुपुरा, बुखारपुर, नवादा और मुजेरी इन सारे गांवों को दोबारा बल्लभगढ़ ब्लॉक से जोड़ा जाए। अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी कहना चाहूंगा कि वहां पर एक उप–तहसील गौछी बनी थी, जिसके अंदर मेरे कांस्टीच्युएंसी के 9 गांवों को जोड़ दिया गया था। अध्यक्ष महोदय, इसमें पहले से ही 3 ब्लॉक थे जो अब बढ़कर 4 हो गए हैं। अध्यक्ष महोदय, इसमें पहले ही 3 उप–तहसील थी जो कि अब बढ़कर 5 हो गई हैं। अध्यक्ष महोदय, इस तरह वहां पर एक बहुत ही अजीब सी स्थिति पैदा हो गई है। अध्यक्ष महोदय, यह कांस्टीच्युएंसी वर्ष 2007 के बाद बनी है, लेकिन वर्ष 2007 से पहले की स्थिति कुछ और थी। मेरा कहना यह है कि कोई भी कांस्टीच्युएंसी हो उसमें जो भी तहसील या सब–डिवीजन हों वे एक ही जिले में होनी चाहिएं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि हमारी पृथला कांस्टीच्युएंसी दो पार्टस में बंटी हुई हैं, इसलिए इसको समराइज किया जाए।

कैप्टन अभिमन्यु : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी की पृथला विधान सभा की विशेष परिस्थिति है । यदि एक दृष्टि से देखा जाये तो ये दो–दो जिलों में दखल/प्रभाव रखते हैं और दो जिलों में काम भी करवा सकते हैं । माननीय साथी ने पृथला को सब डिवीजन बनाने की मांग की है । इस बारे में मैं बताना चाहूंगा कि पलवल जिला में पलवल, होडल और हथीन तीन सब डिवीजन इस समय हैं । सब डिवीजन के पुनर्गठन के लिए नार्म्ज बनाने के लिए कैबिनेट की सब कमेटी आदरणीय श्री ओम प्रकाश धनखड़ जी की अध्यक्षता में बनाई गई थी । इस कमेटी ने पूरे विषय पर गंभीरता से विचार करके सब डिवीजन बनाने के नार्म्ज का गठन किया है । जिसके मुताबिक एक सब डिवीजन बनाने के लिए उसमें 40 से अधिक गांव, 15 से ज्यादा पटवार सर्कल, तहसील और सब तहसील एक या उससे ज्यादा, एक लाख से ज्यादा जनसंख्या और 15 हजार हैक्टेयर एरिया होना चाहिए । इसके अतिरिक्त जिला मुख्यालय से कम से कम 10 कि.मी. की दूरी होनी चाहिए । इन नार्म्ज के मुताबिक आज के दिन पलवल जिले में तीन सब डिवीजन

का ही स्कोप बनता है और वे बने हुए हैं । लेकिन माननीय सदस्य ने पृथला विधान सभा क्षेत्र दो जिलों में होने की चिंता व्यक्त की है । इसके अतिरिक्त तिगांव और गोच्छी सब तहसील के बारे में भी चिंता व्यक्त की है । इन सभी विषयों पर हम विवेकपूर्ण विचार करेंगे और जो भी संभव होगा वह हल निकालेंगे ।

श्री टेकचंद शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मेरा हल्का पृथला विधान सभा के नाम से है । माननीय एग्रीकल्चर मिनिस्टर जब वहां गये थे तब लोगों की मांग पर पृथला में उप तहसील बनाने की घोषणा करके आये थे । इसके अतिरिक्त एग्रीकल्चर मिनिस्टर साहब अभी होली मिलन समारोह में भी वहां गये थे और वहां उप तहसील बनाने की बात स्वीकार करके आये थे इसलिए मंत्री जी अभी पृथला में उप तहसील बनाने का आश्वासन दे दें ।

कैप्टन अभिमन्यु : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है यह बहुत ही विवेकपूर्ण तरीके से सभी पहलूओं पर विचार करके बनाया जा सकता है । हम माननीय सदस्य के इस विषय पर भी सहानुभूतिपूर्वक विचार करके हल निकालेंगे ।

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने कहा है कि पृथला को उप तहसील बनाने के लिए एग्रीकल्चर मिनिस्टर घोषणा करके आये थे इसलिए अभी मंत्री जी अपने मंत्री की बात तो रख लें । (विघ्न)

कैप्टन अभिमन्यु : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या हमारी सीनियर हैं । मैं उनसे निवेदन करूंगा कि पहले वे मेरी पूरी बात सुन लें । मैंने पहले भी बताया है कि कैबिनेट की सब कमेटी आदरणीय ओम प्रकाश धनखड़ जी की अध्यक्षता में बनी हुई है जिसने विभिन्न पहलूओं पर विचार करके विवेकपूर्ण ढ़ंग से गंभीर आकलन किया है और अपने सुझाव दिए हैं । आज के दिन पृथला पटवार सर्कल में पृथला, हरफली और तातरपुर तीन गांव हैं और उनकी आबादी 9880 है तथा 1213 हैक्टेयर क्षेत्रफल है । ऐसे में मैं माननीय सदस्य को विश्वास दिलाता हूं कि उन्होंने जो भी विषय उठाये हैं उनको भविष्य में जब भी कैबिनेट की सब कमेटी विचार करेगी उसके समक्ष रख दिया जायेगा । (शोर एवं व्यवधान)

श्री नसीम अहमद : अध्यक्ष महोदय, *** ।

श्री अध्यक्ष : नसीम जी, प्लीज आप बैठें । आप अलग से प्रश्न लगायें उसका जवाब दिया जायेगा । आप इस तरह से किसी सदस्य को डिस्टर्ब न करें । मेरी इजाजत के बगैर नसीम अहमद जी जो कुछ बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये । नसीम जी, यदि आपका सवाल लगा हो और दूसरा सदस्य आपको डिस्टर्ब करे तो आपको कैसा लगेगा । अब गीता भुक्कल जी अपना प्रश्न पूछेंगी । प्लीज, आप बैठें। अब दूसरा प्रश्न भी आ चुका है ।

Kisan Model Schools In The State

***2574. Smt. Geeta Bhukkal** : Will the Education Minister be pleased to state the total number of Kisan Model Schools opened in the state togetherwith details thereof ?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : श्रीमान् जी, वर्ष 2010 में प्रत्येक जिले मे एक विद्यालय खोलने हेतु कुल 21 किसान आदर्श विद्यालय स्थापित करने की स्वीकृति प्रदान की गई थी । वर्ष 2012 में प्रथम चरण में छछरौली (यमुनानगर) सांघी (रोहतक), काछवा (करनाल), भम्भेवा (जीन्द) और नांगल सिरोही (महेन्द्रगढ) के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में पॉच किसान आदर्श विद्यालय शुरू किए गए । यद्यपि शैक्षणिक सत्र 2015–16 में इनमें से तीन विद्यालयों में केवल 35 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया और भम्भेवा, जीन्द तथा नांगल सिरोही, महेन्द्रगढ के किसान आदर्श विद्यालयों में किसी भी विद्यार्थी ने प्रवेश लेने में रूचि नहीं दिखाई । अतः इन सभी पॉचों विद्यालयों को वर्ष 2016 में बंद कर दिया गया ।

किसान आदर्श विद्यालयों के लिए नियुक्त 13 पी0जी0टी0 अध्यापकों को आरोही विदयालयों में रिक्त पदों पर समायोजित किया गया है तथा इन विद्यालयों के विद्यार्थियों को उन्हीं राजकीय विद्यालयों में स्थानांतरित कर दिया गया । अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार आने के बाद किसान मॉडल स्कूल खोलने के लिए दोबारा से विचार किया गया और बिल्डिंग्ज का कार्य पूरा करवाया गया । नांगल सिरोही में 2.62 करोड़ रुपये, सांघी में 9 करोड रुपये, चरखी दादरी में

*** चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।**

6करोड़ रुपये और सुबाणा में 2.40 करोड़ रुपये की लागत से बिल्डिंग का कार्य करवाया गया है । अब ये सभी भवन बनकर तैयार हैं और हम दोबारा से सभी जगह पर इस योजना को प्रारम्भ करेंगे ।

श्रीमती गीता भुक्कल : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने किसान मॉडल स्कूलों के बारे में जवाब दिया है और कहा है कि ये दोबारा से इनको शुरू करेंगे लेकिन इनके लिखित जवाब में लिखा हुआ है कि इन्होंने ये सारे के सारे स्कूल बंद कर दिए हैं । मौजूदा सरकार अपने को किसान हितेषी होने का दावा करती है और कहती है कि सरकार किसानों के हित में काम करती है । अध्यक्ष महोदय, जिस समय हमारी सरकार थी उस दौरान हमने प्रदेश में 36 आरोही मॉडल स्कूल और 24 कस्तुरबा गांधी स्कूल खोले थे । जाकिर हुसैन जी कल मेवात की बात कर रहे थे । मैं बताना चाहूंगी कि हमने मेवात के हर ब्लॉक में आरोही मॉडल स्कूल, कस्तूरबा गांधी स्कूल और आई.टी.आईज़. खोली थी ।

श्री अध्यक्ष : मैडम, आपकी सरकार के समय में आपने क्या कार्य किए थे उनके बारे में बात न करके आप प्रश्न पूछें । यह प्रश्नकाल है ।

श्री नसीम अहमद : अध्यक्ष महोदय, मैं गीता भुक्कल जी की बात पर कुछ बोलना चाहता हूं । (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती गीता भुक्कल : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रश्न पर ही आ रही हूं । मैं बताना चाहूंगी कि हमारी सरकार के समय में किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए हमने हरियाणा शिक्षा विभाग और हरियाणा मार्केटिंग बोर्ड के तालमेल से प्रदेश में किसान मॉडल स्कूल खोलने का बहुत बड़ा निर्णय लिया था । (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती कविता जैन : अध्यक्ष महोदय, माननीया सदस्या पिछली सरकार के समय में क्या किया गया उसकी बात कर रही हैं जबकि इनको प्रश्न पूछना चाहिए । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मैडम गीता जी, आपकी सरकार के समय में आपने क्या कार्य किए थे उनके बारे में बात न करके कृपया आप प्रश्न पूछें । यह प्रश्नकाल है ।

श्रीमती गीता भुक्कल : अध्यक्ष महोदय, मैं यही बता रही हूं कि हमारी सरकार के समय में 2010 में चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के नेतृत्व में निर्णय लिया गया था कि हर जिले में किसान मॉडल स्कूल खोले जायेंगे । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मैडम, आपने दस साल क्या किया और क्या नहीं किया वह जानकारी सदन में न देकर आप प्रश्न पूछें । इस तरह से आप सदन का समय बरबाद न करें । (शोर एवं व्यवधान)

श्री नसीम अहमद : अध्यक्ष महोदय, अभी गीता भुक्कत जी कह रही थी कि उनकी सरकार के समय में मेवात में बहुत कार्य करवाये गये । मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि 1 जून, 2011 को इनकी पूर्व पार्टी प्रधान श्रीमती सोनिया गांधी मेवात ने मांडीखेड़ा हास्पिटल से जच्चा–बच्चा स्कीम का शुभारम्भ किया था और पूरे देश के लिए यह स्कीम चलाई गई थी लेकिन उस समय उस हॉस्पिटल में कोई भी लेडी डाक्टर नहीं थी । इस तरह के कार्य तो इनकी सरकार के समय में किए जाते थे कि जिस हास्पिटल में एक भी लेडी डाक्टर न हो वहां पर जच्चा–बच्चा स्कीम का शुभारम्भ किया जाये । इनकी सरकार के समय में वहां पर घोषणाएं की जाती थी लेकिन कार्य कोई नहीं होता था । अध्यक्ष महोदय, आज के दिन भी मेवात में एक भी लेडी डाक्टर नहीं है ।

श्रीमती गीता भुक्कल : अध्यक्ष महोदय, मैं जो भी बात कह रही हूं वह फैक्ट्स के साथ कह रही हूं । कृपया करके मुझे प्रश्न पूछने दिया जाये । मैं यही बता रही हूं कि 2010 में हमने निर्णय लिया था कि प्रदेश में 21 किसान मॉडल स्कूल खोले जायेंगे । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : मैडम, आपकी सरकार के समय में आपने क्या कार्य किए थे उनके बारे में बात न करके प्लीज आप प्रश्न पूछें । यह प्रश्नकाल है । आप इस तरह से सदन का समय बरबाद न करें ।

श्रीमती गीता भुक्कलः अध्यक्ष महोदय, मेरा यह बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न है लेकिन मंत्री जी का इस बारे में सम्पूर्ण जवाब नहीं आया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः गीता जी, मंत्री जी ने जवाब दे दिया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती गीता भुक्कलः अध्यक्ष महोदय, जवाब कम्पलीट नहीं दिया गया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रामबिलास शर्माः अध्यक्ष महोदय, आदरणीय बहन गीता भुक्कल बहुत ही विद्वान विधायक हैं, ये रात का जिक्र कर रही हैं। ये अक्तूबर, 2014 से पहले की बात कर रही हैं। मैं इनको कहना चाहता हूं कि :–

रात का न जिक्र कर, रात तो गुजर गई,

है सुबह तू यह बता कि रोशनी किधर गई।

मैं बहन गीता भुक्कल जी को बताना चाहता हूं कि चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के गांव सांघी में किसान आदर्श विद्यालय पर 9 करोड़ रुपये बिल्डिंग बनाने पर खर्च किये गये और उसमें बच्चों की संख्या 5 रही इसलिए ये अपने समय का जिक्र न करें। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती गीता भुक्कलः अध्यक्ष महोदय, मुझे मेरा अनुपूरक प्रश्न पूछने दिया जाये।

(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः गीता जी, मंत्री जी ने जवाब दे दिया है। आपने अपने पिछले 10 साल के बारे में बताना शुरू कर दिया है वह प्रश्न नहीं है।

श्री रामबिलास शर्माः अध्यक्ष महोदय, मैं बहन गीता भुक्कल को कहना चाहता हूं कि वे वर्तमान में जीना सीखें। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती गीता भुक्कलः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहती हूं कि किसान आदर्श विद्यालय जिन जिलों में शुरू हो गये थे और उनकी बिल्डिंग बन गई थी, सरकार उनको बंद कर रही है। सरकार ने अपने लिखित जवाब में कहा है कि हमने उनको बंद कर दिया है तो क्या सरकार उन किसान आदर्श विद्यालयों को दोबारा से शुरू करेगी? वहां पर बिल्डिंग हमारे समय में बन गई थी, पैसा मार्केटिंग बोर्ड दे रहा है, सारे टीचर्स वहां पर शिफ्ट हो चुके थे और बच्चों के एडमिशन भी हो चुके थे उसके बाद सरकार ने वर्ष 2015–16 में इन विद्यालयों को बंद कर दिया है। मेरे हिसाब से यह जवाब भी गलत है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मंत्री जी ने वही तो जवाब दिया है कि 9 करोड़ रुपये की बिल्डिंग बनने के बाद भी केवल 5 स्टूडैंट्स आये हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रामबिलास शर्माः अध्यक्ष महोदय, बहन गीता जी जो कह रही हैं कि जवाब भी गलत दिया गया है यह ठीक नहीं है। जवाब विभाग से लिखित में तैयार हो कर आया है और यह गलत नहीं हो सकता है। सरकार की विल पॉवर तो देखिये कि सरकार ने गीता को पाठयक्रम में शामिल कर लिया है। जहां तक इन किसान

आदर्श विद्यालयों को फिर से शुरू करने की बात है तो हम उन किसान आदर्श विद्यालयों को नये सत्र से फिर से शुरू करने जा रहे हैं।

श्रीमती गीता भुक्कलः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी गीता का जिक्र कर रहे हैं। कल को ये यह भी कह देंगे कि आपका नाम गीता भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार में रखा गया है। मेरा गीता नाम मेरे माता–पिता ने रखा है भारतीय जनता पार्टी ने नहीं रखा है। मैं मंत्री जी से इस प्रश्न का जवाब हां या ना में चाहती हूं कि क्या सरकार इस स्कीम को दोबारा से शुरू करेगी?

श्री अध्यक्षः जवाब आ गया है, अब आप बैठ जाईये।

.....

Work Provided Under Saksham Haryana Yojna

***2617 Shri Pawan Saini :** Will the Employment Minister be pleased to state the number of educated unemployed persons who have been provided work under the Saksham Haryana Yojna in the state togetherwith the total honorarium being given to them?

श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री (श्री नायब सैनी) : श्रीमान, 'शिक्षित युवा भत्ता एवं मानदेय योजना–2016' (सक्षम युवा योजना नाम से लोकप्रिय) के तहत प्रारम्भ से लेकर दिनांक 06.03.2018 तक कुल 37,143 पात्र शिक्षित बेरोजगार प्रार्थियों को मानद कार्य प्रदान किया गया। दिनांक 06.03.2018 तक कुल 51.61 करोड़ रू0 की राशि मानेदय के रूप में वितरित की गई है।

अध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय विधायक डॉ. पवन सैनी जी ने प्रश्न किया है कि राज्य में सक्षम हरियाणा योजना के अन्तर्गत कितने शिक्षित बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार दिया गया है तथा उन्हें कुल कितना मानदेय दिया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं सबसे पहले हमारे लाडवा से लोकप्रिय विधायक जो साइकिलमैन से जाने जाते हैं, उनको यह बताना चाहता हूं कि "शिक्षित युवा सम्मानित हुआ" नामक योजना हमने शुरू की है और इसके तहत हमने युवाओं को रोजगार उपलब्ध नहीं करवाया है बल्कि उनको एक मानदेय के रुप में उनको आगे बढ़ाने के लिए इस योजना के तहत 1 नवम्बर, 2016 को आदरणीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में युवाओं

को सम्मानित किया है विभिन्न बोर्ड/कारपोरेशन्स में रजिस्टर करके उनको 100 घंटे काम के बदले हम 9 हजार तथा 7500 रुपये मानदेय देने का काम कर रहे हैं।

डा. पवन सैनीः माननीय अध्यक्ष जी, जहां हमारे बेरोजगार साथी बेरोजगारी भत्ते के लिए धक्के खाया करते थे। उनके लिए सरकार ने बहुत ही अच्छी एक सक्षम योजना चलाई है जिसके लिए मैं माननीय मंत्री जी का, भाई नायब सैनी जी और बहुत ही यशस्वी माननीय मुख्यमंत्री जी का बहुत–बहुत धन्यवाद करना चाहता हूं। इसके साथ ही मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह पूछना भी चहता हूं कि आपने जो सक्षम योजना के तहत हमारे बेरोजगार साथियों को 100 घंटे काम करने के बदले मानदेय देने का काम किया है। इसमें जिला अनुसार क्या संख्या है? दूसरा इसमें जो पी.जी. के विद्यार्थी हैं अर्थात हमारे जो स्नातक और स्नातकोतर बेरोजगार साथी हैं उनको कितना–कितना मानदेय दिया गया है? और इनसे नीचे हमारे जो 12वीं के बेरोजगार नोजवान हैं क्या उनको भी आगे इस योजना में जोड़ने का कोई प्रवाधान रखा है ? इसके साथ ही मैं मंत्री जी से यह भी जानना चाहता हूं कि जो सर्वे होते हैं जैसे मकानों के सर्वे, बी.पी.एल के सर्वे, क्या इन सर्वों में भी इन साथियों को लगाने का काम करेगें । अपने प्रदेश के अन्दर ऐसे बहुत से विभाग है जहां पर रिक्त स्थान हैं क्या इस सक्षम योजना के तहत इन युवाओं को उन रिक्त स्थानों पर लगाने का काम करेंगे?

श्री नायब सैनीः माननीय अध्यक्ष जी, जैसा विधायक जी ने कहा है और जैसा मैंने बताया भी है कि अगर हमें कहीं भी विभिन्न बोर्ड, कॉरपोरेशन या किसी ऑफिस के अन्दर सक्षम युवा की आवश्यकता पड़ती है तो हम वहां पर युवाओं को 100 घंटे काम देने का कार्य करते हैं लेकिन इन्होंने जो जिलावार डिटेल देने की बात कही है। उसमें मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि अम्बाला के अन्दर हम टोटल 1863 युवाओं को 100 घंटे काम के बदले मानदेय दे रहे हैं जो पोस्टग्रेजुएट हैं । भिवानी में 3772, फरीदाबाद में 254, फतेहाबाद में 1855, गुरूग्राम में 286, हिसार में 2821, झज्जर में 1807, जींद में 2694, कैथल में 2724, करनाल में 3410, कुरूक्षेत्रा में 2775 और महेन्द्रगढ़ व नारनौल में 897, नूंह में 238, पलवल में 545, पंचकूला में 574, पानीपत में 1402, रेवाडी में 685, रोहतक में 3592, सिरसा में 2172, सोनीपत में 1944, यमुनानगर में 4232 इस तरह से यह कुल 40,542 युवाओं ने इसके तहत रजिस्ट्रेशन करवाया है । ऐसे युवाओं को हम जहां–जहां पर काम

मिलता है उनको 100 घंटे काम के बदले पी.जी. को 9,000 रुपये और ग्रेजुएट को 7500 रुपये मानदेय देने का काम कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती गीता भुक्कल : अध्यक्ष महोदय, कहीं भी उन बेरोजगार युवाओं को मानदेय नहीं मिल रहा है । चाहे आप पता कर लें।

श्री नायब सैनीः अध्यक्ष महोदय, बहन जी ने जो बात कही है, उसमें मैं उनको बताना चाहूंगा कि हम उनको 100 घंटे काम के बदले मानदेय देने का काम कर रहे हैं परंतु कहीं पर युवाओं को अगर 50 घंटे काम मिलता है या 60 घंटे काम मिलता है या 40 घंटे काम मिलता है तो उनको उसी रेशो में मानदेय दिया जाता है। आज यह योजना इतनी लोकप्रिय है कि जिसके माध्यम से हरियाणा का युवा बहुत बड़ा लाभ ले रहा है। इसके साथ ही मैं आपको यह भी बताना चाहता हूं कि

फ्रैश युवाओं को भी शिक्षित करने का काम हमारे विभाग ने किया है। युवाओं को सक्षम योजना के तहत स्किल एजुकेशन द्वारा शिक्षित करने का एक प्रोग्राम चलाया जा रहा है और जिसके तहत तैयार लगभग 165 युवाओं को अलग–अलग विभागों में एडजस्ट करने का काम भी किया गया है। सरकार की यह सोच है कि हमारे युवा स्किल एजुकेशन के माध्यम से अपने पैरों पर खड़े हो जाए और यही कारण है कि जो युवा कभी फ्री घुमते थे और गलत रास्तों को अपना लेते थे, आज वे युवा सक्षम योजना के तहत स्किल एजुकेशन लेकर 100 घंटे काम के बदले 9000 रूपये की योजना का लाभ उठा रहे हैं। सक्षम योजना का मूल उद्देश्य भी यही है कि बच्चे अपने मां–बाप पर बोझ न बने और अपनी कमाई के पैसे से अपने फार्म वगैरह एप्लाई कर सके। सक्षम योजना की यह भी एक कंडीशन है कि स्किल एजुकेशन के माध्यम से जब युवा अपने पैरों पर खड़ा हो जाता है तो वह इस योजना से बाहर हो जायेगा।

श्रीमती किरण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, आज जब प्रेमलता जी का प्रश्न संख्या 2397 सदन में लगा था तो माननीय सदस्या सदन में उपस्थित नहीं थी लेकिन अब वह सदन में आ गई है इसलिए उनको उनका प्रश्न पूछने के लिए कहा जाये और प्रेम लता जी अपना प्रश्न पूछने के लिए उठ खड़ी भी हुई हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः किरण जी, बैठिए। मैं इसमें स्वयं संज्ञान ले लूंगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री करण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैंने दो प्रश्न पूछे थे एक तो मंत्रियों द्वारा उनकी संपत्तियों की घोषणा देने के बारे में था और दूसरा प्रश्न मैंने डिस्क्रिशनरी ग्रांट्स के संबंध में पूछा था जिनके जवाब डिपार्टमैंट की तरफ से नहीं आने की वजह से आपने इन प्रश्नों को पैंडिंग रख दिया था, मुझे इनका फेट बताया जाये और सदन में इन प्रश्नों को जल्द से जल्द लगाया जाये।

श्री अध्यक्षः दलाल जी, आपके पहला प्रश्न जोकि मंत्रियों द्वारा उनकी संपत्तियों की घोषणा के संदर्भ में पूछा गया था उसका जवाब आ गया है और जो दूसरा प्रश्न डिस्क्रिशनरी ग्रांट्स के संबंध में पूछा गया है, उसका अभी विभाग की तरफ से उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है। जैसे ही यह उत्तर भी प्राप्त हो जायेगा आपको भी इंफार्म कर दिया जायेगा और सदन में प्रश्न भी लगा दिया जायेगा।

श्रीमती किरण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, मैंने लगभग 50 प्रश्न लगाये थे लेकिन बावजूद इसके कल मेरा केवल एक प्रश्न लगाया गया था और वह भी पैंडिंग रह गया। यह ठीक बात नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः किरण जी, आप प्लीज बैठिए, आपके प्रश्न भी जरूर लगाये जायेंगे।

.....

Supply of Irrigation Water

***2612. Shri Gian Chand Gupta** : Will the Chief Minister be pleased to state the name of those areas where the irrigation water has been supplied in the tenure of present Government which were deprived of the irrigation water?

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड़) : वर्तमान सरकार ने भिवानी, चरखी दादरी, महेन्द्रगढ़, रेवाड़ी, झज्जर, गुरूग्राम, हिसार, अम्बाला और कैथल जिलों के 213 गांवों के शुष्क और पानी की कमी वाले क्षेत्रों में नहर के पानी की आपूर्ति की है और 18 विधानसभा क्षेत्रों को कवर किया है ।

अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने बहुत ही अच्छा प्रश्न पूछा है जिसकी वजह से मुझे आनन्द का अनुभव हुआ है। माननीय सदस्य ने अपने प्रश्न के माध्यम से पूरे हरियाणा में जल प्रबंधन की चिंता की है, इस संदर्भ में अगर मैं यह कहूं कि यह सरकार नो–भागीरथ की तरह काम कर रही है तो कोई अतिश्योक्ति नहीं

होगी। 9 जिलों, 18 विधान सभा क्षेत्रों, 213 गांवों में अर्थात कुल 15575 एकड़ में बेहतर जल प्रबंधन करके सरकार ने खेतों को पानी पहुंचाने का काम किया है। इसके अतिरिक्त जवाहर लाल नेहरू फीडर में मानसून के सीजन में लगभग 50 प्रतिशत पानी की ज्यादा आपूर्ति हुई, लोहारू फीडर में 94 प्रतिशत, महेन्द्रगढ़ की नहर में 73 प्रतिशत और जे.एल.एम. नहर में 34 प्रतिशत ज्यादा पानी की आपूर्ति हुई। अध्यक्ष महोदय, बहन किरण जी को इस बात को जानकर बहुत खुशी होंगी कि चरखी दादरी के इलाके में 113 वे गांव हैं जहां पर पानी नहीं पहुंचता था, वहां पर अतिरिक्त पानी पहुंचाया गया। इसी तरह से नारनौल के 56 गांव, रिवाड़ी के 22 गांव, कैथल के 8 गांव और अम्बाला के 11 गांव जहां पर पानी नहीं पहुंचता था, वहां पर भी पानी पहुंचाने का काम किया गया है। अध्यक्ष महोदय, हमारे डिपार्टमैंट की यह सोच भी है कि अगर बैटर वाटर मैनेजमैंट किए जायें तो एक करोड़ एकड़ फीट जो हमारे पास सरफेस वाटर है, उसमें से तीस लाख एकड़ फीट पानी बैटर वाटर मैनेजमेंट के जरिए बचाते हुए, हरियाणा प्रदेश के हर खेत को पानी पहुंचाया जा सकता है और निश्चित रूप से इस काम में हमारा विभाग पूरी तरह से लगा भी हुआ है और यही कारण है कि सभी नहरों का पुनर्निर्माण व लाइनिंग ठीक करते हुए हरियाणा प्रदेश के अंतिम छोर/टेल तक पानी पहुंचाने का काम किया जा रहा है और इसके साथ ही हमारी सरकार जो माइक्रो इरीगेशन पर जोर दे रही है, यह वे कारण है जिनकी वजह से मैंने कहा है कि हमारी सरकार नो–भागीरथ की तरह काम कर रही है।

श्री ज्ञान चन्द गुप्ता : आदरणीय अध्यक्ष जी, पिछली सरकारें टेल पर पानी पहुंचाने की बात करती रही हैं । अतः मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि पंचकुला जिले में सरकार ने नहरों की टेल्स पर पानी पहुंचाने के लिए क्या–क्या कदम उठाए हैं ? इससे हमें पता चलेगा कि हम इतनी टेल्स पर पानी पहुंचाने में कामयाब हुए हैं ।

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : आदरणीय अध्यक्ष जी, हमने इस कार्य पर बड़ी भारी राशि खर्च की है । हमने पेटवाड़ रजबाहा, हिसार मुख्य रजबाहा, पृथला रजबाहा, चन्देड़ माइनर, पंजोखरा माइनर, सेली माइनर, जहांगीरपुर माइनर, लोहारू रजबाहा, महेन्द्रगढ़ नहर, दोस्तपुर माइनर, कमानिया माइनर एवं जे.एल.एन. नहर आदि के नवीनीकरण, पुनर्वास व मरम्मत के लिए 191 करोड़ रूपये खर्च किये हैं । हमने जे.एल.एन. नहर आदि के नवीनीकरण, पुनर्वास व मरम्मत के लिए 143 करोड़ रूपये

की प्रशासनिक मंजूरी दी है जिसमें से 43 करोड़ रूपये नहर प्रणाली के पुनर्वास के लिए तथा 100 करोड़ रूपये पुराने पम्पों, मोटरों व संबद्ध घटकों द्वारा लिफ्ट इरीगेशन को मजबूत करने के लिए खर्च किये हैं । अब तक 35 करोड़ रूपये सिविल कार्यों पर तथा 42 करोड़ रूपये मैकेनिकल घटकों पर खर्च किये जा चुके हैं । हमारे विभाग द्वारा पुरानी ट्रांसमिशन लाइन्स, ट्रांसफार्मर्स तथा अन्य विद्युत घटकों को बदलने के लिए 24 करोड़ रूपये जमा करवाये गए हैं । लोहारू क्षेत्र में मनरेगा के तहत काफी महत्वपूर्ण कार्य किये गये हैं जिससे मजदूरों को रोजगार भी प्राप्त हुआ है और नहरों की लाइनिंग भी ठीक करवाई गई है । इसके कारण हमने न केवल 213 गांवों में 15 हजार एकड़ जमीन पर पानी पहुंचाया है बल्कि नारनौल में कृष्णावती नदी, दोहान नदी, मसानी बैराज, हमिदपुर बांध और जल महल की क्रीक से भूजल रिचार्जिंग का भी काम किया गया है ।

श्रीमती किरण चौधरी : आदरणीय अध्यक्ष जी, माननीय मंत्री जी ने अभी बहुत लम्बी–चौड़ी बात बताई है । अभी माननीय मंत्री जी ने बताया कि हमने इन–इन माइनर्स में पानी दे दिया है । मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को बताना चाहती हूं कि मेरे क्षेत्र के गांवों में अभी तक पीने का पानी भी नहीं पहुंचा है । हमारे क्षेत्र की नहरों में पहले जो पानी हर 32 दिन में आता था अब वहां पर 42 दिन में पानी आ रहा है । हमारे क्षेत्र भिवानी की निगाना माइनर, थिलौड़ माइनर, बिड़ौला माइनर, बिरोला माइनर, विनोद माइनर, छपार माइनर, आलमपुर माइनर, हसनपुर माइनर और खारियाबाद माइनर में पानी नहीं आ रहा है । इसके साथ–साथ नारनौल क्षेत्र की 22 डिस्ट्रीब्यूट्रीज में भी पानी नहीं आ रहा है । (विघ्न)

डॉ. अभय सिंह यादव : आदरणीय अध्यक्ष जी, मेरा कहना है कि माननीय सदस्या सही बात नहीं कह रही हैं । मेरे क्षेत्र की डिस्ट्रीब्यूट्रीज में पानी आ रहा है । (विघ्न)

श्रीमती किरण चौधरी : आदरणीय अध्यक्ष जी, वहां के माननीय सदस्य सदन में इन नहरों के विषय में बोले या न बोले लेकिन यह सच्चाई है कि वहां पर किसान सड़कों पर जाकर पानी के लिए आन्दोलन कर रहे हैं । माननीय मंत्री जी कह रहे हैं कि हम पानी दे रहे हैं जबकि हमारे क्षेत्र की नहरों के लिए जो पानी 31 दिन में दिया जाता था वह पानी अब 42 दिन में दिया जा रहा है । (विघ्न) मेरा कहना है कि माननीय मंत्री जी सदन को गुमराह करने की बात न करें । (विघ्न)

डॉ. अभय सिंह यादव : अध्यक्ष जी, मेरा कहना है कि अगर मेरे क्षेत्र की डिस्ट्रीब्यूट्रीज में पानी पहुंचने पर किसी सदस्य को शक हो तो वे वहां पर जाकर देख लें । (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय को एक सुजेशन देना चाहता हूं । माननीय मंत्री जी ने मेरे विधान सभा क्षेत्र में एक 'सूक्ष्म सिंचाई योजना' शुरू की है । उन्होंने इसकी शुरूआत मेरे गांव से की है । इसके लिए मैं माननीय मंत्री जी का आभारी हूं । मेरा कहना है कि यह योजना ठीक ढंग से काम नहीं कर रही है । इसका कारण यह है कि सन्दौरा माइनर से टैंक में जो पानी जा रहा है उसका लेवल ठीक नहीं है । अतः मेरा माननीय मंत्री जी से निवेदन है कि इसके लैवल को ठीक करवाया जाए ताकि सरकार द्वारा खर्च किया हुआ पैसा पूरी तरह यूज हो सके । (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : आदरणीय अध्यक्ष जी, माननीय सदस्या किरण चौधरी जी वैसे तो पूरे हरियाणा की नेता हैं लेकिन ये दादरी और भिवानी को ज्यादा क्लेम करती हैं । मेरे पास एक लिस्ट 31 माइनर्स की है और दूसरी लिस्ट 33 माइनर्स की है जो इस क्षेत्र को फीड करती है । ऐसा पहली बार हुआ है कि इन सभी माइनर्स में इस सरकार के समय में पानी पहुंचा और वहां के लोगों को इसका लाभ हुआ है । अध्यक्ष महोदय, जहाँ पर पानी पहुँचा हैं वे हैं कालूवाला माइनर, उमारवाज माइनर, खैरपुरा सब माइनर, बिजना माइनर, नंगला माइनर, नंगला सब माइनर, भारीवास माइनर, भारीवास सब माइनर, झोझू मानइर, बलाली माइनर, बलाली सब माइनर, कुराल डिस्ट्रीब्यूट्री, बादल सब माइनर, अशावरी सब माइनर, टोद्दी माइनर, भरवी माइनर, बरदु छैना माइनर, ढ़िगांवा सब माइनर, बिथान सब माइनर, नेकीपरु सब माइनर, खेहर खुर्द माइनर, सिरसी सब माइनर, बेहल माइनर, पेतवान माइनर, सोरा माइनर, सोरा डिस्ट्रीब्यूट्री, हसनपुर माइनर, झांझरा माइनर, बराहलु माइनर, पारतिय माइनर, गोविन्दपुरा माइनर, परतामल माइनर, निगाना हिल डिस्ट्रीब्यूट्री, दुलहेरी हिल डिस्ट्रब्यूट्री, दादम हिल डिस्ट्रब्यूट्री, टिटानी माइनर, दिनोद माइनर, केरू माइनर, चैनपुरा माइनर, पत्थेरवाली सब माइनर, दरियापुर माइनर, इशरवाल डिस्ट्रीब्यूट्री, जैनावास माइनर, तलवानी सब माइनर, इशरवाल सब माइनर, मण्ढोली माइनर, साहेलवाल माइनर, बडोला माइनर, सलीमपुर डिस्ट्रब्यूट्री, शरयारपुर माइनर, करवारी माइनर, कनवारी सब माइनर, मोतीपुरा डिस्ट्रब्यूट्री, हसन डिस्ट्रब्यूट्री, गुढ़ा माइनर, धरनवास माइनर, मिथी डिस्ट्रब्यूट्री, तोशाम हिल सब

माइनर, 1–एल तोशाम हिल सब माइनर, भुरताना सब माइनर, केरू माइनर, कोहर सब माइनर, कुसुम्बी माइनर, रिवासा सब माइनर और 1–आर केरू माइनर । मैं सरकार ने लगभग 100 गांवों में और इतनी नहरों में पानी दिया है। अध्यक्ष महोदय, पानी को लेकर के लोहारू में तो माननीय मुख्यमंत्री महोदय का स्वागत हुआ था। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी सदन को गुमराह कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : अध्यक्ष महोदय, पानी के लिए दादा व पोता की सेल्फी आ रही है। यानी वहां पर दादा के समय पानी गया था लेकिन कांग्रेस पार्टी की सरकार के समय पानी नहीं गया और अब पोता के समय यानी भारती जनता पार्टी की सरकार के समय पानी गया है। जब चौधरी बंसी लाल ने नहरें बनवाई थी तो उस समय पानी पहुँचा था और अब मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के समय पानी नहरों में पहुँचा है। अध्यक्ष महोदय, बहन किरण चौधरी को इसके लिए धन्यवाद बोलना चाहिए। पानी के लिए सारा तोशाम खुश है, सारा भिवानी खुश है और सारा लोहारू खुश है। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मेरे क्षेत्र में किसान पानी के लिए आंदोलन कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : अध्यक्ष महोदय, किरण जी के क्षेत्र में वहां पर पानी ही पानी है और कोई कहानी नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी सदन को गुमराह न करें और जो मैंने तथ्य रखें हैं वही सही हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या को ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। जो भी जानकारी सदन में दी गई है तथ्यों के आधार पर दी गई है। पानी पर राजनीति बहुत सालों से करते आए हैं लेकिन अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार पानी पर राजनीति नहीं होने देगी। हमारी सरकार पानी दे रही है और आगे भी देती रहेगी और न ही पानी पर राजनीति होने देगी। (इस समय मेजें थपथपाई गई।)

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, हम इनको पानी पिलाकर छोड़ेंगे। (हंसी)

डॉ0 अभय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, पानी के संबंध में मैं भी सदन में कुछ कहना चाहता हूँ। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अभय यादव जी, पानी के विषय पर बहुत बातें हो चुकी है। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी : यादव साहब, आपके इलाके में पानी का जुगाड़ तो मैंने कर दिया था। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ0 अभय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, बहन किरण चौधरी कह रही है कि मैंने पानी का जुगाड़ कर दिया था, इसके बारे में मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहता हूँ कि हमारे यहाँ भिवानी और महेन्द्रगढ़ जिले में जे.एल.एन. फीडर के माध्यम से पानी मिलता है लेकिन उसको काटकर 16 आउटलेट्स और निकाल दिए और बहन किरण चौधरी जी चुपचाप अपनी सरकार में बैठकर यह नजारा देखती रही। न जाने स्व0 चौधरी बंसी लाल जी ने कितने अरमानों के साथ जे.एल.एन. फीडर बनाया था। (विघ्न)

श्रीमती किरण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्यों को बताना चाहूंगी कि जो काम चौधरी बंसी लाल जी के कार्यकाल में हुए हैं उन कार्यों के बराबर कार्य वर्तमान सरकार नहीं करवा सकती है (विघ्न)।

श्री हरि चन्द मिढ्ढाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि मुझे अपने हल्के से संबंधित समस्याओं को कहने के लिए समय नहीं दिया जा रहा है। मेरे हल्के के गांवों में पानी नहीं है, जिसके कारण ग्रामवासियों में रोष है। इन समस्याओं के बारे में ग्रामीण मेरे पास शिकायतें लेकर आते हैं परन्तु मुझे अपने हल्के की समस्याओं को रखने के लिए समय नहीं दिया जा रहा है।

.....

To Develop Hisar Aerodrome

***2629 Shri Aseem Goel** : Will the Civil Aviation Minister be pleased to state whether the proposal to develop Hisar Aerodrome as International Airport has been dropped ; if not, the status thereof together with the efforts being made to develop it?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : नहीं, महोदय। अब तक उठाये गये कदम सम्मिलित हैं:

(1) हिसार में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे समेत एक एकीकृत विमानन हब के विकास के संबंध में व्यवहार्यता अध्ययन करवाने के लिए मार्च 2016 में एक अंतर्राष्ट्रीय परामर्शदाता, मैसर्ज फ्रॉस्ट एंड सुलीवान को लगाया गया ।

(2) दिनांक 17.02.2017 को एक अभिरूचि की अभिव्यक्ति जारी की गई तथा इच्छुक पार्टियों से पैमाने का फीडबैक लेने के लिए एक बैठक की गई।

(3) तीन चरणों की तैयारी की योजना, चरण–I में रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम (आरसीएस) के तहत घरेलू हवाई अड्डा, चरण– II में छोटे स्तर पर एमआरओ, फिक्स्ड बेस ऑपरेशंस (एफबीओ) तथा प्रतिरक्षा विनिर्माण और प्रतिरक्षा एमआरओ और चरण– III में एरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग, विमानन प्रशिक्षण केंद्र और विमानन विश्वविद्यालय, अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा तथा एरोट्रोपोलिस – वाणिज्यिक और आवासीय।

(4) वर्तमान हवाई पट्टी के निकट 4200 एकड़ भूमि के एक टुकड़े की पहचान।

(5) दिनांक 30.6.2017 को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक बैठक की गई जिसमें सभी सम्बन्धित विभाग भूमि हस्तांतरित करने पर सहमत हुए।

(6) दिनांक 2 मई, 2017 को सिविल विमान्न मंत्रालय की स्टीयरिंग कमेटी के साथ मीटिंग में साईट क्लीयरैंस के प्रस्ताव पर चर्चा की।

(7) मार्च 2017 में मौजूदा हवाई पट्टी का बाधा सीमा अध्ययन (ओ एल एस), भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के माध्यम से करवाया गया।

(8) सिविल विमानन मंत्रालय, भारत सरकार, (डवब।), हरियाणा सरकार और भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (कार्यान्वयन एजेंसी) के बीच 07.07.2017 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस उद्देश्य के लिए, उड़ान स्कीम के लिए मौजूदा 4000 फुट हवाई पट्टी को सुदृढ़/अपग्रेड करने का निर्णय लिया।

(9) हिसार में अंतर्राष्ट्रीय विमान्न हब के विकास और प्रदेश में अन्य हवाई अड्डों के विकास के लिए तकनीकी सहायता उपलब्ध करवाने के लिए सिविल विमान्न

विभाग हरियाणा और भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण के बीच 11.12.2017 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

(10) नीचे दिए गए कार्यों को निष्पादित करने की योजना :

क) यात्री टर्मिनल बिल्डिंग को लगभग 50 पैक्स के लिए फिर से तैयार किया जाना।

(ख) एलसीएन 20 की मौजूदा 1220ग्45 मीटर हवाई पट्टी का पुनर्निर्माण।

(ग) मौजूदा टैक्सी ट्रैक का विस्तार और नये टैक्सी ट्रैक का निर्माण।

(घ) एटीआर पार्किंग के लिए नया 380ग्90 मीटर एप्रन।

(ड) चार दीवारी की मुरम्मत और बीसीएएस द्वारा सुरक्षा लेखा परीक्षण।

(च) एटीसी सेवा टॉवर फ्रिक्वेंसी 122.5 एमएचजेड के लिए एटीसी भवन की बढ़ौतरी।

(छ) अग्निशमन उपकरण का उन्नयन।

(ज) बीसीएएस द्वारा विमान्न संबंधित कार्यों के लिए राज्य पुलिस को प्रशिक्षण।

(11) नई दिल्ली में 22.12.2017 को माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा और केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री के बीच हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि नई दिल्ली और हिसार के बीच मौजूदा चार लेन राष्ट्रीय राजमार्ग को छः लेन नियंत्रित पहुंच एक्सप्रेसवे में परिवर्तित करने के बारे में केन्द्र सरकार जांच करेगी।

(12) नई दिल्ली में 29.12.2017 को माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा और केंद्रीय रेलवे मंत्री के बीच हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि नई दिल्ली और हिसार के बीच सीधे रेल कनैक्शन के लिए काम तेज किया जाएगा और उसे सुपर फास्ट ट्रेनों को समायोजित करने के लिए उचित रूप से मजबूत किया जाएगा।

अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि this Government is a wonderful Government. पिछले कई वर्षों के बाद हमारी सरकार ने हवाई पट्टियों के लिए बजट का प्रावधान किया है जिसमें केवल

हिसार एयर पोर्ट, बाछौद की हवाई पट्टी, जो आदरणीय बहन किरण चौधरी की सरकार के समय में बनी थी और चांग की हवाई पट्टी शामिल है। इन हवाई पट्टियों के लिए बजट में 201 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है पिछली सरकारों की बजाय हमारी सरकार ने हवाई अड्डों के विकास के लिए 201 करोड़ रूपये का प्रावधान किया है जो कि 610 प्रतिशत की वृद्धि है (विघ्न)।

श्रीमती गीता भुक्कलः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से पूछना चाहूंगी कि माननीय मंत्री जी ने अन्तर्राष्ट्रीय एयर पोर्ट बनाने के बारे में बताया है (विघ्न)।

श्री अध्यक्षः गीता जी, माननीय सदस्य असीम जी सप्लीमैंट्री पूछ रहे हैं। इसलिए आप बैठ जाएं।

श्री असीम गोयलः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से इस प्रश्न की सप्लीमैंट्री पूछना चाहता हूं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या श्रीमती गीता भुक्कल जी हर समय राजनीति करती रहती हैं। यह मेरा राईट है कि मैं सप्लीमैंट्री प्रश्न पूछ सकता हूं (विघ्न)।

श्रीमती गीता भुक्कलः अध्यक्ष महोदय, जब हमारी पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा प्रश्न पूछे जाते हैं तो माननीय सदस्य बीच में बोलते रहते हैं (विघ्न)।

श्री असीम गोयलः अध्यक्ष महोदय, ये टाईम किलर हैं। हरियाणा प्रदेश इकॉनामी की दृष्टि से एक बढ़ता हुआ स्टेट है और ईज ऑफ डूईंग में हरियाणा ने अपनी पुरानी स्थिति से बहुत बड़ी छलांग लगायी है इसलिए हरियाणा प्रदेश में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का हवाई अड्डा बनना बहुत जरूरी है। मैं इसी संबंध में एक और सवाल पूछना चाहूंगा कि चण्डीगढ़ एयर पोर्ट के नाम पर पुरानी सरकारों ने बहुत बड़ा छलावा हरियाणा की जनता के साथ किया है। हरियाणा प्रदेश ने अपने हिस्से के पैसे एयर पोर्ट बनाने के लिए दिये थे लेकिन वह एयर पोर्ट न तो हरियाणा की जमीन में बना है और न ही उस एयर पोर्ट से हरियाणा को कोई फायदा हुआ है। वह एयर पोर्ट पंजाब के मोहाली जिले में बनाया गया है (विघ्न)।

श्री कुलदीप शर्माः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से पूछना चाहता हूं कि एयर पोर्ट के नाम के लिए श्री मंगल सेन के नाम को परपोज किया गया था। क्या यह नाम माननीय मुख्य मंत्री ने परपोज किया था (विघ्न)।

श्री असीम गोयलः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या अंबाला और पंचकुला जिलों को एयर पोर्ट से जोड़ने के लिए कोई एक्सप्रेस वे बनाने का सरकार का विचार है। अंबाला और पंचकुला जिले हरियाणा के गेटवे हैं तो क्या इन जिलों को एयर पोर्ट से जोड़ने के कोई विचार किया जा रहा है ताकि यहां के लोग भी एयर पोर्ट की सुविधा का लाभ उठा सकें (शोर एवं व्यवधान)?

श्री कुलदीप शर्माः अध्यक्ष महोदय, क्या आनरेबल चीफ मिनिस्टर इस बात का जवाब देंगे कि उन्होंने चंडीगढ़ एयरपोर्ट के बारे में कहा था कि उसका हरियाणा से कोई संबंध नहीं है ? (शोर एवं व्यवधान) और उन्होंने यह भी कहा था कि हरियाणा सरकार ने उस पर पैसे खर्च करके उस पैसे को बर्बाद करने का काम किया है। (शोर एवंव्यवधान)

श्री अध्यक्षः कुलदीप जी, मुख्यमंत्री जी ने कहा था कि उसका उतना लाभ नहीं रहा। (शोर एवं व्यवधान) कुलदीप जी, कृपया आप अपनी सीट पर बैठ जाएं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्माः अध्यक्ष महोदय, मैं सिर्फ एक मिनट का समय लेना चाहूंगा। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे अनुरोध करना चाहूंगा कि मुझे मंत्री जी से सवाल पूछने दिया जाए। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि क्या मुख्यमंत्री जी ने कभी यह प्रपोजल किया था कि उस एयरपोर्ट का नाम डॉक्टर मंगल सैन जी के नाम पर रखा जाए? (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, अगर उसका हरियाणा से कोई संबंध नहीं था तो उन्होंने उसका नाम डॉक्टर मंगल सैन जी के नाम पर क्यों रखने का प्रपोजल किया था ?(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कुलदीप शर्मा जी, आप बैठ जाएं। (शोर एवं व्यवधान)

वित्त मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु): अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्यगण सदन का समय बर्बाद करना चाहते हैं। (शोर एवंव्यवधान) अध्यक्ष महोदय, जो सवाल माननीय सदस्य बार–बार खड़े होकर पूछ रहे हैं उसका इस प्रश्न से कोई संबंध नहीं है। अध्यक्ष महोदय, ये जान–बूझकर सदन को गुमराह करना चाहते हैं। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय सदस्य श्री कुलदीप शर्मा जी कह रहे हैं कि सरकार ने चण्डीगढ़ अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट का हरियाणा के किसी सड़क मार्ग से

संबंध नहीं जोड़ा। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं इनसे कहना चाहूंगा कि अगर ये अम्बाला और पंचकुला से चण्डीगढ़ एयरपोर्ट के लिए सड़क मार्ग बना लेते तो हरियाणा को उसके पैसे का फायदा मिल जाता। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इन्हें चण्डीगढ़ में पैसे देने से पहले अम्बाला और पंचकुला के लिए सड़क बनवानी चाहिए थी। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, ये लोग जवाब सुनने के बजाए सदन को गुमराह करने का काम कर रहे हैं। इन्हें जवाब सुनने की हिम्मत रखनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्माः अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूंगा कि हरियाणा की जनता को गुमराह करने का काम हम नहीं बल्कि ये कर रहे हैं। (शोर एवंव्यवधान) अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा था कि उस एयरपोर्ट का नाम डॉ. मंगल सैन रख दिया जाना चाहिए, आखिर उन्होंने ऐसा क्यों कहा ? (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अभिमन्युः अध्यक्ष महोदय, कांग्रस पार्टी ने हरियाणा का सत्यानाश कर दिया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कुलदीप जी, कृपया प्वायंट की बातें करें। (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अभिमन्युः अध्यक्ष महोदय, इन लोगों के पास कोई प्वायंट नहीं है। (शोर एवं व्यवधान) इन लोगों ने हरियाणा को केवल और केवल लूटकर खाने का काम किया है। (शोर एवं व्यवधान)

इंडियन नैशनल लोक दल के अध्यक्ष तथा भूतपूर्व मुख्य संसदीय सचिव का आभिनंदन

शिक्षा मंत्री (श्री रामबिलास शर्मा): अध्यक्ष महोदय, इंडियन नैशनल लोक दल के अध्यक्ष तथा हरियाणा विधान सभा के पूर्व स्पीकर श्रीमान् अशोक अरोड़ा जी और पूर्व मुख्य संसदीय सचिव श्री राम पाल माजरा जी आज सदन की वी.आई.पी. गैलरी में सदन की कार्यवाही देखने के लिए उपस्थित हैं। मैं पूरे सदन की तरफ से उनका स्वागत करता हूं।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

श्री असीम गोयलः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि चण्डीगढ़ एयरपोर्ट को लेकर हरियाणा प्रदेश की जनता के हितों के साथ जो खिलवाड़ हुआ है, क्या आदरणीय मंत्री जी उसकी जांच करवाएंगे कि किस आदमी ने ये पैसे दिए।

उस समय की सरकार ने गलत डिसीजन दिया, जिसकी वजह से हरियाणा प्रदेश के लोगों को उसका लाभ नहीं हुआ। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, जिन घोटालेबाजों की सरकार पहले रही हैं, वे आज प्रत्येक बात पर खड़े हो जाते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. कमल गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैं कुछ कहना चाहता हूं। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, कमल जी कुछ कहना चाहते हैं, कृपया आप सब उनकी बात सुनें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से श्री कमल गुप्ता जी से कहना चाहता हूं कि ये बैठ जाएं, क्योंकि मैं इनके हिसार की ही बात करूंगा। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः अभय जी, कमल गुप्ता जी को सवाल पूछने दीजिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि श्री असीम गोयल जी का हवाई–अड्डे को लेकर क्वैश्चन लगा हुआ है। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने बहुत बार यह बयान दिया है कि हम हरियाणा प्रदेश के अंदर हिसार में एक अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा बनाने जा रहे हैं और उन्होंने यहां तक बयान दिया कि केन्द्र सरकार से इसकी मंजूरी भी हो गई है, लेकिन अध्यक्ष महोदय, बड़ी हैरानी की बात यह है कि आज तक हरियाणा प्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा बनने की बात तो दूर है, वहां पर आज तक कोई डोमेस्टिक हवाई अड्डा भी नहीं बना है।

कैप्टन अभिमन्यु : अध्यक्ष जी, प्रतिपक्ष के नेता के साथ समस्या यह है कि न तो ये बजट की स्पीच को ध्यान से सुनते हैं और न ही बजट को ध्यानपूर्वक पढ़ते हैं। बजट में यह बात बड़े ही स्पष्ट रूप से लिखी हुई है कि हिसार शहर का एयरपोर्ट उड़ान स्कीम के तहत रिजनल कनैक्टिविटी स्कीम में इस साल में शुरू हो रहा है। बिनाकल एयर ने अपना प्रस्ताव भी दे दिया है। वहां पर एक प्राईवेट एयरलाईन आ चुकी है। इनकी यही समस्या है कि ये न तो बजट को ध्यान से सुनते हैं और न ही पढ़ते हैं। ये ऐसे ही व्यर्थ में सदन का समय बर्बाद करने के लिए खड़े हो जाते हैं।

डॉ. कमल गुप्ता : स्पीकर सर, हिसार में जब हमारे मुख्यमंत्री जी ने इंटरनैशनल एयरपोर्ट का एलान किया तो उसके बाद अभी कुछ दिन ही पहले कांग्रेस के माननीय सांसद जिनको इस विषय की बेसिक नॉलेज भी नहीं है उन्होंने यह कहकर हिसार में प्रैस कांफ्रैंस की कि हरियाणा सरकार ने उसका प्रस्ताव वापिस ले लिया जबकि सरकार द्वारा ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट का प्रस्ताव वापिस लिया गया था। ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट का प्रस्ताव वर्ष 2013 में कांग्रेस पार्टी की तत्कालीन सरकार ने दिया था। उनको इतना भी नहीं पता कि ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट और इंटरनैशनल एयरपोर्ट में क्या अंतर होता है? मेरा आपसे निवेदन है कि कांग्रेस पार्टी इस बारे में स्थिति को स्पष्ट करे।

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, माननीय विधायक श्री कमल गुप्ता जी ने और चौधरी अभय सिंह जी ने भी इस बारे में पूछा है मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि इसके लिए 201 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। हिसार का यह हवाई अड्डा अंतर्राष्ट्रीय स्तर का होगा। इस काम के लिए हमारी सरकार ने जो बजट रखा है वह पिछले 6 सालों के दौरान रखे गए बजट में 610 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब प्रश्नकाल समाप्त होता है।

———————

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Hockey Academy at Village Habri

***2483. Shri Dinesh Kaushik** : Will the Sports & Youth Affairs Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up Hockey Academy at village Habri as announced by the Hon'ble Chief Minister on 31st May, 2015 in the Vikas Rally; if so, the progress made in this regard togetherwith the time by which the proposal is likely to be materialized?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री अनिल विज) : हां, श्रीमान जी। लोक निमार्ण विभाग ;भवन व सड़केंद्ध, हरियाणा को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के आकार के सिंथैटिक हॉकी फील्ड के निमार्ण के लिए तकनीकी अनुमान तैयार करने का अनुरोध किया गया है।

.....

To Conduct Board Examination for the Fifth and Eighth Classes

*** 2291. Shri Kehar Singh** : Will the Education Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to conduct the board examination for the fifth and eighth classes in the year 2018; if so, the details there of ?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : नहीं, श्रीमान जी।

.....

To Lay Down the Storm Water System

***2312. Shri Ram Chand Kamboj** : Will the Public Health Engineering Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to lay down the storm water system to drain out the rainy water in Rania city ?

जनस्वास्थ्य अभियान्त्रिकी राज्य मंत्री (डॉ बनवारी लाल) : नहीं, श्रीमान जी।

.....

To Repair Buildings of Veterinary Hospitals

***2585. Shri Bakhshish Singh Virk** : Will the Animal Husbandry and Dairying Minister be pleased to state:-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to repair the buildings of veterinary hospitals of villages Mardan Heri, Aungad, Jalmana, Salwan, Balu, Rukhsana, Goli, Munak and Jhundla in Assandh Assembly Constituency; If so, the time by which the buildings of above said hospitals are likely to be repaired; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to open a veterinary lab in Assandh; if so, the time by which the above said lab is likely to be opened?

कृषि मन्त्री (श्री ओम प्रकाश धनखड़) : (क) जी हॉ श्रीमान। यद्यपि इस स्तर पर कोई निष्चित समय अवधि नहीं दी जा सकती, पर इस कार्य को 2018–19 में करने का प्रयास किया जाएगा।

(ख) नहीं, श्रीमान जी।

.....

Construction of 33 KV Sub-station

***2364. Dr. Hari Chand Middha** : Will the Chief Minister be pleased to state the time by which the construction work of the proposed 33 K.V Sub-station in village Sangatpura of Jind assembly constituency is likely to be started?

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : श्रीमान जी, सब स्टेशन निर्माण के लिए कार्य 18.12. 2017 को ठेकेदार को आवंटित कर दिया गया है और क्रियान्वयन मार्च, 2018 में शुरू हो जाने की संभावना है।

.....

To Open Nurseries and Gymnasiums

***2327. Shri Parminder Singh Dhull** : Will the Sports & Youth Affairs Minister be pleased to state:-

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to open the sport nurseries and gymnasiums in the villages and schools in the state; and

(b) if so, the number of such sports nurseries and gymnasiums likely to be opened together with the district-wise details thereof ?

स्वास्थ्य मन्त्री (श्री अनिल विज) :

(क) हां, श्रीमान जी।

(ख) 345 स्वर्ण जयन्ती खेल नर्सरियां 21 जिलों में खोली गई हैं (सूची संलग्न है), राज्य के गांवों तथा विद्यालयों में व्यायामशालाएं खोलने की कोई योजना नहीं है।

सूची

अनुलग्नक–ए

राज्य में जिलावार खोली गई खेल नर्सरियों का ब्यौराः–

जिला	खेल	लड़के	लड़कियां
अम्बाला	आरचरी	डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, सी. सै. स्कूल पुलिस लाईन, अम्बाला शहर	एस.डी. विद्या स्कूल, अम्बाला कैंट
	एथेलैटिक्स	पैरामाउन्ट कांवेंट सी.सै. स्कूल, अकबरपुर , अम्बाला	माडर्न एजुकेशन सी.सै. स्कूल, अधोया, अम्बाला
	बॉक्सिंग	डी.ए.वी. पब्लिक सी. सै. स्कूल, पुलिस लाईन, अम्बाला शहर	डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, सी. सै. स्कूल पुलिस लाईन, अम्बाला शहर
	फुटबॉल	मिकी माडल सी.सै. स्कूल, अम्बाला कैंट	एस.डी. विद्या स्कूल, अम्बाला कैंट
	हैंडबॉल	राजकीय सी.सै. स्कूल, भूरेवाला, अम्बाला	अम्बाला पब्लिक सी.सै. स्कूल, गणेश विहार, अम्बाला
	हॉकी	.....	नंदलाल गीता विद्या मंदिर, गांव तेपला, अम्बाला
	कबड्डी / खो–खो	राजकीय सी.सै. स्कूल, धनाना, ब्लाक नारायणगढ, अम्बाला	राजकीय उच्च विद्यालय खानपुर ब्राहम्ण, अम्बाला
	तैराकी	इंडियन पब्लिक स्कूल अम्बाला दिल्ली हाइवे, मोहड़ा, अम्बाला	इंडियन पब्लिक स्कूल अम्बाला दिल्ली हाइवे, मोहड़ा, अम्बाला
	वॉलीबॉल	पी.के.आर जैन वाटिंका, सी. सै. स्कूल नसीरपुर, हिसार रोड, अम्बाला शहर	डी.सी.माडल, सी.सै. स्कूल, अम्बाला कैंट
	कुश्ती	राजकीय सी.सै. स्कूल, लाहा, अम्बाला	.....
भिवानी	आरचरी	ग्रीन वैली इंटरनैशनल स्कूल, भिवानी	मोरका पब्लिक स्कूल, मोरका, भिवानी
	एथेलैटिक्स	राजकीय सी.सै. स्कूल,	बाबा मुंगीपा सी.सै. स्कूल,

		इशरवाल, भवानी	भिवानी
	बॉक्सिंग	जुगलाल सी.सै. स्कूल, भिवानी	पण्डित सीताराम सी.सै. स्कूल, भिवानी
	फुटबॉल	बी.आर.सी.एम पब्लिक स्कूल, बहल, भिवानी	राजकीय सी.सै. स्कूल, अलखपुरा भिवानी
	हैंडबॉल	टैगोर सी.सै. स्कूल, गांव बडवा, भिवानी	मोरका पब्लिक स्कूल, मोरका, भिवानी
	हॉकी	राजकीय उच्च विद्यालय, प्रेम नगर, भिवानी	राजकीय कन्या सी.सै. स्कूल, खरक कलां, भिवानी
	कबड्डी / खो–खो	राजकीय सी.सै. स्कूल, कुंगड भैणी, भिवानी	राजकीय सी.सै. स्कूल, कुंगड, भिवानी
	तैराकी	ग्रीन वैली इंटरनैशनल स्कूल, भिवानी	बी.आर.सी.एम. पब्लिक स्कूल, बहल, भिवानी
	वॉलीबॉल	सरस्वती सी.सै. स्कूल, ओबऱा भिवानी	एम.आई.एम.सी.सै. स्कूल, सोहासडा, भिवानी
	कुश्ती	एस.डी.सी.सै. माडल स्कूल, भिवानी	मोरका पब्लिक स्कूल, मोरका, भिवानी
	कबड्डी / खो–खो	राजकीय माडल संस्कृत सी. सै. स्कूल, सैक्टर.20, पंचकुला	राजकीय सी.सै. स्कूल, सैक्टर.. 6, पंचकुला
	तैराकी	.....	...
	वॉलीबॉल	निधानिया विद्या मन्दिर लाइट स्कूल, शहजादपुर, पी. ओ. हंगोला, पंचकुला	सार्थक जी.आई.एम.एस स्कूल, सैक्टर–12, पंचकुला।
	कुश्ती	राजकीय माडल संस्कृत सी. सै. स्कूल, सैक्टर.20, पंचकुला	...
चरखीदादरी	आरचरी	ट्रस्टिंन स्कूल ऑफ सांईस, गांव मन्दोला	बी.एम.डी. सीनियर सकैण्डरी स्कूल, मकडाणा
	एथेलैटिक्स	आर्यन मॉडल स्कूल, चरखी दादरी	एस.सी.आर. सी.सै. स्कूल, चरखी दादरी
	बॉक्सिंग	रा. उ. वि. गांव बास रानीला, चरखी दादरी	आदर्श सी.सै. स्कूल, बौंद कलां

	फुटबॉल	.....	डायमंड वैली सी.सै. मॉडल स्कूल, चरखी दादरी
	हैंडबॉल	राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय डोहका मौजी दीना, चरखी दादरी	ट्रस्टिंन स्कूल ऑफ सांईस, गांव मन्दोला
	हॉकी	....	.....
	कबड्डी / खो–खो	रा. व. मा.विद्यालय, मन्दोला, चरखी दादरी	नव चेतना सी.सै. स्कूल, बाढडा दादरी
	तैराकी	वैश्य सी.सै. स्कूल, बौंद कलां चरखी दादरी	वैश्य सी.सै. स्कूल, बौंद कलां चरखी दादरी
	वॉलीबॉल	शहीद भगत सिंह सी.सै. स्कूल, बडवाना, चरखी दादरी	बाबा प्रीतम दास, सी.सै. स्कूल, गांव व डा. जेवली, चरखी दादरी
	कुश्ती	राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, झोझुकलां	नव चेतना सी.सै. स्कूल, दादरी

जिला	**खेल**	**लड़के**	**लड़कियां**
फरीदाबाद	आरचरी	जे.सी.एम. इन्टरनैषनल स्कूल गांव पन्हेडा खुर्द	विद्यासागर इन्टरनैषनल स्कूल, गांव जाफापुर माजरा, गोरारा
	एथेलैटिक्स	तरूण निकेतन पब्लिक स्कूल, पैला नं.1, फरीदाबाद	रा.उच्च विद्यालय, गांव जुनेहड़ा
	बॉक्सिंग	––	––
	फुटबॉल	––	––
	हैंडबॉल	टैंडर हर्ट स्कूल, गांव भतोला	––
	हॉकी	एस.डी.स्कूल, गांव मोहना	सरस्वती पब्लिक स्कूल, गांव मोहना
	कबड्डी / खो–खो	रा.व.मा.विद्यालय, गांव मेवला महाराजपुर	तरूण निकेतन पब्लिक स्कूल, पैला नं.1, फरीदाबाद
	तैराकी	––	मानव रचना इन्टरनैषन स्कूल,

			सैक्टर–14 फरीदाबाद
	वॉलीबॉल	फोगाट पब्लिक स्कूल, फरीदाबाद	––
	कुष्ती	ए.बी.एम. पब्लिक स्कूल, रिवाजपुर, सैक्टर–89 ग्रेटर, फरीदाबाद	––
फतेहाबाद	आरचरी	रॉयल पब्लिक स्कूल, बहबलपुर, फतेहाबाद	रॉयल पब्लिक स्कूल, बहबलपुर, फतेहाबाद
	एथेलैटिक्स	––	––
	बॉक्सिंग	––	––
	फुटबॉल	रा.व.मा.विद्यालय, गांव ढिंगसरा	रा.व.मा.विद्यालय, गांव ढिंगसरा
	हैंडबॉल	रॉयल पब्लिक स्कूल, बहबलपुर, फतेहाबाद	––
	हॉकी	––	––
	कबड्डी / खो–खो	रा.व.मा.विद्यालय, गांव चन्दडकलां	डी.एन.सरस्वती पब्लिक स्कूल, गांव समैण
	तैराकी	बाल वाटिका पब्लिक स्कूल, जी.टी.रोड़, फतेहाबाद	बाल वाटिका पब्लिक स्कूल, जी.टी.रोड़, फतेहाबाद
	वॉलीबॉल	पी.एल. जिन्दल कॉन्वेट स्कूल, रतिया	रा.व.मा.विद्यालय, गांव पीली मन्दोरी
	कुष्ती	मॉडल के.एम.सी.सै.स्कूल, टोहाना	मॉडल के.एम.सी.सै. स्कूल, टोहाना
गुरूग्राम	आरचरी	37ववके भारती सी.सै.स्कूल, घामडोज	बसंत वैली पब्लिक स्कूल, गांव गढ़ी हरसुरू
	एथेलैटिक्स	बाल भारती विद्या मन्दिर, सोहना	डी.वी.एम. पब्लिक स्कूल, दौला रोड़ सोहना
	बॉक्सिंग	एस.डी.एस. सी.सै.स्कूल, फरूख नगर	एस.डी.एस. सी.सै. स्कूल, फरूख नगर
	फुटबॉल	अजन्ता पब्लिक स्कूल सैक्टर–31, गुरूग्रांम	मानव रचना, इन्टरनैषनल स्कूल,

			ब्लॉक 46, ग्रीन वुड षहर, सैक्टर–46
	हैंडबॉल	शान्ति निकेतन पब्लिक स्कूल चन्दनगर की ढाणी फरूखनगर	रा.व.मा. विद्यालय, सिरहौल सैक्टर.18 गुरूग्राम
	हॉकी	रा. उच्च विद्यालय लडके गांव गुरूग्राम	रा.कन्या व.मा. विद्यालय, जैकबपूरा
	कबड्डी / खो–खो	एम.डी. सी.सै. स्कूल गांव मकडौला	बी.एम.बी. सी. सै. स्कूल गांव डाडावास
	तैराकी	..	....
	वॉलीबॉल	रा.व.मा. वि, 4/7 अर्बन स्टेट गुरूग्राम	एम.डी. सी.सै. स्कूल गांव मकडौला
	कुष्ती	...	....
जीन्द	आरचरी	परशुराम सी.सै.स्कूल, गांघोली, जीन्द	एफ.एस.कांवेंट स्कूल पिल्लूखेडा, जीन्द
	एथेलैटिक्स	चौ. भरत सिंह मेमोरियल स्कूल, निडानी, जीन्द	यशोदा देवी मेमोरियल उच्च विद्यालय, उझाना, जीन्द
	बॉक्सिंग	मेटिस पब्लिक स्कूल, सफीदों, जीन्द	चन्द्रशेखर आजाद सी.सै. स्कूल, दनोदा, जीन्द
	फुटबॉल	शिवानियां पब्लिक स्कूल, उचाना, जीन्द	आर्य उच्च विद्यालय, भंभेडा, जीन्द
	हैंडबॉल	एस.एन.आर पब्लिक स्कूल, दनोदा, जीन्द	सरस्वती सी.सै. स्कूल, दनोदा, जीन्द
	हॉकी	राजकीय सी.सै. स्कूल, नरवाना, जीन्द	इस्कोन पब्लिक स्कूल, जीन्द
	कबड्डी / खो–खो	परशुराम सी.सै.स्कूल, गंगोली, जीन्द	चौ. भरत सिंह मेमोरियल स्कूल, निडानी, जीन्द
	तैराकी	तक्षशीला इंटरनैशनल स्कूल भंभेवा, जीन्द	तक्षशीला इंटरनैशनल स्कूल भंभेवा, जीन्द

	वॉलीबॉल	आर्य सी.सै. स्कूल, ललितखेड़ा, जीन्द	आर्य सी.सै. स्कूल, उचाना खुर्द, जीन्द
	कुष्ती	चौ. भरत सिंह मेमोरियल स्कूल, निडानी, जीन्द	चौ. भरत सिंह मेमोरियल स्कूल, निडानी, जीन्द

जिला	**खेल**	**लड़के**	**लड़कियां**
झज्जर	टारचरी	मून लाईट हाई स्कूल सिलाना झज्जर	रा.कन्या व.मा. विद्यालय, डीघल
	एथेलैटिक्स	ज्यूपिटर पब्लिक सी.सै. स्कूल एनएच. 10 बाईपास रोहड झज्जर	जी.ए.वी. पब्लिक स्कूल गांव पटौदा
	बॉक्सिंग	...	....
	फुटबॉल	रा.कन्या व.मा. विद्यालय, दबोधा कलां, बहादूरगढ झज्जर	रा.व.मा. विद्यालय, गांव मछरौली
	हैंडबॉल	रा.कन्या व.मा. विद्यालय, डीघल	...
	हॉकी	मा. सी.सै. स्कूल सैक्टर–2 छारा बेरी रोड बहादूरगढ, झज्जर	रा.कन्या व.मा. विद्यालय, गांव दुल्हेडा
	कबड्डी / खो–खो	संत कबीर इण्टरनैशनल स्कूल गांव लडरावण	रा.व.मा. विद्यालय, गांव महराना
	तैराकी	एकता हाई स्कूल गांव खोरा तह. मातनहेल	एस.एस. पब्लिक स्कूल गांव खातीवास
	वॉलीबॉल	वी.डी. सी.सै. स्कूल गांव बहुझोलरी	.
	कुष्ती	रा. व.मा. विद्यालय, गांव खाचरोली	जे. एस. सी.सै.स्कूल गांव असौदा
करनाल	टारचरी	ब्रहमानन्द पब्लिक स्कूल नीसिंग करनाल	आर्य कन्या गुरूकुल सी.सै.स्कूल मोर माजरा, असन्ध, करनाल
	एथेलैटिक्स	डी.ए.वी.पी.पी. स्कूल, मधुबन	डी.ए.वी.पी.पी. स्कूल, मधुबन
	बॉक्सिंग	राईजिंग सन पब्लिक स्कूल, मधुबन	आर्य कन्या गुरूकुल सी.सै.स्कूल मोर माजरा, असन्ध,

			करनाल
	फुटबॉल	विवेकानन्द विद्या निकेतन असन्ध, करनाल	....
	हैंडबॉल	ब्रहमानन्द पब्लिक स्कूल नीसिंग करनाल	कन्हैया पब्लिक स्कूल बरोटा, करनाल
	हॉकी	महाराणा प्रताप सी.सै.स्कूल, फुरलक, करनाल	आर्य कन्या गुरूकुल सी.सै.स्कूल मोर माजरा, असन्ध, करनाल
	कबड्डी / खो–खो	मधुबन पब्लिक स्कूल, मधुबन, करनाल	आर्य कन्या गुरूकुल सी.सै.स्कूल मोर माजरा, असन्ध, करनाल
	तैराकी	डी.ए.वी.पी.पी. स्कूल, मधुबन	डी.ए.वी.पी.पी. स्कूल, मधुबन
	वॉलीबॉल	गुरू ब्रहमानन्द पब्लिक स्कूल, चोरकरसा, करनाल	एस.बी.एस. स्कूल, चोरकरसा, असन्ध
	कुश्ती	राजकीय उच्च विद्यालय बीबीपुर जाटांन, करनाल	आर्य कन्या गुरूकुल सी.सै.स्कूल मोर माजरा, असन्ध, करनाल
कुरूक्षेत्र	टारचरी	––	––
	एथेलैटिक्स	माता गुजरी, पब्लिक स्कूल, गांव बोरीपुर, कल्याणा	अमातिर कन्या गुरूकुल, गांव बचगांव गामड़ी कुरूक्षेत्र
	बॉक्सिंग	माता रूकमणी सी.सै. स्कूल, शाहबाद	अमातिर कन्या गुरूकुल, गांव बचगांव गामड़ी कुरूक्षेत्र
	फुटबॉल	एम.एस.सी.सै.स्कूल, गांव झांसा कुरूक्षेत्र	आर्य गर्ल्स सी.सै. स्कूल. शाहबाद
	हैंडबॉल	––	अमातिर कन्या गुरूकुल, गांव बचगांव गामड़ी कुरूक्षेत्र

	हॉकी	डी.ए.वी. सी.सै.स्कूल, शाहबाद	राम प्रसाद डी.ए.वी. सी.सै.स्कूल, शाहबाद
	कबड्डी / खो–खो	देवल इन्टरनैशनल स्कूल, कुरूक्षेत्र	रा.व.मा.विद्यालय, गांव बबैन
	तैराकी	––	––
	वॉलीबॉल	रा.व.मा.विद्यालय, गांव अमीन कुरूक्षेत्र	केसरी देवी लोहिया, गांव लोहार माजरा
	कुश्ती	रा.व.मा.विद्यालय, गांव उमरी कुरूक्षेत्र	गुरू नानक सी.सै. स्कूल, कुरूक्षेत्र
कैथल	टारचरी	श्वेता रॉयल पब्लिक स्कूल, पूण्डरी, कैथल	ओ.एस.डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, कैथल
	एथेलैटिक्स	डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, गुहला रोड चीका, कैथल	एम.डी.एन.सी, सी.सै. स्कूल, कलायत, कैथल
	बॉक्सिंग	शिक्षा भारती विद्या निकेतन, हाईवे–65, नरवाना रोड, कैथल	हिन्दु कन्या सी.सै. स्कूल, अम्बाला रोड, कैथल
	फुटबॉल	राजकीय सी.सै. स्कूल, चोसला, कैथल	रा.सी.सै. स्कूल, मानस, कैथल
	हैंडबॉल	शिक्षा भारती विद्या निकेतन, हाईवे–65, नरवाना रोड, कैथल	राजकीय सी.सै. स्कूल, कंगथली, कैथल
	हॉकी	शिक्षा भारती विद्या निकेतन, हाईवे–65, नरवाना रोड, कैथल	शिक्षा भारती विद्या निकेतन, हाईवे–65, नरवाना रोड, कैथल
	कबड्डी / खो–खो	रा.सी.सै. स्कूल, रोहेडा, कैथल	शहीद भगत सिंह सी. सै.स्कूल,मतोड, कैथल
	तैराकी	श्वेता रॉयल पब्लिक स्कूल, पूण्डरी,	श्वेता रॉयल पब्लिक स्कूल, पूण्डरी, कैथल
	वॉलीबॉल	रा.सी.सै. स्कूल, कौल, कैथल	रा.सी.सै. स्कूल, चुहड माजरा, कैथल
	कुश्ती	राजकीय माडल संस्कृति सी.सै. स्कूल, क्योडक, कैथल	आदर्श सी.सै. स्कूल, झाखोली ब्लाक,

			राजोंद, कैथल

जिला	खेल	लड़के	लड़कियां
मेवात	टारचरी	––	––
	एथेलैटिक्स	रा.व.मा.विद्यालय, गांव राठीवास	मेवात मॉडल स्कूल, गांव नगीना
	बॉक्सिंग	रा.व.मा.विद्यालय, गांव नगीना	––
	फुटबॉल	अरावली पब्लिक स्कूल, मूसा नगर फिरोजपुर, झिरका	रा.व.मा.विद्यालय, फिरोजपुर नामक, नूह, मेवात
	हैंडबॉल	रा.उच्च विद्यालय, टपकन, नूह मेवात	सावित्री देवी विद्यानिकेतन सी.सै. स्कूल, पुन्हाणा, नूंह
	हॉकी	––	––
महेन्द्रगढ नारनौल	टारचरी	सरस्वती बाल मन्दिर सी.सै. स्कूल नारनौल	सरस्वती बाल मन्दिर सी.सै. स्कूल नारनौल
	एथेलैटिक्स	रा. व. मा. वि. मालदावास, महेन्द्रगढ	रा. व. मा. वि. पोटा, तह. कनीना महेन्द्रगढ
	बॉक्सिंग	श्री कृष्ण सी. सै. स्कूल राव तुलाराम चौक महेन्द्रगढ	...
	फुटबॉल	रा. व. मा. वि., खेडी तलवाना महेन्द्रगढ	..
	हैंडबॉल	नालन्दा विद्या निकेतन सी.सै.स्कूल डालनवास	आरोही माडल सी.सै. स्कूल मंधाना
	हॉकी	एम. आर. पब्लिक स्कूल गांव मित्तरपूरा डबलाना, नारनौल	एम.डी विद्या निकेतन हाई स्कूल डबलाना नारनौल
	कबड्डी / खो–खो	यदुवंशी शिक्षा निकेतन, महेन्द्रगढ	रा. व. मा. वि., दोचाना तह. नारनौल
	तैराकी	...	....
	वॉलीबॉल	रा. व. मा. विद्यालय गांव अजमाबाद मखूटा नारनौल	स्वामी विवेकानन्द सी. सै.स्कूल महरमपूर नारनौल

	कुष्ती	रा. व. मा. विद्यालय गांव भगोट	हरियाणा इन्टरनैश्नल स्पोर्टस स्कूल सलूनी नारनौल
पानीपत	टारचरी	एम.एस.डी पब्लिक स्कूल, पानीपत	एम.एस.डी पब्लिक स्कूल, पानीपत
	एथेलैटिक्स	रा.सी.सै. स्कूल, बुआना लाखू तहसील इसराना, पानीपत	एम.एस.डी पब्लिक स्कूल, पानीपत
	बॉक्सिंग	डी.ए.वी पुलिस पब्लिक स्कूल पुलिस लाईन एन.एच.1, पानीपत	सवित्री शिक्षा सदन सी.सै. स्कूल, गांव नौलथा, पानीपत
	फुटबॉल	डी.ए.वी पुलिस पब्लिक स्कूल पुलिस लाईन एन.एच.1, पानीपत	डी.ए.वी पुलिस पब्लिक स्कूल पुलिस लाईन एन.एच.1, पानीपत
	हैंडबॉल	जी.डी.गोएंका पब्लिक स्कूल, एक्रास टू रिवर, असंध रोड, गाव जाटान, पानीपत	राजकीय सी0 सै0 स्कूल उगरा खेडी पानीपत
	हॉकी	गुरू ब्रहमानंद सी.सै. स्कूल, गांव अंतला, पानीपत	आर्य गर्ल्ज पब्लिक स्कूल, जी.टी. रोड, पानीपत
	कबड्डी / लडके खो–खो लडकियां	आर.आर.आर.के सी.सै. स्कूल, बुड़शाम, पानीपत	राजकीय सी'.सै. स्कूल, मनाना, पानीपत
	तैराकी	डी.ए.वी पुलिस पब्लिक स्कूल थर्मल कलोनी, पानीपत	डी.ए.वी पुलिस पब्लिक स्कूल थर्मल कलोनी, पानीपत
	वॉलीबॉल	राजकीय सी'.सै. स्कूल, पट्टी कल्याणा, पानीपत	नव ज्योती माडल स्कूल, जलालपुर, पानीपत
	कुष्ती	रा.सी.सै. स्कूल, बुआना लाखू तहसील इसराना	न्यू साउथ प्वाईट पब्लिक स्कूल, इसराना, पानीपत
पलवल	टारचरी	स्पैक्ट्रम इण्टरनैश्नल स्कूल बाईपास रोड होडल	एस. आर. एस इण्टरनैश्नल स्कूल

			रामगढ–होडल–हसनपूर रोड
	एथेलैटिक्स	रा. व.मा. विद्यालय, गांव बहीन	मोडिस पब्लिक स्कूल होडल नूहं रोड सोंध, होडल पलवल
	बॉक्सिंग	.	...
	फुटबॉल	रा. व.मा. विद्यालय, गांव दीघोट	....
	हैंडबॉल	धर्म पब्लिक स्कूल बाईपास रोड नजदीक हुडा चौक	रा. व.मा. विद्यालय, गांव बहीन
	हॉकी	...	जीवन ज्योति ग्लोबल स्कूल अलीगढ रोड किठवाडी
	कबड्डी / खो–खो	सिद्धार्थ पब्लिक हाई स्कूल पलवल असावटा रोड पलवल	रा. व.मा. विद्यालय, गांव बन्चारी
	तैराकी	.....	.....
	वॉलीबॉल	नवज्योति सी. सै. स्कूल गांव अलावलपूर	एन.वी.एन. पब्लिक स्कूल भिडूकी
	कुश्ती	शिव विद्या मन्दिर, गांव मरौली	....

जिला	**खेल**	**लड़के**	**लड़कियां**
पंचकूला	टारचरी	श्री विवेकानंद मिलेनियम स्कूल, एच. एम.टी टाउनशिप, पिंजौर, पंचकुला	श्री विवेकानंद मिलेनियम स्कूल, एच. एम.टी टाउनशिप, पिंजौर, पंचकुला
	एथेलैटिक्स	भवन विद्यालय सैक्टर–15, पंचकुला	द स्कोलर पब्लिक स्कूल एन.एच.73 मौली चौक, बरवाला, पंचकुला
	बॉक्सिंग	.....	.....
	फुटबॉल	श्री विवेकानंद मिलेनियम स्कूल, एच. एम.टी टाउनशिप, पिंजौर, पंचकुला	कर्ण पब्लिक स्कूल एन.एच 73, बरवाला हाइवे, गांव जौली, पंचकुला

	हैंडबॉल	निधानिया विद्या मन्दिर लाइट स्कूल, शहजादपुर, पी.ओ. हंगोला, पंचकुला	माउंट लिटरेसा जी स्कूल हाईवे नं 73, नियर कोट, पंचकुला
	हॉकी	राजकीय सी.सै. स्कूल, सैक्टर–7, पंचकुला	...
	कबड्डी / खो–खो	राजकीय माडल संस्कृत सी.सै. स्कूल, सैक्टर.20, पंचकुला	राजकीय सी.सै. स्कूल, सैक्टर..6, पंचकुला
	तैराकी	.....	...
	वॉलीबॉल	निधानिया विद्या मन्दिर लाइट स्कूल, शहजादपुर, पी.ओ. हंगोला, पंचकुला	सार्थक जी.आई.एम. एस स्कूल, सैक्टर–12, पंचकुला।
	कुश्ती	राजकीय माडल संस्कृत सी.सै. स्कूल, सैक्टर.20, पंचकुला	...
रोहतक	टारचरी	नवयुग शिक्षा निकेतन सी.सै.स्कूल, गांव मकडौली खुर्द	डी.ए.वी. पुलिस पब्लिक स्कूल, जेल कॉम्पलैक्स सुनारिया, रोहतक
	एथेलैटिक्स	जाट एच.एम.ए.एस. सी.सै.स्कूल, रोहतक	एस.डी.वी.एम. / मानव रचना, ग्लोबल स्कूल, गांव सुनारिया खुर्द
	बॉक्सिंग	इन्द्रप्रस्थ स्कूल ऑफ डिस्कवरी, गांव जसिया	बाबा भगत सिंह, हाई स्कूल कलानौर
	फुटबॉल	रा.व.मा.विद्यालय, गांव बहु अकबरपुर	नेकी राम स्पोर्ट्स सी. सै.स्कूल, गांव लाखन माजरा
	हैंडबॉल	बी.के.एन. पब्लिक स्कूल, एन.एच.10, गांव खरकड़ा	डी.ए.वी. पुलिस पब्लिक स्कूल, जेल कॉम्पलैक्स सुनारिया, रोहतक
	हॉकी	विद्याभवन सी.सै.स्कूल. वार्ड नं.7 बोहर, रोहतक	दिल्ली पब्लिक स्कूल, .5 कि.मी. माईल स्टोन, जीन्द रोड़,

			रोहतक
	कबड्डी / खो–खो	दीप सी.सै.स्कूल, गांव खरैंटी	संस्कार वैली पब्लिक स्कूल, रोहतक
	तैराकी	दिल्ली पब्लिक स्कूल, जीन्द रोड़, रोहतक	दिल्ली पब्लिक स्कूल, जीन्द रोड़, रोहतक
	वॉलीबॉल	द राईज़ अकैडमी सी.सै.स्कूल, गांव गढ़ी सांपला	डी.ए.वी. पुलिस पब्लिक स्कूल, जेल कॉम्पलैक्स सुनारिया, रोहतक
	कुश्ती	रा.व.मा.विद्यालय गांव सुन्दरपुर रोहतक	रा.व.मा.विद्यालय गांव समर गोपालपूर रोहतक
रेवाडी	टारचरी	––	––
	एथेलैटिक्स	रा. मॉडल संस्कृति सी.सै.स्कूल गांव ततारपुर, ईस्तमुरार, रेवाड़ी	सी.आर.एम, सी.सै. स्कूल, रोजवास, रेवाड़ी
	बॉक्सिंग	कैनल वैली पब्लिक स्कूल, गांव बेरली खुर्द रेवाडी	रा.व.मा.विद्यालय, नांगल पठाणी, रेवाड़ी
	फुटबॉल	सैनी सी.सै.स्कूल महाराजा सुर सैनी मार्ग, रेवाड़ी	विकास इन्टरनैषनल स्कूल, रेवाड़ी
	हैंडबॉल	रा.व.मा.विद्यालय, गांव बेरली खुर्द रेवाडी	राव मनिन्द्र सिंह, सी. सै.स्कूल, नांगल पठानी, रेवाड़ी
	हॉकी	रा.व.मा.विद्यालय गांव कंवाली रेवाडी	रा.व.मा.विद्यालय, गांव झाड़ोदा
	कबड्डी / खो–खो	सी.बी.आर. मॉडल सी.सै.स्कूल, गांव भाला रेवाडी	नव ज्योति सी.सै. स्कूल, गांव पिथडावास
	तैराकी	.....	....
	वॉलीबॉल	न्यू ईरा, सी.सै. स्कूल, गांव कुण्ड रेवाडी	कृश्ण पब्लिक स्कूल, गांव कोसली रेवाडी

	कुष्ती	––	––

जिला	खेल	लड़के	लड़कियां
सिरसा	टारचरी	एम.डी.के. इन्टरनैषनल स्कूल, सिरसा	––
	एथेलैटिक्स	सर.छोटू राम, पब्लिक स्कूल, जमाल सिरसा	रा.व.मा. विद्यालय, ममड खेड़ा
	बॉक्सिंग	––	––
	फुटबॉल	रा.व.मा. विद्यालय, भावदीन	रा. उ. विद्यालय, मटदादू
	हैंडबॉल	रा.व.मा. विद्यालय, तलवाड़ा खुर्द, ऐलनाबाद	निवेदिता सी.सै.स्कूल, ऐलनाबाद
	हॉकी	दयानन्द सी.सै.स्कूल, नाथूसरी चौपटा, सिरसा	––
	कबड्डी / खो–खो	रा. उ. विद्यालय, दृ कुम्हारिया	रा. उ. विद्यालय, रूपावास
	तैराकी	एम.डी.के. इन्टरनैषनल स्कूल, सिरसा	––
	वॉलीबॉल	ज्ञान ज्योति पब्लिक स्कूल, माणक दीवान	रा.उच्च विद्यालय, रूपावास
	कुष्ती	––	रा.व.मा. विद्यालय, जोधकां
सोनीपत	टारचरी	.....	.....
	एथेलैटिक्स	जनता सी.सै. स्कूल गांव बुटाना	कन्या गुरूकूल सी.सै. स्कूल बी.पी.एस.एम. वी.खानपूरकलां
	बॉक्सिंग	पी.एस.एम. सी.सै. स्कूल, खरखौदा	हैप्पी चाईल्ड सी.सै. स्कूल, सोनीपत
	फुटबॉल	भारत विद्यापीठ सी.सै. स्कूल गांव कासंडी	रा.व.मा. विद्यालय, गांव जागसी
	हैंडबॉल	सर छोटूराम मार्डन सी.सै. स्कूल, रतनगढ माजरा	दयानन्द पब्लिक स्कूल ईसापूर खेडी गोहाना, सोनीपत
	हॉकी	सी. आर. जैड सी.सै.स्कूल सोनीपत	मोतीलाल नेहरू खेल स्कूल राई सोनीपत

	कबड्डी / खो–खो	माता शीतला पब्लिक स्कूल गांव रिढाणा	रा.व.मा. विद्यालय, गांव महरा
	तैराकी	ग्लोबल पब्लिक स्कूल, खानपूर कलां	ग्लोबल पब्लिक स्कूल, खानपूर कलां
	वॉलीबॉल	इण्डियन मार्डन सी.सै. स्कूल, सोनीपत	शेर सिंह पब्लिक स्कूल, सोनीपत रोड गोहाना
	कुष्ती	पी.एस.एम. सी.सै. स्कूल, खरखौदा	नेताजी सुभाष चन्द्र एजुकेश्नल एण्ड सोशल वेलफेयर सोसायटी गोहाना
यमुनानगर	टारचरी	सरस्वती पब्लिक स्कूल बुढिया रोड, यमुनानगर	सरस्वती पब्लिक स्कूल बुढिया रोड, यमुनानगर
	एथेलैटिक्स	...	गुर्जर कन्या विद्या मन्दिर सी.सै. स्कूल देवधर यमुनानगर
	बॉक्सिंग	...	....
	फुटबॉल	दिल्ली पब्लिक स्कूल भम्बोली यमुनानगर	श्री सत्य साई जागृति विद्यामदिर यमुनानगर
	हैंडबॉल	सरस्वती पब्लिक स्कूल बुढिया रोड, यमुनानगर	सरस्वती पब्लिक स्कूल बुढिया रोड, यमुनानगर
	हॉकी	स्प्रिंगडेल पब्लिक स्कूल जगाधरी यमुनानगर	मुकन्दलाल पब्लिक स्कूल यमुनानगर
	कबड्डी / खो–खो	रा. व.मा. विद्यालय, गांव कुन्जल जाटान यमुनानगर	गुर्जर कन्या विद्या मन्दिर सी.सै. स्कूल देवधर यमुनानगर
	तैराकी	.....	सन्त विवेकानन्द लोटस वैली पब्लिक स्कूल, यमुनानगर
	वॉलीबॉल	डी.ए.वी. पब्लिक सी.सै. स्कूल प्रोफेसर कालोनी, यमुनानगर	सन्त लॉरेन्ज ईन्टरनैशनल स्कूल

			पाबनी रोड., यमुनानगर
	कुश्ती	श्रीमद् दयानन्द विदेशक महाविद्यालय शादीपुर, यमुनानगर	––

.....

Celebration on Geeta Jayanti Mahotsav

*** 2280. ShriKaran Singh Dalal** : Will the Urban Local Bodies
Shri Kuldip Sharma : Minister be pleased to state:-

(a) Whether the Geeta Jayanti Mahotsav has been celebrated in the state during the year 2017;

(b) If so, the number of events organized in the state togetherwith the name of each place;

(c) The details of expenditure incurred on the organization of the events in 'a &b' above; and

(d) The details of expenditure incurred on the advertisement of the events in (a) and (b) above in print and electronic media?

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री (श्रीमती कविता जैन) :

(क) हां, श्रीमान जी,

(ख) अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन, कुरूक्षेत्र विकास बोर्ड, द्वारा कुरूक्षेत्र में आयोजित किया गया तथा हरियाणा राज्य के सभी जिलों जैसे कि रेवाड़ी, रोहतक, जीन्द, कैथल, हिसार, पानीपत, भिवानी, सानीपत, यमुनानगर, पंचकूला, चरखी–दादरी, झज्जर, फरीदाबाद, अम्बाला, महेन्द्रगढ़ स्थित नारनौल, नूंह, पलवल, फतेहाबाद, करनाल, सिरसा तथा गुरूग्राम में गीता महोत्सव का आयोजन सम्बन्धित जिला प्रशासन द्वारा आयोजित करवाया गया।

(ग) अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव–2017 के आयोजन पर खर्च हुई राशि का ब्यौरा अनुबन्ध ''क'' पर रखा है।

(घ) प्रिंट एवं इलैक्ट्रोनिक मीडिया के माध्यम से विज्ञापन पर खर्च की गई राशि का ब्यौरा अनुबन्ध ''ख'' पर रखी है।

अनुबन्ध–क

कुरूक्षेत्र विकास बोर्ड, कुरूक्षेत्र।

क0	विवरण	व्यय (रू0 लाख में) 28.2.2018 तक
1.	सांस्कृतिक कार्यक्रम	354.56
2.	शैक्षणिक एवं खेल प्रतियोगिताएं	31.76
3.	राज्य मंडप/प्रदर्शनी	15.02
4.	प्रचार	57.91
5.	वैश्विक गीता पाठ एवं 18000 स्कूली छात्रों द्वारा अष्टादश श्लोकी गीता पाठ	25.00
6.	अन्य व्ययः–कलाकारों व शिल्पकारों के लिए भोजन एवं जलपान, आवास व्यवस्था, बिस्तर व्यवस्था। सजावट, परिवहन, अस्थाई विद्युत व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी, सोशल मीडिया वैब कास्टिंग, अस्थाई सी0सी0टी0वी0 की व्यवस्था, सफाई व्यवस्था, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए मुख्य पंडाल का अस्थाई निर्माण व अन्य	505.99
	कुल	**990.24**

जिला रेवाड़ी :

क0	**विवरण**	**व्यय (रू0 लाख में)**
1.	सांस्कृतिक कार्यक्रम	1.47
2.	प्रचार	0.41
3.	अन्य व्यय :– भोजन एवं जलपान, आवास व्यवस्था, बिस्तर व्यवस्था। सजावट, परिवहन, अस्थाई विद्युत व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी व अन्य	7.98
	कुल	**9.86**

जिला रोहतक:

क्र0	विवरण	व्यय (रू0 लाख में)
1.	सांस्कृतिक कार्यक्रम	2.59
2.	प्रचार	0.50
3.	अन्य व्यय :– भोजन एवं जलपान, आवास व्यवस्था, बिस्तर व्यवस्था। सजावट, परिवहन, अस्थाई विद्युत व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी व अन्य	5.86
	कुल	**8.95**

जिला जीन्द :

क्र0	विवरण	व्यय (रू0 लाख में)
1.	सांस्कृतिक कार्यक्रम	2.24
2.	प्रचार	1.75
3.	अन्य व्यय :– भोजन एवं जलपान, आवास व्यवस्था, बिस्तर व्यवस्था। सजावट, परिवहन, अस्थाई विद्युत व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी व अन्य	6.01
	कुल	**10.00**

जिला कैथल :

क्र0	विवरण	व्यय (रू0 लाख में)
1.	सांस्कृतिक कार्यक्रम	3.76
2.	प्रचार	1.12
3.	अन्य व्यय :– भोजन एवं जलपान, आवास व्यवस्था, बिस्तर व्यवस्था। सजावट, परिवहन, अस्थाई विद्युत व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी व अन्य	4.62
	कुल	**9.50**

जिला हिसार :

क्र0	विवरण	व्यय (रू0 लाख में)
1.	सांस्कृतिक कार्यक्रम	1.10
2.	प्रचार	0.00
3.	अन्य व्यय :– भोजन एवं जलपान, आवास व्यवस्था, बिस्तर व्यवस्था। सजावट, परिवहन, अस्थाई विद्युत व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी व अन्य	7.21
	कुल	**8.31**

जिला पानीपत :

क्र0	विवरण	व्यय (रू0 लाख में)
1.	सांस्कृतिक कार्यक्रम	2.63
2.	प्रचार	0.38
3.	अन्य व्यय :– भोजन एवं जलपान, आवास व्यवस्था, बिस्तर व्यवस्था। सजावट, परिवहन, अस्थाई विद्युत व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी व अन्य	6.88
	कुल	**9.89**

जिला भिवानी:

क्र0	विवरण	व्यय (रू0 लाख में)
1.	सांस्कृतिक कार्यक्रम	1.96
2.	प्रचार	1.65
3.	अन्य व्यय :– भोजन एवं जलपान, आवास व्यवस्था, बिस्तर व्यवस्था। सजावट, परिवहन, अस्थाई विद्युत व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी व अन्य	6.84
	कुल	**10.45**

जिला सोनीपतः

क्र0	विवरण	व्यय (रू0 लाख में)
1.	सांस्कृतिक कार्यक्रम	2.98
2.	प्रचार	0.39
3.	अन्य व्यय :– भोजन एवं जलपान, आवास व्यवस्था, बिस्तर व्यवस्था। सजावट, परिवहन, अस्थाई विद्युत व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी व अन्य	4.31
	कुल	**7.68**

जिला यमुनानगरः

क्र0	विवरण	व्यय (रू0 लाख में)
1.	सांस्कृतिक कार्यक्रम	2.13
2.	प्रचार	1.33
3.	अन्य व्यय :– भोजन एवं जलपान, आवास व्यवस्था, बिस्तर व्यवस्था। सजावट, परिवहन, अस्थाई विद्युत व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी व अन्य	6.54
	कुल	**10.00**

जिला पंचकूलाः

क्र0	विवरण	व्यय (रू0 लाख में)
1.	सांस्कृतिक कार्यक्रम	223000
2.	प्रचार	27800
3.	अन्य व्ययः– भोजन एवं जलपान, आवास व्यवस्था, बिस्तर व्यवस्था। सजावट, परिवहन, अस्थाई विद्युत व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी व अन्य	605378
	कुल	**856178**

जिला चरखी दादरी:

क्र0	विवरण	व्यय (रू0 लाख में)
1.	सांस्कृतिक कार्यक्रम	2.19
2.	प्रचार	1.36
3.	अन्य व्यय :– भोजन एवं जलपान, आवास व्यवस्था, बिस्तर व्यवस्था। सजावट, परिवहन, अस्थाई विद्युत व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी व अन्य	6.42
	कुल	**9.97**

जिला झज्जर:

क्र0	विवरण	व्यय (रू0 लाख में)
1.	सांस्कृतिक कार्यक्रम	3.36
2.	प्रचार	1.08
3.	अन्य व्यय :– भोजन एवं जलपान, आवास व्यवस्था, बिस्तर व्यवस्था। सजावट, परिवहन, अस्थाई विद्युत व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी व अन्य	4.97
	कुल	**9.41**

जिला फरीदाबाद:

क्र0	विवरण	व्यय (रू0 लाख में)
1.	सांस्कृतिक कार्यक्रम	1.58
2.	प्रचार	2.11
3.	अन्य व्यय :– भोजन एवं जलपान, आवास व्यवस्था, बिस्तर व्यवस्था। सजावट, परिवहन, अस्थाई विद्युत व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी व अन्य	6.30
	कुल	**9.99**

जिला अम्बाला:

क्र0	विवरण	व्यय (रू0 लाख में)
1.	सांस्कृतिक कार्यक्रम	2.89
2.	प्रचार	0.96
3.	अन्य व्यय :– भोजन एवं जलपान, आवास व्यवस्था, बिस्तर व्यवस्था। सजावट, परिवहन, अस्थाई विद्युत व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी व अन्य	5.33
	कुल	**9.18**

जिला नारनौल :

क्र0	विवरण	व्यय (रू0 लाख में)
1.	सांस्कृतिक कार्यक्रम	4.14
2.	प्रचार	0.13
3.	अन्य व्यय :– भोजन एवं जलपान, आवास व्यवस्था, बिस्तर व्यवस्था। सजावट, परिवहन, अस्थाई विद्युत व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी व अन्य	5.72
	कुल	**9.99**

जिला नूह:

क्र0	विवरण	व्यय (रू0 लाख में)
1.	सांस्कृतिक कार्यक्रम	3.24
2.	प्रचार	1.84
3.	अन्य व्यय :– भोजन एवं जलपान, आवास व्यवस्था, बिस्तर व्यवस्था। सजावट, परिवहन, अस्थाई विद्युत व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी व अन्य	4.81
	कुल	**9.89**

जिला पलवल:

क्र0	विवरण	व्यय (रू0 लाख में)
1.	सांस्कृतिक कार्यक्रम	2.07
2.	प्रचार	0.84
3.	अन्य व्यय :– भोजन एवं जलपान, आवास व्यवस्था, बिस्तर व्यवस्था। सजावट, परिवहन, अस्थाई विद्युत व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी व अन्य	6.32
	कुल	**9.23**

जिला फतेहाबाद:

क्र0	विवरण	व्यय (रू0 लाख में)
1.	सांस्कृतिक कार्यक्रम	1.95
2.	प्रचार	0.10
3.	अन्य व्यय :– भोजन एवं जलपान, आवास व्यवस्था, बिस्तर व्यवस्था। सजावट, परिवहन, अस्थाई विद्युत व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी व अन्य	4.93
	कुल	**6.98**

जिला करनाल:

क्र0	विवरण	व्यय (रू0 लाख में)
1.	सांस्कृतिक कार्यक्रम	2.89
2.	प्रचार	0.67
3.	अन्य व्यय :– भोजन एवं जलपान, आवास व्यवस्था, बिस्तर व्यवस्था। सजावट, परिवहन, अस्थाई विद्युत व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी व अन्य	5.53
	कुल	**9.09**

जिला सिरसा:

क्र0	विवरण	व्यय (रू0 लाख में)
1.	सांस्कृतिक कार्यक्रम	2.01
2.	प्रचार	0.48
3.	अन्य व्यय :– भोजन एवं जलपान, आवास व्यवस्था, बिस्तर व्यवस्था। सजावट, परिवहन, अस्थाई विद्युत व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी व अन्य	6.96
	कुल	**9.45**

जिला गरूग्राम:

क्र0	विवरण	व्यय (रू0 लाख में)
1.	सांस्कृतिक कार्यक्रम	3.55
2.	प्रचार	0.76
3.	अन्य व्यय :– भोजन एवं जलपान, आवास व्यवस्था, बिस्तर व्यवस्था। सजावट, परिवहन, अस्थाई विद्युत व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी व अन्य	5.55
	कुल	**9.86**

अनुबन्ध–ख

सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा द्वारा प्रिंट मीडिया एवं इलैक्ट्रोनिक मीडिया के माध्यम से विज्ञापन पर खर्च की गई राशि का ब्यौरा :–

क्र0	विवरण	व्यय (रू0 लाख में)
1.	प्रिन्ट मीडिया	496.67
2.	इलैक्ट्रोनिक मीडिया	234.12
	कुल	**730.79**

अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव, 2017 पर किए गए कुल व्यय का विवरण (सभी जिलों सहित)

क्र0	विवरण	व्यय (रू0 लाख में)
1	सांस्कृतिक कार्यक्रम	407.52
2	शैक्षणिक एवं खेल प्रतियोगिताएं	31.76
3	राज्य मंडप/प्रदर्शनी	15.02
4	प्रचार	76.05
5	वैश्विक गीता पाठ एवं 18000 स्कूली छात्रों द्वारा अष्टादश श्लोकी गीता पाठ	496.67
6	अन्य व्ययः–कलाकारों व शिल्पकारों के लिए भोजन एवं जलपान, आवास व्यवस्था, बिस्तर व्यवस्था। सजावट, परिवहन, अस्थाई विद्युत व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी, सोशल मीडिया वैब कास्टिंग, अस्थाई सी0सी0टी0वी0 की व्यवस्था, सफाई व्यवस्था, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए मुख्य पंडाल का अस्थाई निर्माण व अन्य	234.12
7	सांस्कृतिक कार्यक्रम	25.00
8	शैक्षणिक एवं खेल प्रतियोगिताएं	631.13
	कुल	**1917.27**

.....

To Regularize The Unauthorized Colonies

***2474. Shri Umesh Aggarwal :** Will the Urban Local Bodies Minister be pleased to state:-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to regularize the unauthorized colonies in Gurugram;

(b) if so, the criteria/norms fixed by the department for regularization of the colonies;

(c) the time by which these colonies are likely to be regularized; and

(d) whether any amount for development charges is likely to be collected; if so, the details thereof?

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री (श्रीमती कविता जैन) : श्रीमान् विवरण सदन के पटल पर रखा है।

विवरण

हरियाणा नगरपालिका अपूर्ण क्षेत्रों में नागरिक सुखसुविधाओं तथा अवसंरचना का प्रबन्धन (विषेष उपबन्ध) अधिनियम, 2016 की धारा 3 के अन्तर्गत नागरिक सुखसुविधाओं तथा अवसंरचना से अपूर्ण क्षेत्र घोषित किये जाते हैं। आयुक्त, गुरूग्राम मण्डल, गुरूग्राम द्वारा नगर निगम, गुरूग्राम की 47 कॉलोनियों की सूची को नागरिक सुखसुविधाओं तथा अवसंरचना से अपूर्ण क्षेत्र घोषित करवाने के लिए अग्रेषित किया। इन 47 कॉलोनियों में से 15 कॉलोनियों को पात्र पाया गया और अधिसूचना दिनांक 06.12.2017 के माध्यम से इन 15 कॉलोनियों को नागरिक सुखसुविधाओं तथा अवसंरचना से अपूर्ण क्षेत्र घोषित किया गया।

इस तरह की घोषणा के लिए निर्धारित मापदण्ड ज्ञापन संख्या डी.यू.एल.बी/टी.पी./ए3/2014/2768–2870 दिनांक 10.07.2015 के अनुसार निम्न प्रकार से हैं:

(क) जहां दिनांक 31.03.2015 से पहले 50 प्रतिषत से अधिक भूखण्ड़ों पर निर्माण किया गया है।

(ख) इस संदर्भ में एक प्रस्ताव सम्बंधित नगरपालिकाओं द्वारा पारित किया गया हो और जिसे नगर निगम के मामले में सम्बन्धित मण्डल आयुक्त व नगरपरिषद/नगरपालिका के मामले में आयुक्त द्वारा सस्तुत किया गया हो।

(ग) जहां भूमि अधिग्रहण अधिनियम, वन संरक्षण अधिनियम, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, रक्षा अधिनियम ,भारतीय विद्युत अधिनियम का उल्लंघन नहीं किया गया हो।

(घ) भूमि राज्य और केन्द्र सरकार, बोर्ड, निगम, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमो के स्वामित्व में नहीं हो।

(ड) औधयोगिक इकाई, वाणिज्यिक भवन, मॉल, मल्टीपलेक्स, होटल, विवाह स्थल स्थित न हों।

(च) एक प्रमाणीकरण की अग्निषमन वाहन कॉलोनी के सभी घरों तक पहॅच सकते हैं।

(छ) जहा सर्वेक्षण पूरा हो गया है।

शेष 32 कॉलोनियों के लिए अवलोकन इस कार्यालय के ज्ञापन संख्या डी.यू.एल.बी/सी.टी.पी./ए3/2017/16159 दिनांक 11.08.2017 के माध्यम से आयुक्त, नगर निगम, गुरूग्राम और आयुक्त,गुरूग्राम मण्डल, गुरूग्राम को अवगत करवा दिया गया है जिसका उत्तर अभी भी अपेक्षित है।

आगे आदेश दिनांक 06.12.2017के द्वारा नगर निगम, गुरूग्राम के अवसंरचना से अपूर्ण क्षेत्रों में अनुमति प्रदान करने के लिए निम्न विकास षुल्क निर्धारित किये गये हैंः

क्रम सं0	कलेक्टर दर (रूपये वर्ग मी0 में)	विकासष्षुल्क (रूपये वर्ग मी0 में)	व्याख्या
1.	10000 से अधिक	1250	क
2.	7500 से 10000	1000	ख
3.	7500 से कम	750	ग

नगर निगम, गुरूग्राम की सभी 15 कॉलोनियां व्याख्या ष्कष में आती है।

Ranney Well Project for Drinking Water

***2454. Shri Naseem Ahmed** : Will the Public Health Engineering Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up Ranney Well project to provide drinking water to 80 villages of Firozpur Jhirka; if so, the time by which the Ranney Well project is likely to be set up.?

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी राज्य मंत्री (डा0 बनवारी लाल) : हां, श्रीमान् जीय जिला नूंह के फिरोजपुर झिरका व नगीना खण्ड के 80 गांवों में पेयजल आपूर्ति की बढ़ौतरी के लिए 210 करोड़ 90 लाख रुपये लागत की एक परियोजना नाबार्ड से 28.09.2017 को अनुमोदित हो चुकी है। इस परियोजना के तहत कार्य 30.09.2020 तक पूरे होने की संभावना है।

.....

To Upgrade The School

***2601. Shri Ravinder Baliala** : Will the Education Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the

Government to upgrade the School of village Lamba up to Senior Sec. School; if so the time by which the said school is likely to be upgraded?

शिक्षा मन्त्री (श्री राम बिलास शर्मा) : नहीं, श्रीमान।

.....

To Set up HAFED Cattle Feed Plant

***2533 Shri Bikram Singh Yadav**: Will the Agriculture and Formers Welfare Minister be pleased to State the time by which the Hafed Cattle Feed Plant is likely to be set up in village Jatusana for which the announcement was made by the Hon'ble Chief Minister?

सहकारिता राज्य मंत्री (श्री मनीष कुमार ग्रोवर) : महोदय"चूंकि हैफैड"कैटल फ़ीड" प्लांट को गांव जाटसाना में स्थापित करने"के"प्रस्ताव को अव्यवहारिक"पाया"गया" थाए अतः हैफैड द्वारा एक आटा मिल की स्थापना का प्रस्ताव विचाराधीन है"

.....

To Start M.Sc And B.Sc Chemistry (Honours) Classes

***2469. Shri Pirthi Singh :** Will the Education Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to start M.Sc. chemistry and B.Sc chemistry (Honours) classes in 2018-19 session in the K.M. Government College, Narwana ?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : नहीं श्रीमान् जी।

.....

To Increase the Income of the Farmers

***2520. Shri Kuldip Sharma** : Will the Agriculture and Farmers Welfare Minister be pleased to state:-

(a) The steps taken by the Government to increase and double the income of the farmers of the State; and

(b) The number of farmers registered and benefitted from the 'Bhavantar Scheme' in the state so far?

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड़) : श्रीमान जी, कथन सदन के पटल पर रखा गया है।

कथन

(क) किसानों की आमदनी बढ़ाने तथा दोगुनी करने के लिए उठाये गए कदम

नीति आयोग ने 2022 तक कृषि के क्षेत्र मे सुधार तथा किसानों की आमदनी दुगूनी करने के लिए अन्य बातों के साथ–साथ निम्नलिखित कदम उठाते हुए रोड मैप का खाका तैयार किया हैः

i. फसलों की उत्पादकता मे बढोंतरी

ii. पशुधन के उत्पादकता में बढोतरी,

iii. इनपुट प्रयोग (लागत बचत) की दक्षता में सुधार,

iv. फसल की मात्रा में बढ़ोतरी,

v. उच्च मूल्य फसलों की विविधता,

vi. किसानों द्वारा सुधारित कीमत की प्राप्ति,

vii. किसानों को गैर–कृषि कार्यों में बदलना।

राज्य सरकार ने कृषि उपज की लागत को कम करने तथा कृषि तथा किसान कल्याण विभाग, बागवानी विभाग, हरियाणा राज्य कृषि निपणन मण्डल, पशुधन तथा डेयरी विभाग तथा मत्स्य विभाग से सम्बन्धित विभिन्न स्कीमों तथा परियोजानाओं के लागूकरण के माध्यम से किसानों की अमादनी बढाने के लिए विभिन्न कदम उठाए है।

1. कृषि तथा किसान कल्याण विभाग

(i) राज्य सरकार ने राज्य के किसानों को आर्थिक सहायता (सबसीडी) के रूप में इनपुट बीज, कीटनाशकों इत्यादि पर 211.00 करोड़ रूपये (लगभग) मुहैया कराए हैं।

(ii) राज्य सरकार में कृषि उपकरणों पर 35.99 करोड़ रूपये की आर्थिक सहायता मुहैया कराई है तथा कृषि में यन्त्रीकरण को बढावा देने के लिए किसानों को 12388 उपकरण दिए गए है।

(iii) राज्य सरकार ने लघु–सिंचाई प्रणाली (स्प्रिन्कलर, मिनो–स्प्रिन्कलर, डिप) पर 35.39 करोड़ रूपये की आर्थिक सहायता मुहैया कराई है तथा 5271 किसान लाभान्वित हुए है।

(iv) राज्य सरकार ने किसानों को 40.02 लाख मृदा स्वास्थ्य कार्ड मुहैया कराए है तथा किसानों को उर्वरकों के न्यूनतम प्रयोग पर नियमित सलाह दे रहा है।

(v) 13.32 लाख किसानों को वर्ष 2016–17 के दौरान फसल की खराबी से संरक्षण के लिए प्रधान मन्त्री फसल बीमा योजना के अधीन कवर किया गया है तथा मुआवजे के दावे के रूप में 2.50 लाख किसानों को 277.00 करोड़ रूपये भुगतान किए गए हैं।

(vi) हरियाणा में 70000 से अधिक गन्ना किसानों को लाभ देने तथा अधिकतम राज्य एडवाईजरी कीमत अर्थात् 330/– रूपये प्रति किवंटल मुहैया करवा रहा है।

(vii) किसानों के हितों के संरक्षण के लिए 10694 किवंटल मूँग (एम एस पी 5225.00 रूपये) 8459 एम टी सूरजमुखी, सरसों तथा बाजरा (एम एस पी 3950.00 रूपये) पहली बार खरीद किया है।

(viii) हरियाणा सरकार ने वर्ष 2012 से 2014 तक की शून्य प्राप्ति की तुलना में किसानों के हित के हमेशा संरक्षण के लिए सत्ता में आने के बाद 42884 एम टी बाजरा की खरीद की है।

(ix) हरियाणा श्जलवायु स्मार्ट कृषि परियोजानाश को कृषि पर जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रयासों को कम करने में राज्य के किसानों की सहायता के लिए भारत सरकार की 25.00 करोंड़ रूपये की 100 प्रतिशत निधिकरण सहित लागू करने वाला पहला राज्य है।

(x) ''परम्परागत कृषि विकास योजना'' के अधीन जैविक खेती को बढ़ावा देना,

(xi) जल गटकने वाली फसल (धान) के स्थान पर मक्का को बदलते हुए फसल विविधता प्रोग्राम को बढ़ावा देना,

(xii) फसल मुआवजा 6000/– रुपये से 12000/– रुपये प्रति एकड़ बढ़ा दिया गया है।

(xiii) कृषि हेतु वर्ष 2018–19 के लिए 1351.00 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 231.00 करोड़ रुपये अधिक हैं।

2. बागवानी विभागः–

(i) बागवानी क्षेत्र तथा उत्पादन को बदलने के लिए बीज उत्पादन, क्षेत्र विस्तार, जल संसाधन, पोस्ट हारवैस्ट प्रबन्धन तथा विपणन, निपुणता प्रशिक्षण इत्यादि पर 25 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक प्रोत्साहन देते हुए बढाया जा रहा है।

(ii) फसल समूह विकास प्रोग्राम (सी सी डी पी) किसान उत्पादक संगठनों (एफ.पी.ओ.) के 510.36 करोड़ रूपये की परियोजना लागत सहित आपूर्ति चयन का विकास शुरू किया है।

(iii) 340 बागवानी गांवों की पहचान की गई है तथा 140 फसल समूह तथा इन गांवों में विशेष प्रोत्साहन मुहैया करवाया जा रहा है।

(iv) राज्य के सभी 22 जिलों को कवर करने के लिए 78 एफ.पी.ओ. बनाए गए हैं तथा इन एफ.पी.ओ. के लिए विशेष प्रोत्साहन बढाया जा रहा है।

(v) सब्जियों के उच्च मूल्य तथा उनके सीधे विपणन के लिए फरीदाबाद जिले में 4 करोड़ रूपये की पायलट परियोजना 13 एन.सी.आर. जिलों में परिअरबन खेती शुरू की गई है।

(vi) बागवानी विश्वविद्यालय 3 क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों सहित करनाल में स्थापित की जा रही है।

(vii) सरकार ने 5 श्रेष्ठता केन्द्र स्थापित किए हैं तथा राज्य के प्रत्येक जिले में 1 श्रेष्ठता केन्द्र स्थापित किया जाएगा।

(viii) बागवानी फसलों मे भावान्तर भरपाई योजना थोक मण्डी में कम मूल्य के दौरान किसानों को प्रोत्साहन देते हुए उनके जोखिम को कम करने के लिए शुरू की गई है।

(ix) लघु सिंचाई पर एक विशेष स्कीम तैयार की गई है तथा उसे 36 पहचानित अधिक शोषित तथा आलोचनात्मक ब्लाकों में लागू की जा रही है तथा इन ब्लाकों मे आर्थिक सहायता 85 प्रतिशत तक बढ़ा दी गई है तथा किसान असीमित क्षेत्र तक आर्थिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

(x) साधारण किसानों को 65 प्रतिशत तथा एस.सी. किसानों को 90 प्रतिशत आर्थिक सहायता सहित संरक्षित तथा शीर्ष खेती के लिए मुहैया कराई जा रही है।

(xi) प्रभावशाली जल संसाधन प्रबन्धन के लिए सामुदायिक तालाबों के निर्माण हेतु 100 प्रतिशत सहायता मुहैया करवाई जा रही है।

(xii) वर्ष 2018–19 के लिए 834 करोड़ रूपये का बजट प्रावधान किया गया है जोकि पूर्व वर्ष की तुलना में 438 करोड़ रूपये अधिक है।

3. पशुधन तथा डेयरी विभाग

(i) पिछले चार वर्षों के दौरान हाई–टैक तथा मिनी डेयरी की स्थापना की स्कीम के अधीन आर्थिक–सहायता के रूप में 26.79 करोड़ रूपये मुहैया कराए हैं।

(ii) इस वित वर्ष अर्थात 2017–18 से, 50 दुधारू पशु डेयरी यूनिट की स्थापना करने के लिए एक नया घटक हाई–टैक तथा मिनी डेयरी यूनिटों की स्थापना¬ के लिए स्कीम में शामिल किया गया है।

(iii) डेयरी इकाईयों की स्थापना के लिए हाई–टैक तथा मिनी–डेयरी की स्थापना के लिए स्कीम के अधीन 6749 किसान पिछले चार वर्षो के दौरान लाभान्वित हुए है।

(iv) अच्छी किस्म के अधिक दूध देने वाले देशी पशुओं को पालने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए इन नसलों के प्रदर्शन का रिकार्ड रखना शुरू किया गया है तथा दूध उपज के आधार पर 10000/– रूपये से 20000/– रूपये तक की रेज को राशि उसके प्रोत्साहन के लिए देशी गायों के स्वामियो को दी जा रही है। सरकार ने मिछले चार वर्षो के दौरान पशु स्वामिओं को प्रोत्साहन राशि के रूप में 6.14 करोड़ रूपये मुहैया कराए गए है।

(v) देशी नसल के पशु (गौ संवर्धन) के संरक्षण तथा विकास की स्कीम के अधीन 5168 किसानों पिछले चार वर्षो के दौरान लाभान्वित हुए हैं।

(vi) पिछले चार वर्षो के दौरान समेकित मुर्रा विकास प्रोग्राम की स्कीम के अधीन पशुधन स्वामियों को प्रोत्साहन राशि के रूप मे 19.63 करोड़ रूपये दिए हैं।

(vii) समेकित मुर्रा विकास प्रोग्राम की स्कीम के अधीन, पिछले चार वर्षों के दौरान 15981 किसान लाभान्वित हुए हैं।

(viii) सरकार ने पिछले चार वर्षों के दौरान अनुसूचित जाति (एस.सी. एस.पी.) के लिए पशुधन इकाइयों को स्थापना करने के लिए अनुसूचित जातियों को रोजगार के अवसर देने हेतु स्कीम के अधीन अनुसूचित जाति के परिवारों को पशुधन इकाईयों की स्थापना के लिए आर्थिक–सहायता के रूप में 46.29 करोड़ रूपए दिए गए हैं।

(ix) स्कीम के अधीन अनुसूचित जाति (एस.सी.एस.पी.) के लिए पशुधन इकाईयां स्थापित करने के लिए अनुसूचित जातियों को रोजगार के अवसर हेतु पिछले चार वर्षों के दौरान कुल 8194 किसान लाभान्वित हुए हैं।

(x) हरियाणा राज्य का कुल दूध उत्पादन पिछले तीन वर्षों के दौरान के दौरान 79.01 से 89.75 लाख टन, अंडा उत्पादन 45.79 से 52.14 मिलियन की संख्या तथा मांस उत्पादन 381. 36 से 427.48 लाख किलोग्राम तक बढ़ गया है।

4. मत्स्य पालन विभाग

(i) विभाग ने सफेद झींगा पालन के लिए लवणीय बंजर भूमि का सदुपयोग किया है।

(ii) किसानों की आय मे वृद्धि करने के परिणामस्वरूप मछली उत्पादन को बढ़ाने के लिए तालाबो में मत्स्य आंगुलिक बीज का संचय करना।

(iii) मत्स्य पालन के लिए अनुपयोगी जलमग्न भूमि का उपयोग।

(iv) इनपुट लागत में कमी तथा उत्पादन में वृद्धि करने के लिए पेलेटिड फीड तथा ऐरियेटर की स्थापना की धारणा प्रस्तुत करना।

(v) मत्स्य उत्पादन मे वृद्धि हेतु रिस्कुलेटरी ऐक्वाकल्चर सिस्टम स्थापित करना जिससे 40 मि0टन प्रति एकड का मत्स्य उत्पादन सम्भव होगा ।

(vi) वर्ष 2014–15 से 2017–18 तक विभाग द्वारा मत्स्य किसानों को विभिन्न स्कीमों (अुनसूचित जाति के परिवारो हेतू लाभार्थियों को अनुदान, आर0के0वी0वाई0 स्कीम के अन्तर्गत सफेद झीगा पालन व मत्सय किसान विकास एजेन्सी / नीली क्रान्ती योजना) के अन्तर्गत लगभग 41.10 करोड़ रूपये का अनुदान प्रदान किया गया।

(ख) भावांतर योजना से रजिस्टर्ड तथा लाभान्वित किसानों की संख्या

कुल 4435 किसानों को 28.02.2018 तक भावांतर भरपाई योजना के अधीन रजिस्टर्ड किया गया है। किसान जो स्कीम के अधीन लाभ प्राप्त करेंगे उन्हें प्रथम अप्रैल से शुरू होने वाली बिक्री अवधि के दौरान जाना जाएगा।

.....

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Recovery of Outstanding Electricity Bills

586. Shri Parminder Singh Dhull : Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any scheme under consideration of the government to recover the outstanding domestic electricity bills of rural areas in the State and to reduce heavy line losses; if so, the details thereof ?

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : हां श्रीमान, राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली सप्लाई बढ़ाने तथा लाईन लॉसिज कम करने के लिए म्हारा गांव जगमग गांव योजना लागू की जा रही है। एम जी जे जी योजना के अन्तर्गत, उपभोक्ताओं को चालू बिलों के साथ पांच किस्तों में पुराना बकाया जमा करवाने की अनुमति दी जाती है। अन्तिम बिल तथा किस्त अदा करने के बाद, सम्पूर्ण सरचार्ज राशि माफ की जाती है।

फीडर की बकाया राशि वसूली स्तर तक पहुंचने के बाद, उपभोक्ताओं को उनकी बिजली सप्लाई में 24 घण्टे तक बढ़ोत्तरी करके प्रोत्साहित किया जा रहा है।

.....

Total Number of PHC and CHC

561. Shri Ram Chand Kamboj : Will the Health Minister be pleased to state the district wise number of PHC's and CHC's in Haryana state togetherwith the district-wise number of private hospitals in Haryana state?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री अनिल विज) : श्रीमान् जी, एक सूची सदन के पटल पर रखी है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों/सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों/प्राईवेट हस्पतालों की सूची

क्रम संख्या	जिले का नाम	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की संख्या	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की संख्या	प्राईवेट हस्पतालों की संख्या
1	अम्बाला	4	20	50
2	भिवानी	9	42	62
3	फतेहाबाद	5	24	90
4	फरीदाबाद	4	14	8
5	गुरुग्राम	4	13	254
6	थ्हसार	8	37	157
7	झज्जर	6	27	38
8	जीन्द	5	28	103
9	कैथल	6	23	59
10	क्रनाल	6	26	107
11	कुरुक्षेत्र	5	21	63
12	नूंह (मेवात)	3	21	7
13	महेन्द्रगढ़	8	27	51
14	प्लवल	5	19	63
15	प्ंचकुला	2	10	43
16	पानीपत	4	18	72
17	रिवाड़ी	5	19	110
18	रोहतक	6	23	56
19	सिरसा	8	28	150
20	सोनीपत	9	36	41
21	यमुनानगर	7	20	94
कुल	**119**	**496**	**1678**	

Distribution of LED Bulbs / Fans / And Tubes

587. Shri. Parminder Singh Dhull : Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether it is a fact that LED Bulbs, Tubes and Fans have been distributed under the 'Ujala' scheme in the State; and

(b) if so, the name of the company and the rate on which abovesaid items have been purchased togetherewith the details of appliances distributed in the State so far ?

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) :

(क) हां, श्रीमान।

(ख) बिजली वितरण कंपनियां ऊर्जा कुशल उपकरणों को बढ़ावा देने के लिए इन वस्तुओं को मैसर्ज एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसिज लिमिटेड (ई.ई.एस.एल.) से खरीद रही हैं जोकि नेशनल थर्मल पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड, पॉवर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, पॉवर फाईनेंस कॉरपोरेशन तथा रूरल इलैक्ट्रिफिकेशन कॉरपोरेशन की एक संयुक्त उद्यम कंपनी है। मैसर्ज ई.ई.एस.एल. इन वस्तुओं को विभिन्न निर्माताओं से प्रतिस्पर्धात्मक बोली के माध्यम से खरीद रही हैं। हरियाणा राज्य में जनवरी–2018 तक वितरित किए गए उपकरणों का कीमत सहित सर्कल वार ब्यौरा अनुबंध–ए पर है।

(अनुबंध–ए)

जनवरी–2018 तक वितरित किए गए एल ई डी बल्ब, पंखे तथा टयूब लाईटों का सर्कल वार ब्यौरा

सर्कल का नाम	एल.ई.डी. बल्ब वर्तमान यूनिट दर 70 रूपये	पंखे वर्तमान यूनिट दर 1110 रूपये	टयूब लाईट वर्तमान यूनिट दर 220 रूपये
अम्बाला	1276213	6187	29441
यमुनानगर	910986	1385	3894
करनाल	1105399	2524	3700
कुरूक्षेत्र	773557	757	2536

कैथल	647036	681	848
रोहतक	692879	725	2396
पानीपत	786567	1441	3712
झज्जर	511811	598	286
सोनीपत	850323	1925	8373
यू.एच.बी.वी.एन.	**7554771**	**16223**	**55186**
फरीदाबाद	1088892	2831	35668
पलवल	733368	2283	5333
गुरूग्राम	957952	4902	31461
नारनौल	490696	1841	1049
रेवाड़ी	464668	1860	1644
भिवानी	870473	1923	6530
हिसार	991301	6122	23102
सिरसा	555721	2819	9942
जींद	370398	299	332
फतेहाबाद	518181	2999	5886
डी.एच.बी.वी.एन.	**7041650**	**27879**	**120947**
कुल (यू.एच.+डी.एच.)	**14596421**	**44102**	**176133**

Construction of Channel to Supply Water

569. Shri Om Parkash Barwa : Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to Construct lined channel from Sora distributory to supply water to the pond of village Paju of Behal Block of Loharu Constituency; if so, the time by which it is likely to be constructed ?

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : श्रीमान जी, वर्तमान में ऐसी कोई भी प्रस्तावना सरकार के पास विचाराधीन नहीं है। इस मांग के उत्पन्न होने का कारण यह दिखाई पड़ता है कि काफी समय के बाद, मॉनसून 2017 में सोरा रजबाहे की टेल तक पानी पहुंचना आरम्भ हुआ है। चूंकि यह मामला अब उठाया गया है, इस मामले में आगे की कार्यवाही करने हेतु तकनीकी व्यवहार्यता की जांच की जाएगी ।

.....

To Set Up PAT Transformers

588. Shri Parminder Singh Dhull : Will the Chief Minister be pleased to state--

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to set up P.A.T. Transformer on each agriculture feeder in the State; and

(b) if so, the the details thereof?

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : (क और ख) श्रीमान जी, नीति के अनुसार उन ए.पी. फीडरों पर पी.ए.टी. ट्रांसफार्मर स्थापित किए जाने हैं, जिन पर ढ़ाणियां मौजूद हैं। राज्य में 1345 कृषि फीडरों पर पहले ही पी.ए.टी. ट्रांसफार्मर स्थापित किए जा चुके हैं। शेष फीडरों को वित्तीय वर्ष 2018–19 के दौरान शामिल कर लिया जाएगा।

.....

राज्यपाल की ओर से संदेश

11.00 बजे

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मुझे कल दिनांक 12.03.2018 को प्रोफैसर कप्तान सिंह सोलंकी, माननीय राज्यपाल, हरियाणा से एक संदेश प्राप्त हुआ है, जो कि निम्न प्रकार से है –

"प्रिय श्री कंवरपाल,

मुझे मेरे द्वारा दिनांक 05 मार्च, 2018 को दिए गए अभिभाषण के बारे में आपके अर्ध–सरकारी पत्र दिनांक 08 मार्च, 2018 को हरियाणा विधान सभा द्वारा पारित किये गये धन्यवाद प्रस्ताव की एक प्रति प्राप्त हुई।

कृपया इस सम्बन्ध में मेरी हार्दिक सराहना और प्राप्ति सूचना हरियाणा विधान के सभी सम्मानित सदस्यों तक पहुंचा दें। सम्मान सहित।"

विभिन्न मामले उठाना/बैठक का स्थगन

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : स्पीकर सर, मानेसर जमीन घोटाले में माननीय सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया है जिसमें माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा को स्पष्ट रूप से दोषी ठहराया गया है। हम चाहते हैं कि श्री

भूपेन्द्र सिंह हुड्डा द्वारा नैतिकता के आधार पर अपनी विधान सभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया जाना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय सत्ता पक्ष के कुछ सदस्य खड़े होकर मानेसर जमीन घोटाले में श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के बारे में माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिये गये फैसले पर अपनी बात कहने लगे।)

श्री अध्यक्ष : सभी माननीय सदस्यगण, कृपया करके अपनी–अपनी सीट्स पर बैठ जायें एवं सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलने दें। (शोर एवं व्यवधान) ज्ञान चंद गुप्ता जी, आप सभी एक साथ न बोलें बल्कि कोई एक मैम्बर बोले। (शोर एवं व्यवधान) ज्ञान चंद गुप्ता जी, अगर आप आठ–आठ लोग एक साथ बोलेंगे तो यह कैसे पता चलेगा कि आप लोग क्या कहना चाहते हैं। इसलिए मैं आपको दोबारा कहना चाहूंगा कि आप सभी एक साथ न बोलें बल्कि कोई भी एक मैम्बर बोले। (शोर एवं व्यवधान) आप सभी कृपया करके बैठ जायें।

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : स्पीकर सर, आज के सभी अखबारों में यह खबर प्रथम पेज पर छपी हुई है। हम यह चाहते हैं कि पहले इस मामले की जांच करवाई जाये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री श्याम सिंह राणा : स्पीकर सर, *** (विघ्न)

श्री महिपाल ढांडाः स्पीकर सर, *** (विघ्न)

डॉ. पवन सैनी : स्पीकर सर, *** (विघ्न)

श्री मूल चंद शर्मा : स्पीकर सर, *** (विघ्न)

श्रीमती शकुंतला खटक : स्पीकर सर, *** (विघ्न)

श्री जय प्रकाश : स्पीकर सर, *** (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : जो भी माननीय सदस्य बिना मेरी परमीशन के बोल रहे हैं उनकी कोई भी बात रिकार्ड न की जाये। (शोर एवं व्यवधान) आप सभी पहले मुझे आज का विधान कार्य सम्पन्न कर लेने दें उसके बाद मैं आपको बोलने का मौका दूंगा। (शोर एवं व्यवधान) अभी आप कृपया करके बैठ जायें। (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अभिमन्यु : अध्यक्ष जी, मेरा एक निवेदन है कि माननीय सदस्यों की भावना को ध्यान में रखते हुए इस मुद्दे पर हाउस में चर्चा करवाने की इनकी बात मान ली जाये। इससे हरियाणा प्रदेश के माथे पर जो कलंक लगा है उससे हरियाणा

.....

***चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।**

प्रदेश का मान–सम्मान पूरे देश में कलंकित हुआ है। सर्वोच्च न्यायालय ने किसानों के प्रदेश और कृषि प्रधान प्रदेश हरियाणा में किसानों की जमीन को लूटने का काम किया गया है और हैरानी की बात यह है कि उनकी पार्टी उनको किसानों के हितों के लिए गठित समिति का अध्यक्ष बनाती है कि किसानों की जमीन को और लूटो। यह पार्टी के ऊपर सवाल है। अध्यक्ष जी, मेरा आपसे यही निवेदन है कि इस सम्बन्ध में आप सदन में माननीय सदस्यों को इस विषय के बारे में चर्चा करने के लिए मौका दीजिए। आप जिसको भी उपयुक्त समझें उसको ही इस विषय पर चर्चा करने के लिए समय दें। इस मामले में माननीय सुप्रीम कोर्ट की एक बहुत ही गम्भीर टिप्पणी है इसलिए मेरी आपसे बार–बार यही रिक्वैस्ट है कि माननीय सदस्यों को इस बारे में चर्चा करने के लिए आप समय दें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अभय सिंह जी, अब आप बोलें।

श्री अभय सिंह चौटाला : स्पीकर सर, जो ऑडियो वॉयरल हुआ था उसको लेकर के हमने कल मुख्यमंत्री जी से जांच की मांग की थी। मुख्यमंत्री जी ने स्वयं जांच कराने की बजाय और हाउस के अंदर जांच कराने का आश्वासन देने की बजाय जिस व्यक्ति के खिलाफ हम कार्रवाई चाहते थे उसको क्लीन–चिट देने का काम किया। आज के अखबारों में एक खबर छपी है। (विघ्न)

कैप्टन अभिमन्यु : अध्यक्ष जी, यह सदन जनता की भावनाओं से चलता है। इस मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय आया है। इस मामले में कोई जांच की बात नहीं है और न ही इसमें किसी जांच की कोई गुंजाईश है। देश की सबसे बड़ी अदालत का यह फैसला है और देश की सबसे बड़ी अदालत ने तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा को मानेसर जमीन घोटाले में दोषी पाया है। देश की सबसे बड़ी अदालत ने उनको दोषी ठहराया है। यह मामला बहुत गम्भीर है। इसमें जांच होनी चाहिए। इस मामले पर हाउस में चर्चा होनी चाहिए। यह देश की सबसे बड़ी अदालत का फैसला है। यह आज के सभी मुख्य समाचार पत्रों की हैडलाईन है। हरियाणा के किसानों को लूटा गया है। हरियाणा के किसानों को लूटने के लिए सर्वोच्च अदालत द्वारा उनको दोषी करार दिया गया है। सर्वोच्च अदालत द्वारा उनको फ्रॉड का दोषी करार दिया गया है। सर्वोच्च अदालत द्वारा उनको हरियाणा के किसानों को लूटने का दोषी करार दिया गया है। यह सर्वोच्च अदालत का अंतिम फैसला है इस पर सदन में हर हाल में बहस होनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः ज्ञान चन्द जी, आप अपनी तरफ से इस बारे में एक नोटिस दे दें उस पर चर्चा करवा लेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

वित्त मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु) : अध्यक्ष महोदय, यह किसान की बात है। किसान को लूटा गया है तथा इस बारे में सर्वोच्च न्यायालय का फैसला आया है। उनको दोषी करार दिया गया है, उनको हरियाणा को लूटने का दोषी करार दिया गया है। यह सर्वोच्च न्यायालय का अंतिम फैसला है और इस पर बहस होनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री सुभाष बरालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया है उस पर आप संज्ञान लें और हमें बोलने की अनुमति प्रदान करें। यह एक गम्भीर मामला है जिसमें माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने टिप्पणी की है और उस पर चर्चा होनी चाहिए। आप हमें बोलने की अनुमति प्रदान करें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चन्द गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, आप हमें बोलने की अनुमति दीजिए हम भी अपनी बात रखना चाहते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : अध्यक्ष महोदय, नेता प्रतिपक्ष ने जो बात शुरू की है उस बारे में मैं समझता था कि जो कुछ होना था वह कल हो गया लेकिन चूंकि फिर से हाउस में विषय उठाया गया है इसलिए हाउस के ध्यान में कुछ जानकारियां लाना चाहता हूं। जब भी इस प्रकार की कोई घटना होती है तो पहले जांच होती है और जांच होने के बाद यदि कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होती है। यह कोई पहली बार हमने किया है ऐसा नही है पिछली सरकारों के समय में भी इस प्रकार के मामले आते रहे हैं। इस प्रकार के मामलों में पहले जांच होती है उसके बाद कार्रवाई होती है। अगर हमने इस सिलसिले को शुरू कर दिया तो आज सांयकाल से ही, रात्रि से ही इस प्रकार के विषय को लेकर सब लोग सोशल मीडिया पर विडियो, ऑडियो तथा वक्तव्य देने शुरू कर देंगे और इससे इस सारे सिस्टम का क्या बनेगा इसका अनुमान ही लगाया जा सकता है। इसलिए पहले पूरी जांच होनी चाहिए उसके बाद ही दोषी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। इस प्रकार के काम पहले भी होते रहे हैं मैं उनके कुछ उदाहरण देना चाहता हूं। पंचकुला में श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान नियम ताक पर रख कर अपने चहेतों को इंडस्ट्रियल प्लाट

आबंटित किये हैं इसकी हमें शिकायत मिली। उसकी हमने विजिलेंस से जांच करवाई। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ.रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, जो आदमी हाउस में उपस्थित नहीं है क्या हाउस में उसका नाम लिया जा सकता है? मैं इस बारे में आपकी रूलिंग चाहता हूं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कादियान जी, आप बैठिये, सदन के नेता जवाब दे रहे हैं पहले उनको अपनी बात रखने दें। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में आपकी रूलिंग चाहता हूं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कादियान जी, मुख्यमंत्री जी किसी का नाम नहीं ले रहे हैं वे तो जांच के बारे में बता रहे हैं कि पहले जांच होनी चाहिए। जहां तक नाम लेने की बात है तो जब वे मुख्यमंत्री थे तो उनका ही नाम लिया जायेगा। (शोर एवं व्यवधान)

वित्त मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु) : अध्यक्ष महोदय, श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा इस हाउस के सदस्य हैं इसलिए उनका नाम लिया जा सकता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मैं नाम नहीं ले रहा हूं। मैं तो कुछ ऐतिहासिक तथ्य हैं उनके बारे में बता रहा हूं। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार के नाम तो हमारे पास भी बहुत हैं हमें भी बोलने के लिए समय दिया जाये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कादियान जी, सदन के नेता अपनी बात रख रहे हैं, पहले उन्हें अपनी बात रखने दें। वे किसी पर आरोप नहीं लगा रहे हैं वे तो उन घटनाओं की जानकारी दे रहे हैं कि पहले की सरकारों ने कैसे निर्णय लिये हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, ——————— (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : जसविन्द्र जी, प्लीज आप बैठ जाईये । (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : कादियान जी, आप लोगों ने जो पूछा है मैं उसी का जवाब दे रहा हूं ।

डॉ0 रघुबीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, ———————————— (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कादियान जी, प्लीज आप बैठिए । आप अपनी बात बाद में रख लेना । मैं आपको अलाउ करूंगा । (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : कादियान जी, आप सुन तो लो। मैं बहुत से विषय बता रहा हूं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री जगबीर सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, ————————— (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : जगबीर जी, प्लीज आप बैठिये । मुख्यमंत्री जी, केवल यह जानकारी दे रहे हैं कि पहले कैसी–कैसी घटनाएं हुई हैं ।(शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : मैं आपकी सरकार के समय की ही बात कर रहा हूं कि आपकी सरकार के समय में जब श्री करण सिंह दलाल वन मंत्री थे । (शोर एवं व्यवधान) मैं तथ्यों को ही बता रहा हूं । आप सुनने का दम रखो । श्री करण सिंह दलाल जब वन मंत्री थे । (शोर एवं व्यवधान) आप जो कह रहे हैं ऐसा नहीं हो सकता है कि जांच से पहले एक्शन लीजिए । पहले जांच होगी उसके बाद ही एक्शन लिया जाएगा ।

श्री अध्यक्ष : कादियान जी, मुख्यमंत्री जी यह बता रहे हैं कि पूर्व की सरकारों ने जो निर्णय लिए हैं वर्तमान सरकार भी वैसे ही निर्णय लेगी । (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : कादियान जी, हम वह निर्णय लेंगे ।

श्री अध्यक्ष : कादियान जी, आप इस सरकार से अलग टाईप के निर्णय की इच्छा कर रहे हैं जबकि आपकी सरकार ने उस समय अलग टाईप के निर्णय लिए थे ।

श्री मनोहर लाल : कादियान साहब, मैं सभी पार्टियों के उदाहरण दूंगा । कांग्रेस पार्टी के समय क्या–क्या हुआ और इंडियन नैशनल लोकदल के समय क्या–क्या हुआ? आज की सरकार में क्या हो रहा है ? मैं सभी के बारे में सदन में बताऊंगा (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कादियान जी, मुख्यमंत्री जी ने किसी की कोई आलोचना नहीं की है । आपके ऊपर कोई आरोप नहीं लगाया है ।(शोर एवं व्यवधान)

वित्त मंत्री(कैप्टन अभिमन्यु) : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने सरमाएदारों से मिलकर हरियाणा को लूटने का काम किया है । इन्होंने एक गरीब किसान की हत्या करने का काम किया है । (शोर एवं व्यवधान) क्या यह अच्छे हैं ? यह किसानों की जमीन को लूटकर खा गये क्या यह अच्छे हैं ?

(इस समय सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा कांग्रेस पार्टी के सदस्यों के खिलाफ सदन में नारे–बाजी की गई।)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं जो उदाहरण दूंगा वह सभी सरकारों के समय के दूंगा । यह तो मैंने अपनी सरकार के आने के बाद जो जांच का विषय था वह बताया है कि जांच होने के बाद ही कार्यवाही होगी । अब मैं इन्हीं की कांग्रेस सरकार की बात बता रहा हूं कि श्री करण सिंह दलाल ने वन मंत्री रहते हुए अपने पद का दुरूपयोग करते हुए पानीपत की एक फर्म करीब एक करोड़ रूपये के नकली जैविक वन विभाग के विभिन्न मण्डलों से खरीद करवाई थी। इसमें विजिलेंस द्वारा जांच करने उपरांत इनके विरूद्ध वर्ष 2001 में मुकद्मा नं0 6, थाना एस.वी.बी. रोहतक में दर्ज किया गया । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : करण जी, मुख्यमंत्री जी यही बात तो कह रहे हैं कि पहले जांच हुई और उसके बाद कार्रवाई हुई है ।

श्री मनोहर लाल : मैं वही कह रहा हूं कि जांच होने के बाद मुकद्मा होता है। (शोर एवं व्यवधान) मैं जो कह रहा हूं आप उसको सुन तो लो ।

श्री अध्यक्ष : करण जी, मुख्यमंत्री जी यही बात तो कह रहे हैं कि पहले जांच हुई और उसके बाद कार्रवाई हुई है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री करण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, पानीपत की कोर्ट ने उस इन्कवायरी को झूठा मानते हुए हमें बरी किया था और मुख्यमंत्री महोदय को यह बात भी सदन में बतानी चाहिए। अगर मुख्यमंत्री जी, आप इतने ही ईमानदार हैं तो आपको यह भी बताना चाहिए कि आपकी सरकार ने बावल के अन्दर किसानों की 2500 हजार एकड़ जमीन लेने का काम किया है ।

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं यही बता रहा हूं कि बावल में वह जमीन 3500 एकड़ थी । दलाल साहब, वह 2500 एकड़ नहीं 3500 एकड़ जमीन थी । हमने वह किसान की जमीन पूरी की पूरी एक कलम से छोड़ी है । (शोर एवं

व्यवधान) पिक एण्ड चूज नहीं किया कि 10 एकड़ दे दो, 20 एकड़ दे दो । इसको दे दो या उसको दे दो । हमने वह सारी जमीन ही छोड़ दी ।(शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अभिमन्यु : अध्यक्ष महोदय, यह लोग किसान विरोधी हैं । यह किसानों की जमीन को लूटकर खा गए । इन्होंने सरमाएदारों से मिलकर हरियाणा को लूटने का काम किया है । इनको सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भी शर्म नहीं आती । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, सदन के नेता अपनी बात रख रहे हैं। एक बार उन्हें अपनी बात रख लेने दें, उसके बाद आप अपनी बात रख सकते हैं।

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल): अध्यक्ष महोदय, ऐसा नहीं है कि मैं सदन में केवल विपक्ष के संदर्भ में ही बात कर रहा हूँ बल्कि मैं तो भारतीय जनता पार्टी की महिला मोर्चा से जुड़ी उप–चेयरमैन, जिला परिषद, पंचकुला के संदर्भ में भी बात रखना चाहूंगा। अगर हमारे विपक्ष के साथी यह बात ध्यान से सुनेंगे तो उन्हें पता चल जायेगा कि ऐसा बिल्कुल भी नहीं है कि हमारी सरकार द्वारा केवल विपक्ष पर हमला किया जा रहा है। अगर मेरी बात को ध्यान से सुना जायेगा तो कांग्रेस के साथियों को पता चल जायेगा कि अगर कोई व्यक्ति गलत काम करेगा और चाहे वह हमारी पार्टी से ही संबंध क्यों न रखता हो, उसके खिलाफ एक्शन लिया जायेगा। (शोर एवं व्यवधान)

Shri Kuldip Sharma: Speaker Sir, Hon'ble Chief Minister can not refer for an FIR on account of which a judgement has been pronounced by the Hon'ble Court.

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, जो बात कुलदीप जी कर रहे हैं मैं उस विषय पर बात नहीं कर रहा हूँ। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, करण सिंह दलाल के खिलाफ एफ.आई.आर. तो दर्ज हुई थी और एफ.आई.आर. बिना वजह तो दर्ज होती नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, माननीय मुख्यमंत्री जी आपके केस की बात नहीं कर रहे हैं।(शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मैं दलाल साहब के संदर्भ में किए गए रैफरेंस को वापिस लेता हूँ। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, करण सिंह दलाल सदन में बतायें कि इन पर एफ.आई.आर. हुई थी या नहीं हुई थी? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, प्लीज बैठिए, माननीय मुख्यमंत्री जी को अपनी बात पूरी करने दें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, जांच करने व एफ.आई.आर. दर्ज करने का एक प्रोसीजर होता है। पहले जांच होती है और उसके बाद अगर जांच में कोई दोषी इंगित होता है तो उस पर एफ.आई.आर. दर्ज हो जाती है। (शोर एवं व्यवधान) ऐसा बिल्कुल भी नहीं है कि किसी पर दोष लग जाये और उसके विरूद्ध तुरन्त एफ. आई.आर. दर्ज करा दें, ऐसा नहीं होता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री करण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, भारतीय जनता पार्टी की सरकार में भ्रष्टाचार के जिस मुद्दे पर कल भी सदन में चर्चा हुई और आज भी हो रही है, इस विषय पर पहले एफ.आई.आर. दर्ज करावाई जाए, उसके बाद जो नतीजा होगा वह आता रहेगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, करण जी, फिर उसी विषय पर आ गए हैं इनको समझना चाहिए कि एफ.आई.आर. दर्ज करना जांच के बाद का विषय होता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मानेसर जमीन घोटाले पर माननीय सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया है। करण सिंह दलाल मानेसर जमीन घोटाले के विषय पर बात क्यों नहीं कर रहे हैं? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, आप प्लीज बैठिए। (शोर एवं व्यवधान)

Shri Kuldip Sharma: Speaker Sir that case cannot be referred into this House.

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मैंने दलाल साहब के संदर्भ में किए गए रैफरेंस को वापिस ले लिया है। अब कुलदीप जी को बार–बार सदन की कार्यवाही को बाधित नहीं करना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कुलदीप जी, माननीय मुख्यमंत्री महोदय तो व्यवहार की बात कर रहे हैं कि किस तरीके से निर्णय लिए जाते हैं। (शोर एवं व्यवधान) मुख्यमंत्री जी न आपके खिलाफ बोल रहे हैं और न ही किसी अन्य के खिलाफ बोल रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान) अतः आप प्लीज बैठिए।

कैप्टन अभिमन्युः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कुलदीप जी को कहना चाहूंगा कि सदन में दलाल जी के विरूद्ध जो केस पानीपत में जैविक खरीद के मामले में दर्ज किया गया था उस केस का नम्बर हम नहीं बतायेंगे और बिना नम्बर बताये ही सदन में बात कर ली जायेगी। (शोर एवं व्यवधान)

Shri Kuldeep Sharma: Speaker Sir, that case cannot be referred into this House. That once a judgement has been pronounced by the Hon'ble Supreme Court, then how can he refere it into this House.

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, अगर माननीय सदस्य को आपत्ति है तो मैं केवल पद्धति आधारित बात ही सदन में बताता हूँ और साथ ही यह भी बताता हूँ कि हमारी पार्टी, हमारी पार्टी के साथ से जुड़े उस व्यक्ति के खिलाफ भी कार्रवाई करने में गुरेज नहीं करती है जिसने गलत काम किया हो। अध्यक्ष महोदय, श्रीमती बबली शर्मा, उप–चेयरमैन जिला परिषद, पंचकुला के उपर यह आरोप लगा था कि उसने किसी दिव्यांग से पैसे ले लिए और जब बात आगे बढ़ी तो उसने बताया कि उसने अपना मकान बेचा है और इस बेचे गए मकान के बदले ही पैसे लिए हैं। बाद में यह विषय हमारी जानकारी में आया और फिर इस केस की जांच की गई। जांच करने के बाद लगा कि कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ जरूर है और इस प्रकार श्रीमती बबली शर्मा जोकि भारतीय जनता पार्टी की महिला मोर्चा से जुड़ी हुई थी, के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करने में हमने कोई हिचक नहीं की। अध्यक्ष महोदय, मैं हमारे विपक्ष के साथियों को आश्वस्त करना चाहूंगा कि यदि किसी केस की जांच के बाद ऐसे तथ्य उभरकर सामने आयेगे कि किसी ने गलत किया है तो उसको किसी भी सूरत में नहीं छोड़ेंगे और पंचकुला जिले के लोग इस बात के गवाह हैं और वह इस मामले में सरकार के द्वारा की गई कार्रवाई के बारे में अच्छी तरह से बता सकते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री करण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, सदन में बावल की अधिग्रहीत जमीन के बारे में भी बताया जाये? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आप विषय को डॉयवर्ट कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान) बात का विषय कुछ और है और आप अलग विषय पर बात कर रहे हैं? (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, जहां तक बावल की अधिग्रहीत जमीन की बात की गई है तो मैं मानता हूँ कि बावल की अधिग्रहीत जमीन को छोड़ा गया है लेकिन केवल और केवल किसानों के हित में छोड़ा गया है। अगर किसी को आपत्ति है तो वह आपत्ति दर्ज करवा सकता है। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, केवल आरोप लगाने से आरोप सिद्ध नहीं होते। करण सिंह दलाल ने आरोप लगाया और मैंने उसका जवाब दिया है कि बावल की जमीन किसानों के हित में छोड़ी गई है। अध्यक्ष महोदय, जब विषय आगे बढ़ जाता है तो इस अवस्था में निर्णय देने के लिए एक निर्णायक पीठ होती है जिसको हाइस्ट डिसीजन मेकिंग बाडी यानि सुप्रीम कोर्ट कहते हैं, और माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा जब कोई अंतिम निर्णय दे दिया जाता है तो उसके बाद किसी के द्वारा कोई आरोप लगाने का कोई औचित्य नहीं रह जाता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री असीम गोयल : अध्यक्ष महोदय, आज अखबारों में बिल्कुल साफ लिखा हुआ है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, उच्चतम न्यायालय ने मानेसर में जमीन अधिग्रहण के संबंध में फैसला सुनाया है कि किसानों की जमीनें हड़पने का डर दिखाकर बिल्डरों को फायदा पहुँचाने का काम किया गया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री करण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, सदन को गुमराह किया जा रहा है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, यह तो माननीय कोर्ट का निर्णय है, सरकार अपनी तरफ से कुछ भी नहीं कह रही है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, यह माननीय उच्चतम न्यायालय की जजमैंट है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री करण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, माननीय उच्चतम न्यायालय की जजमैंट में हुड्डा साहब का नाम नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, यह माननीय उच्चतम न्यायालय का निर्णय है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : ज्ञान चंद जी, आप अपनी सीट पर बैठ जायें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, जो माननीय उच्चतम न्यायालय की जजमैंट है, उसको मैं पढ़ रहा हूँ ।

श्री करण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, माननीय उच्चतम न्यायालय की जजमैंट को सदन में डिस्कस नहीं किया जा सकता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, सदन के नेता माननीय कोर्ट ने जो निर्णय दिया है उसको पढ़ रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, माननीय उच्चतम न्यायालय की जजमैंट इस तरह से यहां डिस्कस नहीं होनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, माननीय उच्चतम न्यायालय ने अपनी जजमैंट में जो निर्णय दिया है, उस जजमैंट का कुछ अंश मैं पढ़ रहा हूँ-

"Decision dated 24.8.2007 and 29.1.2010 referred to hereinabove set aside as being brought about by mala fide exercise of power.." (Interruption)

'Mala fide exercise of power ' के संबंध में जो जो भी उस समय मुख्यमंत्री था, उसी का ही नाम लिया जायेगा। पावर के संबंध में वहां के कसी विधायक, एम. पी. या मंत्री का तो नाम नहीं लेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, आप कौन सी रूलिंग के तहत माननीय उच्चतम न्यायालय की जजमैंट डिस्कस कर सकते हैं। (शोर एवं व्यवधान) It cannot be discussed here.

श्री अध्यक्ष : माननीय कोर्ट से डिसीजन आने के बाद ही सदन के नेता माननीय उच्चतम न्यायालय की जजमैंट को पढ़कर सदन में बता रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अभिमन्यु : अध्यक्ष महोदय, आज के विभिन्न अखबारों में क्लीयर लिखा है।

> "Manesar land deal: SC sets aside Hooda Govt.'s move to drop land acquisition plan"

यह आज के अखबार में लिखा है। आज के अखबार 'The Indian Express' में लिखा है–

"SC indicts Hooda Government, calls its decision 'clear case of fraud"

आज के अखबार में लिखा है, 'clear case of fraud'. आज के अखबार, 'The Times of India' में लिखा है–

"SC takes away Gurgaon land from builders, indicts Hooda"

आज के अखबार में लिखा है, 'indicts Hooda'. आज का अखबार, देश का अर्थ जगत का सबसे प्रतिष्ठित अबखबार, 'The Economic Times' में लिखा है–

"Hooda Govt. connived with Builders, middlemen to defraud farmers of Rs.1500 crore: Apex Court"

(Interruption)

श्री अध्यक्ष : यह दलाल साहब बतायेंगे कि 325 करोड़ रूपये में से 125–126 करोड़ रूपये कौन ले गया?

कैप्टन अभिमन्यु : अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी के सदस्यगण क्या अखबारों पर मानहानि का दावा करेंगे? अखबारों में 'हुड्डा' लिखा है। क्या ये अखबारों पर मानहानि का दावा करेंगे? (शोर एवं व्यवधान) अखबारों में 'हुड्डा' लिखा है, माननीय सुप्रीम कोर्ट का हवाला दिया है।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, आप स्वयं अखबार को पढ़ा रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, यह तो माननीय उच्चतम न्यायालय का निर्णय है। लेकिन हरियाणा सरकार ने तीन साल तक इस ऐवज में क्या किया है? (शोर एवं व्यवधान)

श्री जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, इस पूरे मैटर पर चर्चा होनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी को शर्म आनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, आगे जजमैंट में लिखा है कि–

> "In our considered view those decisions were clear case of fraud on power and as such are annulled."
>
> (Interruption)

यह माननीय कोर्ट ने कहा है। मैंने अपनी तरफ से कुछ नहीं कहा है। यानि स्पष्ट किया कि जो भी पिछली सरकार ने दिनांक 24.08.2007 को जमीन अधिग्रहण के दौरान जमीनें छोड़ने का निर्णय किया था, वह सरासर सत्ता का दुरूपयोग था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, जो बात माननीय उच्चतम न्यायालय ने कही है, वही बातें सदन के नेता सदन में कह रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, इस संबंध में हरियाणा सरकार ने तीन साल तक क्या कार्रवाई की, यह भी सदन को बताएं? भ्रष्टाचार का मुद्दा हमने सरकार को दिया था। हरियाणा सरकार ने इसमें क्या कार्रवाई की है? (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, आगे माननीय कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि बिचौलियों ने इसमें अहम भूमिका निभाई है, उसकी सी.बी.आई. जांच करें। अध्यक्ष महोदय मैंने दो दिन पहले सदन में कहा था कि हमने दलालों से छुटकारा पाया है। अध्यक्ष महोदय, दलाल का मतलब भाई करण सिंह दलाल से नहीं है बल्कि बिचौलियों से है। (हंसी) अब यह जांच सी.बी.आई. करेगी कि वो दलाल और बिचौलिएं कौन–कौन थे। जांच में सभी तथ्य निकल कर जनता के सामने आयेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री असीम गोयल : अध्यक्ष महोदय, यह बात माननीय उच्चतम न्यायालय ने कही है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री करण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, जिन दलालों ने बिचौलियों की भूमिका निभाई हैं वे केन्द्र सरकार में मंत्री बने बैठे हुए हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : असीम जी, आप अपनी सीट पर बैठ जायें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, मुझे अपनी बात पूरी करने दीजिए क्योंकि मैंने दो–तीन बातें और भी सदन में बतानी है। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, माननीय उच्चतम न्यायालय ने यह भी कहा है कि माननीय उच्च न्यायालय ढ़ींगरा कमीशन पर भी अपना फैसला दो महीने में दे। जिस ढ़ींगरा कमीशन की आपत्तियां कांग्रेस पार्टी के सदस्यों को है, उसका फैसला भी माननीय उच्च न्यायालय से दो महीने में आयेगा। दो महीने में फैसला आने के बाद कई चीजों का पटाक्षेप होगा इसलिए कांग्रेस पार्टी के सदस्यों को उसके लिए भी तैयार रहना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदन के नेता यह कैसे कह सकते हैं कि दो महीने में माननीय उच्च न्यायालय का फैसला आयेगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, यह बात मैं नहीं कह रहा हूँ बल्कि माननीय उच्चतम न्यायालय कह रहा है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कुलदीप जी, जब माननीय कोर्ट में केस लगा हुआ है तो उस पर फैसला तो आयेगा ही। (शोर एवं व्यवधान)

श्री जगबीर सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, माननीय कोर्ट के फैसले के बारे में पहले कैसे कह सकते हैं कि क्या फैसला आयेगा? (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, यह माननीय उच्चतम न्यायालय ने कहा है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मलिक साहब, यह माननीय कोर्ट का फैसला है। (शोर एवं व्यवधान) जगबीर मलिक जी, आप सदन के बहुत ही सीनियर नेता हो, इसलिए आप अपनी सीट पर बैठ जायें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्माः अध्यक्ष महोदय, देश की न्यायपालिका खतरे में है क्योंकि माननीय मुख्य मंत्री जी ने, माननीय कोर्ट में जिस केस का फैसला पैंडिंग चल रहा है, उस केस के बारे में माननीय कोर्ट का फैसला आने से पहले ही सरकार का फैसला सुना दिया है (विघ्न)।

श्री अध्यक्षः कुलदीप जी, प्लीज आप बैठ जाएं (विघ्न)।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि मैं तो सिर्फ माननीय कोर्ट के फैसले को सुना रहा हूं (विघ्न)।

श्रीमती गीता भुक्कलः अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी माननीय कोर्ट के फैसले पर टिप्पणी कर रहे हैं (विघ्न)।

श्री करण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी सुप्रीम कोर्ट के जिस फैसले की चर्चा शुरू कर रहे हैं (विघ्न)।

श्री अध्यक्षः करण सिंह जी, जो केस सब ज्यूडिश है उसके बारे में बात नहीं कर सकते हैं परन्तु जो फैसला माननीय सुप्रीम कोर्ट ने दे दिया है उसकी चर्चा मुख्यमंत्री जी कर रहे हैं (विघ्न)।

श्री ज्ञान चन्द गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि माननीय मुख्य मंत्री जी तो माननीय सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला किया है उसी फैसले को सुना रहे हैं। शायद माननीय सदस्यों ने अखबारों को नहीं पढ़ा होगा इसलिए माननीय सदस्यों को यह बात बताना जरूरी है। माननीय सुप्रीम कोर्ट का जो फैसला आया है वही फैसला सुनाया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बारे में ही मुख्य मंत्री जी जानकारी दे रहे हैं (शोर एवं व्यवधान)।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री (श्री कृष्ण कुमार बेदी): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि आज माननीय सदस्य श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के एगेंस्ट माननीय कोर्ट का फैसला आने के कारण 5 माननीय कांग्रेस के सदस्यों के घरों मे लड्डू बंट रहे हैं (विघ्न)।

श्री अध्यक्षः सभी माननीय सदस्यगण बैठ जाएं, माननीय मुख्य मंत्री जी अपनी बात पूरी कर रहे हैं (विध्न)।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने ऐसे ही 2 और मामलों की जांच सी.बी.आई. को देने का निश्चय किया है। मैं उन मामलों के बारे में भी सदन को अवगत करवाना चाहता हूं। पहला मामला रोहतक जिले से उदार गगन कम्पनी से जुड़ा हुआ था जिसमें माननीय उच्चतम न्यायालय ने सरकार को जांच के आदेश दिये हैं और सरकार ने इस मामले को भी सी.बी.आई. को भेजने का निर्णय किया है (विघ्न)।

श्री करण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि सी.बी.आई. तो सरकार का तोता है (विघ्न)।

कैप्टन अभिमन्युः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि कांग्रेस सरकार के टाईम पर माननीय सुप्रीम कोर्ट ने सी.बी.आई. को कांग्रेस सरकार का तोता कहा था (विघ्न)।

श्री कृष्ण कुमार बेदीः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के अगेंस्ट माननीय कोर्ट का फैसला आया है। इस फैसले के आने से श्री अशोक तंवर और कैप्टन अजय सिंह यादव के घर पर लड्डू बंट रहे हैं (विघ्न)।

श्री करण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, सी.बी.आई. तो सरकार का तोता है (विघ्न)।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी के माननीय सदस्य किसानों के हितों की बात कहते है। इन्होंने किसानों का कितना हित किया है और कितना उनके साथ अन्याय किया है इस बात की सच्चाई सी.बी.आई. की जांच होने के बाद जनता के सामने आ जाएगी (विघ्न)।

श्री करण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, सरकार ने बावल में 2600 एकड़ जमीन का सैक्शन 9 होने के बाद भी संबंधित जमीन को छोड़ दिया (विघ्न)।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, अगर सरकार के सामने तथ्य आएंगे तो उपरोक्त मामले की भी जांच करवाएंगे। माननीय कोर्ट के माध्यम से तथ्य आते ही सरकार जांच करवाएगी। अगर कोई तथ्य ही नहीं होगा तो हम कैसे जांच करवा सकते हैं?

कैप्टन अभिमन्युः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने रोहतक जिले के किसानों के साथ भेदभाव किया है (विघ्न)।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मैं जिन किसानों की जमीन की बात कर रहा हूं वे किसान रोहतक जिले के ही थे (विघ्न)। पिछली सरकार में ऐसा कोई सगा नहीं जिनको कांग्रेस सरकार ने ठगा नहीं (विघ्न)।

श्री करण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि बावल जमीन घोटाले के मामले में भारतीय जनता पार्टी के माननीय मंत्री और विधायक भी शामिल हैं (विघ्न)।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि एक जमीन का मामला सोनीपत जिले से भी जुड़ा हुआ है जो उच्चतम न्यायालय में विचारधीन है लेकिन उसमें भी सरकार ने सी.बी.आई. से जांच करवाने का फैसला किया है। इसलिए ये दोनों ही मामले सी.बी.आई. को जांच के लिए दिए जाएंगे (विघ्न)।

श्री करण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि हुड्डा जी को अगली बार हरियाणा का मुख्यमंत्री बनने से कोई नहीं रोक सकता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मैं आई.एन.एल.डी. के विधायकों से भी एक बात पूछना चाहता हूं कि कल तो ये बहुत हो–हल्ला कर रहे थे लेकिन आज जब कुछ लोग भ्रष्टाचारी के रूप में उजागर हो रहे हैं तो ये सब क्यों चुप–चाप बैठे हुए हैं, मुझे यह समझ नहीं आ रहा है? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः स्पीकर सर, मैं कहना चाहूंगा कि शोर–शराबे के कारण सदन का कीमती समय बर्बाद हो रहा है। अध्यक्ष महोदय, मुझे बहुत हैरानी हो रही है कि सत्तापक्ष के लोगों ने नारे लगाए, अखबार लहराएं और डिमांड की कि हुड्डा जी को गिरफ्तार किया जाए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैं अभय जी से पूछना चाहता हूं कि ये आज चुप क्यों हैं ?(शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं ज्ञान चंद गुप्ता जी को कहना चाहूंगा कि आज ये हमारी चुप्पी पर भी सवाल पूछ रहे हैं, मैं इन्हें उसका भी जवाब दूंगा। हम लोग तो इन दोनों पार्टियों का तमाशा देख रहे थे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री जाकिर हुसैनः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्यों को कहना चाहूंगा कि ये लोग अभय जी की बातें पहले सुन लें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि एक तरफ कांग्रेस पार्टी के लोग हैं जिन्होंने हरियाणा प्रदेश को लूटकर खाने का काम किया है और दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी के लोग हैं जिन्होंने हरियाणा प्रदेश का 4 साल का समय बर्बाद कर दिया है। अध्यक्ष महोदय, हमने माननीय मुख्यमंत्री जी को 400 पेज की चार्जशीट दी थी। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. पवन सैनीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि जिस पार्टी के लोग हरियाणा की जेलों के अंदर समय काट रहे हैं, वे हरियाणा की बर्बादी की बात कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि हमने मुख्यमंत्री जी को 400 पेज की चार्जशीट दी थी। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि वर्तमान सरकार का जो विधान सभा का पहला सत्र हुआ था, उस सत्र में मैंने माननीय मुख्यमंत्री जी को कहा था और मैंने उन्हें 400 पेज की चार्जशीट दी थी, जिसमें कांग्रेस सरकार ने 10 सालों में जो–जो गलत निर्णय किए, उन सभी को हमने तथ्यों के साथ इनको सौंपने का काम किया था और इनसे कहा भी था कि आप इसके ऊपर कार्रवाई करें, चाहे इसकी सी.बी.आई. से जांच करवाएं या फिर कोई न्यायिक जांच करवाएं। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने हमें आश्वस्त किया था कि हम इसकी जांच करवाएंगे।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बताना चाहूंगा कि हमने जांच करवाई तो है।

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को कहना चाहूंगा कि यह जांच इन्होंने नहीं, बल्कि यह सुप्रीम कोर्ट का फैसला है। अध्यक्ष महोदय, सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि इसमें जो लोग बिचौलिया हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ–साथ मैं मुख्यमंत्री जी को यह भी कहना चाहूंगा कि सरकार नें जो ढींगरा आयोग बनाया था, उस आयोग की रिपोर्ट को पहले ही सार्वजनिक करना चाहिए था, लेकिन इन्होंने उस आयोग की रिपोर्ट को रोककर रखा। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इन्होंने उन बिचौलियों को बचाने की कोशिश की है।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि हमने जब उस ढींगरा आयोग की रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखना चाहा तो उस से पहले ही एक कांग्रेस के मित्र हाईकोर्ट में चले गए और उसके बाद हाईकोर्ट ने उस पर स्टे लगा दिया था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री करण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी सदन को गुमराह कर रहे हैं। उस पर किसी तरह का स्टे नहीं है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, इस पर स्टे है । हाई कोर्ट में ढ़ींगरा कमीशन की रिपोर्ट पर यदि स्टे नहीं होता तो अब तक रिपोर्ट आ जाती । (शोर एवं व्यवधान) अब हाई कोर्ट को सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिए हैं कि दो महीने में निर्णय किया जाये । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इसमें सरकार की तरफ से कोई कोशिश नहीं की गई क्योंकि सरकार कार्रवाई ही नहीं करना चाहती थी । यदि सरकार कार्रवाई करती तो इस तरह से सुप्रीम कोर्ट को आदेश नहीं देने पड़ते । (शोर एवं व्यवधान) सुप्रीम कोर्ट के आदेश आने के बाद सरकार की आंख खुली है जबकि हमने यह सरकार बनते ही 400 पेज की चार्जशीट करीबन चार साल पहले दी थी जिसमें तथ्य दिये गये थे कि कांग्रेस सरकार ने अपने दस साल के कार्यकाल में प्रदेश के हर वर्ग को लूटने का काम किया था । (शोर एवं व्यवधान) हमने 400 पेज की चार्जशीट दी थी और अब मुख्यमंत्री जी खड़े होकर कह रहे हैं कि दो और अलग–अलग विषयों पर सी.बी.आई. से जांच करवायेंगे । हम चाहते हैं मुख्यमंत्री जी केवल दो विषयों पर सी.बी.आई. से जांच न कराकर सभी विषयों पर सी.बी.आई. से जांच करवायें । अध्यक्ष महोदय, जो हमने 400 पेज की चार्जशीट दी है उस पर हमारे हस्ताक्षर हैं, उसमें यदि हमने गलत आरोप लगाये हैं तो हमारे खिलाफ एफ. आई.आर. दर्ज करवाई जाये और यदि हम सही हैं तो जो दोषी हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जाये । भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने हमारी दी हुई चार्जशीट पर कार्रवाई न करके भूपेन्द्र सिंह हुड्डा और दूसरे लोगों को बचाने का कार्य किया है। कांग्रेस के दस साल के शासन काल में हरियाणा के हर वर्ग को लूटने का कार्य किया गया था । (शोर एवं व्यवधान) सुप्रीम कोर्ट के आदेश हैं इस पर भी सत्तापक्ष द्वारा यहां खड़े होकर अखबार लहराने से काम नहीं बनेगा । सरकार ने हरियाणा को लूटने वालों को बचाने का कार्य किया है इसके लिए इन्हें यहां माफी मांगनी चाहिए कि इनकी वजह से प्रदेश को लूटने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हो सकी । (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अभिमन्यु : अध्यक्ष महोदय, सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से किसानों की जमीन लूटने वालों को सजा हो रही है क्या सरकार इस बात के लिए माफी मांगे? (शोर एवं व्यवधान) ये किस बात के लिए कह रहे हैं कि सरकार माफी मांगे? (शोर एवं व्यवधान) सर्वोच्य न्यायलय ने यह बहुत ही महत्वपूर्ण फैसला दिया है और दोषियों को सजा देने का काम किया है । माफी तो नेता प्रतिपक्ष को मांगनी चाहिए जो ये

इस ऐतिहासिक फैसले पर कुछ नहीं बोल रहे और दोषियों का समर्थन कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि आज की एनाउंसमैंट से पहले ही हम ए.जी.एल. का केस, पंचकुला में हुडा के इण्डस्ट्रियल प्लॉट्स की अलोटमैंट का केस और मानेसर जमीन के घोटाले का केस सी.बी.आई. को दे चुके हैं । इस तरह से टोटल पांच केस हम सी.बी.आई. को दे चुके हैं । (शोर एवं व्यवधान) इसके अतिरिक्त जो दूसरे केस हैं उनके तथ्य हम जुटा रहे हैं और बहुत से केस पहले ही सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में चल रहे हैं। सरकार किसी दोषी को बचाना नहीं चाहती । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने जैसा कि अभी बताया इन्होंने पांच केस सी.बी.आई. को जांच के लिए दिए हैं । मैं मुख्यमंत्री जी के ध्यान में लाना चाहूंगा कि कुरूक्षेत्र में एक्वॉयरमैंट के 20 साल बाद जमीन रिलीज कर दी गई थी । उसके दस्तावेज भी हमने सरकार को मुहैया करवाये लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई । क्या उसकी जांच भी मुख्यमंत्री जी सी.बी.आई. से करवायेंगे ।

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, हम उसका भी अध्ययन कर रहे हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, कुरूक्षेत्र की इस जमीन घोटाले की जांच मुख्यमंत्री जी इसलिए नहीं करवाना चाहते क्योंकि उस जमीन पर भारतीय जनता पार्टी के लोगों ने बड़े–बड़े मॉल खड़े कर रखे हैं । भारतीय जनता पार्टी के लोगों ने ही उस जमीन पर अनएथोराईज्ड तरीके से बड़े–बड़े मॉल, शोरूम और दुकानें बना दी हैं जिनका कहीं से कोई लाईसैंस नहीं लिया गया । क्या मुख्यमंत्री जी उस जमीन की जांच भी सी.बी.आई. से करवायेंगे ? अध्यक्ष महोदय, जिन केसिज़ में सरकार के चहेतों ने अपनी जेबें भरने का काम किया है वहां पर कोई इन्क्वायरी नहीं हो रही है । इसी तरह से बहादुरगढ़ के अंदर पी.डब्ल्यू.डी. की जमीन के उपर कब्जा कर लिया गया और उसके साथ–साथ नगरपालिका की जमीन पर भी कब्जा कर लिया गया है जहां पर दुकानें बना दी गई हैं । जिन लोगों ने वहां जमीन पर कब्जा किया है उनके खिलाफ कार्रवाई करने की हमने मांग की थी लेकिन सरकार कार्रवाई करने के बजाय लोगों को पनाह देने का काम कर रही है। (शोर एवं व्यवधान) इसी तरह से कल भी मुख्यमंत्री जी ने सदन में

खड़े होकर एक दोषी व्यक्ति को क्लीन चिट दी है । (शोर एवं व्यवधान) किसी भी मुख्यमंत्री को यह अधिकार नहीं है कि बिना जांच के किसी दोषी को क्लीन चिट दी जाये । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अभय जी, मुख्यमंत्री जी ने किसी को क्लीन चिट नहीं दी है । उन्होंने इन्क्वायरी करवाने की बात कही है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, जो विषय कल हमारे माननीय साथी संधू साहब ने उठाया है उसकी जांच भी मुख्यमंत्री जी सी.बी.आई. से करवाने का आश्वासन दें । यदि मुख्यमंत्री जी उस घटना की सी.बी.आई. से जांच नहीं करवायेंगे तो इसका मतलब यही हुआ कि मुख्यमंत्री जी दोषियों को बचाने का काम कर रहे हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अभय जी, प्लीज आप बैठें । उसमें मुख्यमंत्री जी ने एक सैकेंड में जवाब दे दिया कि उसकी जांच करवाई जायेगी । (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, सुप्रीम कोर्ट के क्लीयर कट आर्डर हैं उसमें भी नेता विपक्ष को किस तरह की दिक्कत है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : प्लीज, आप सभी बैठें । अब वर्ष 2018–19 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा का पुनरारम्भ होगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी जवाब दें कि क्या कल वाले विषय की जांच भी सी.बी.आई. से करवाई जायेगी । (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अभिमन्यु : अध्यक्ष महोदय, नेता प्रतिपक्ष यह तो बतायें ये किस विषय पर क्या कहना चाहते हैं । (शोर एवं व्यवधान) ये कार्रवाई करवाना चाहते हैं या नहीं चाहते । (शोर एवं व्यवधान) कहीं इनका यू.पी. वाला एलायंस तो नहीं हो गया है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, पहले मुख्यमंत्री जी मेरी बात का जवाब दें । (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अभिमन्यु : अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस और इनैलो पार्टी की इस नई मिलीभगत के मायने क्या हैं ? (शोर एवं व्यवधान) माननीय सुप्रीम कोर्ट ने दोषियों को सजा

देने का निर्णय दिया है और नेता प्रतिपक्ष उस पर कोई बात नहीं कह रहे हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अभय चौटाला जी, प्लीज आप सभी बैठें । (शोर एवं व्यवधान) यदि किसी पर कोई आरोप लगता है तो उसको सजा इन्क्वायरी के बाद ही दी जाती है। (शोर एवं व्यवधान) किसी भी विषय पर पहले जांच होती है । मुख्यमंत्री जी ने एक सैकेंड में इन्क्वायरी की बात कबूल ली है । (शोर एवं व्यवधान) कांग्रेस और इनैलो पार्टी की सरकारें भी प्रदेश में रही हैं । क्या उस दौरान किसी पर आरोप लगें हों और इन्क्वायरी करवाने से पहले सीधी सजा दी गई हो ऐसा कोई उदाहरण है तो आप बतायें । (शोर एवं व्यवधान) संधू जी ऐसा नहीं है कि आपका चहेता प्रधान नहीं बना और दूसरे के खिलाफ आरोप लग गये हैं तो बिना इन्क्वायरी के ही सीधी सजा दे दी जाये । ऐसा कभी नहीं होता कि इन्क्वायरी से पहले ही सजा दे दी जाये । (शोर एवं व्यवधान) प्लीज, आप सभी बैठें । (शोर एवं व्यवधान) अब इस विषय पर कोई भी न बोलें । (शोर एवं व्यवधान) मुख्यमंत्री जी ने यह विषय क्लीयर कर दिया है । (शोर एवं व्यवधान) क्या विपक्ष के साथियों की बजट पर कोई तैयारी नहीं है इसलिए बेवजह का विषय यहां उठाया जा रहा है ? (शोर एवं व्यवधान) आप लोगों की सरकार भी काफी समय तक प्रदेश में रही हैं । आप लोग कोई तो ऐसा निर्णय दिखायें कि आरोप लगते ही पहले सजा दी गई हो और उसके बाद इन्क्वायरी करवाई गई हो । (शोर एवं व्यवधान) सभी सरकारें इसी प्रकार से निर्णय लेती हैं । (शोर एवं व्यवधान) मुख्यमंत्री जी ने इनैलो और कांग्रेस के समय के सारे निर्णय यहां बता दिए हैं । प्लीज, आप सभी बैठें । (शोर एवं व्यवधान) अब इस विषय पर कोई बात बाकी नहीं रह गई है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, मुझे कहा गया था कि महेन्द्र सिंह को प्रधान बनाया जायेगा । (शोर एवं व्यवधान) इसमें पैसे का लेन–देन हुआ है जो टेप में आया हुआ है इसलिए इसमें एफ.आई.आर. दर्ज होनी चाहिए । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : संधू साहब, आपका गुस्सा जायज है कि आपके सहयोगी को प्रधान नहीं बनाया गया । लेकिन इसके कारण किसी को सजा तो नहीं दी जा सकती । (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अभिमन्यु : अध्यक्ष महोदय, जिन लोगों ने प्रदेश के हर वर्ग को लूटा उनके खिलाफ देश की सबसे बड़ी अदालत का ऐतिहासिक फैसला आया है और दूध का दूध–पानी का पानी हो गया है । पिछली सरकार ने जो लूट की थी उस पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आया है जिसमें एक तरह से उस सरकार को फ्रॉड कहा गया है लेकिन नेता प्रतिपक्ष उस पर कोई चर्चा नहीं करना चाहते । इससे हमें बड़ी हैरानी हो रही है । (शोर एवं व्यवधान) पिछली सरकार के समय में हमारे प्रदेश का किसान लुटा और बर्बाद हुआ है और नेता प्रतिपक्ष उस पर चुप हैं । यह इनकी कौन सी दोस्ती कांग्रेस पार्टी के साथ हो गई है । इस बारे में ये सदन में जानकारी दें । (शोर एवं व्यवधान) सुप्रीम कोर्ट का बड़ा अच्छा डिसीजन आया है और विपक्ष के साथी उस पर चुप हैं और इनकी जुबान पर ताला लग गया है यह बात हमारी समझ से बाहर है । इनकी कांग्रेस से कौन सी दोस्ती हो गई है जो इस पर ये कुछ बोलना नहीं चाहते । (शोर एवं व्यवधान)

श्री नसीम अहमदः अध्यक्ष महोदय, पहले हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन का इस्तीफा लिया जाये उसके बाद इस मामले की जांच करवाई जाये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः नसीम जी, इसमें जो भी जायज था वह सरकार ने कर दिया है। मुख्यमंत्री जी की तरफ से जांच के आदेश दिये जा चुके हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चन्द गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, ये दोनों पार्टियां किसानों के नाम पर मगरमच्छ के आंसू बहाती हैं। (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अभिमन्युः अध्यक्ष महोदय, हमारे इंडियन नैशनल लोकदल के साथियों को समझ नहीं आ रहा है, इनको भूमिका समझ नहीं आ रही है कि इधर जायें या उधर जायें। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा विधान सभा के पहले सत्र में जब आपकी सरकार ने भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की बात की थी तो प्रदेश की जनता बहुत खुश हुई थी। जनता को महसूस हुआ था कि हमें एक ईमानदार मुख्यमंत्री मिले हैं। मैं यह जानना चाहता हूं कि जो आदमी 45 लाख रुपये खा गया क्या सरकार उसके खिलाफ भी कार्रवाई करेगी? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः जसविन्द्र जी, आप बैठिये मुख्यमंत्री जी आपकी बात का जवाब दे रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : अध्यक्ष महोदय, मैं तथ्यों की बात कर रहा था। मैं उन्हीं तथ्यों के आधार पर पुनः यह स्थापित करना चाहता हूं कि इस प्रकार के जितने भी बड़े केसिज होते हैं उसमें भी पहले जांच होती है। पहले भी इसी प्रकार का प्रोसीजर अपनाया जाता रहा है। मैं उसका एक और उदाहरण देना चाहता हूं। एक पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ एक आई.ए.एस. अधिकारी श्री संजीव कुमार ने उच्चतम न्यायालय में ... (विघ्न)

श्री करण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, उनको पूर्व मुख्यमंत्री नहीं आने वाले मुख्यमंत्री कहा जाये। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधूः अध्यक्ष महोदय, पहले कार्रवाई की जानी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः जसविन्द्र जी, फैसले तो कोर्ट ही करता है, सरकार नहीं करती है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मैं इन्हीं की बात का जवाब दे रहा हूं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः जसविन्द्र जी, आप बहुत ही सीनियर विधायक हैं, सदन के नेता जवाब दे रहे हैं इसलिए आप बैठ जायें। (शोर एवं व्यवधान)

12.00 बजे

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हम सदन के नेता से एक ही बात जानना चाहते हैं कि जो बात इन्होंने बारी–बारी कही कि हम इस केस की सी.बी.आई. से जांच करवाएंगे । मैं जानना चाहता हूं कि क्या आप उस पूरी 400 पेज की चार्जशीट की जांच करवाएंगे । (शोर एवं व्यवधान) दूसरी बात हम मुख्यमंत्री जी से यह जानना चाहते हैं कि क्या मुख्यमंत्री जी 45 लाख रूपये की रिश्वत का जो मामला ऑडियो के माध्यम से पूरे प्रदेश में दिखाया गया है, उसकी जांच भी सी.बी. आई. से करवाएंगे। (शोर एवं व्यवधान) आप यह फिजूल के कागज उठाने की बजाए हमारी बात का जवाब दें ।(शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अभिमन्यु : अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से हम इतना ही कहना चाहते हैं कि माननीय नेता प्रतिपक्ष ने यह 400 पेज की चार्जशीट का विषय कई बार उठाया है और बहुत गम्भीरता से उठाया है । हम मानकर चल रहे थे कि ये इस पूरी चार्जशीट के मुद्दे पर गम्भीर हैं । सदन के नेता मुख्यमंत्री जी ने सदन के पटल पर बार–बार उनकी बात का उत्तर देते हुए उनको भरोसा दिलाया है कि हम एक–एक लाईन को पढ़कर जिम्मेदारी पूर्ण तरीके से, द्वेष पूर्ण भावना से ऊपर उठकर किसी के राजनीतिक विरोध के कारण से नहीं बल्कि ईमानदारी से जांच करवाकर कार्यवाही करेंगे । आज उसी मामले की जांच होने के बाद ही सुप्रीम कोर्ट का इतना बड़ा फैसला आया है । अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से नेता प्रतिपक्ष से यह कहना चाहता हूं कि आज सुप्रीम कोर्ट का जो इतना बड़ा फैसला आया है वह फैसला देश के किसानों की चिन्ता करते हुए लिया गया है । आज ऐसा क्या कारण है कि ये लोग उस पर बात भी नहीं करना चाहते हैं । आज इनकी यह नई–नई कौन सी जुगलबन्दी हो रही है । ये किसान की परवाह नहीं कर रहे हैं । आज ये किसान की चिन्ता नहीं कर रहे हैं । किसान लुट गया लेकिन ये किसान की बात नहीं कर रहे हैं । आज ये लोग उन लोगों को बचाने का काम कर रहे हैं जो दोषी करार दिये गये हैं इसलिए आज ये लोग सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर चर्चा नहीं कर रहे हैं । (शोर एवं व्यवधान) ये इस बात को स्पष्ट करें कि ये आज उन दोषियों को क्यों बचाना चाहते हैं । ये लोग केवल मात्र बातों की जलेबी बनाना चाहते हैं । आज जो सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया है ये उसको गोलमोल क्यों कर रहे हैं ? क्या इनका कोई गठबन्धन हो गया है जिसके कारण ये ऐसा कर रहे हैं । इनकी यह क्या सौदे बाजी है ? इनका आपस में क्या लेना–देना हो गया है । इसका खुलासा किया जाए । (शोर एवं व्यवधान)

श्री जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, हम आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से पूछना चाहते हैं कि क्या आप इस मामले की इन्कवायरी करवाएंगे ? अध्यक्ष महोदय, हम मुख्यमंत्री जी की किसी बात से संतुष्ट नहीं हैं और आगे से मुख्यमंत्री जी इस बात का भी दावा न करें कि हम हरियाणा में भ्रष्टाचार मुक्त जीरोटॉलरेंस की सरकार देने का प्रयास करेंगे । ऐसे मामलों में यह सरकार भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का काम कर रही है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मैं समझता था कि हमारे मुख्य विपक्षी दल के सभी सदस्य एक ही विषय पर बात रखते हैं लेकिन सदन में जो कुछ इनकी तरफ

से देखने को मिल रहा है इससे ऐसा लगता है नेता प्रतिपक्ष किसी अलग विषय पर बात रख रहे हैं और इनकी पार्टी के उप नेता सरदार जसविन्द्र सिंह संधू, किसी अलग विषय पर बात रख रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, विषय की बात नहीं है बल्कि सदन में कल जो भ्रष्टाचार की घटना की बात की गई थी, हमारी पार्टी उस घटना के उपर बात करना चाहती है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभय जी, आप, आपकी पार्टी की तरफ से दी गई 400 पेज की चार्जशीट पर जवाब मांग रहे हो जबकि सरदार जसविन्द्र सिंह संधू किसी अलग विषय पर जवाब मांग रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान) यही बात मुख्यमंत्री कहना चाह रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, यद्यपि दो अलग–अलग विषयों पर बात की जा रही है लेकिन बावजूद इसके मैं अभय जी और सरदार जसविन्द्र सिंह संधू द्वारा पूछे जाने वाले दोनों विषयों का जवाब दूंगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधूः अध्यक्ष महोदय, (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभय जी और जसविन्द्र जी, माननीय मुख्यमंत्री जी आप दोनों के अलग–अलग विषयों पर जवाब देना चाह रहे हैं, अतः आपको मुख्यमंत्री जी की बात को सुनना चाहिए।(शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधूः अध्यक्ष महोदय, हमें उम्मीद थी कि इस तरह के केसिज की जांच करके दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी लेकिन आज चार वर्ष हो गए हैं लेकिन अभी तक सरकार ने कांग्रेस के विरूद्ध कुछ नहीं किया? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः जसविन्द्र जी, आपको इस हाऊस में चुनकर आते हुए 20 वर्ष का लंबा समय बीत चुका है और आपने भी ऐसी बातें सुनी ही होंगी, सब सुनते हैं, अतः आप प्लीज बैठिए। (शोर एवं व्यवधान) सदन के नेता, आपकी और अभय जी की बात का जवाब देने जा रहे हैं, अतः आपको उनकी बात सुननी चाहिए।(शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हम कल से सदन में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बात उठाते आ रहे हैं, अतः अनुरोध है कि इस भ्रष्टाचार के मुद्दे पर पहले जवाब दिया जाये?(शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मैं किस मुद्दे पर पहले जवाब दूं या किस मुद्दे पर बाद में जवाब दूंगा यह मेरा विवेकाधिकार है लेकिन मैं मेरे विपक्ष के साथियों को यह जरूर आश्वस्त करना चाहूंगा कि मैं दोनों ही विषयों पर जवाब जरूर दूंगा। (शोर एवं व्यवधान)

वित्त मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु): अध्यक्ष महोदय, आज यह मानेसर घोटाले में जो सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया है उसकी बात यह लोग नहीं कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान) ऐसा क्या सौदा हो गया है कि आज ये इतने महत्वपूर्ण निर्णय पर सदन में बात नहीं करना चाह रहे हैं? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं जिस मुद्दे पर चर्चा की बात कर रहा हूँ, वह आपको समझ लेना चाहिए? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभय जी, आपने जो एक शब्द में बात कही थी वह सारे सदन को समझ में आ गई है कि आप क्या चाह रहे हैं और माननीय मुख्यमंत्री जी उसी बात का जवाब दे रहे हैं, आपको उनकी बात को सुनना चाहिए? (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, आज हमारे नेता प्रतिपक्ष दो नावों के बीच उलझ गए हैं और सबसे अजीब बात यह भी देखने को मिल रही है कि दूसरा विपक्षी दल कांग्रेस भी इन्हीं की जुबान में जुबान मिलाकर बात कर रहा है। (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अभिमन्युः अध्यक्ष महोदय, लगता है कि इन दोनों विपक्षी दलों के बीच सौदा हो गया है? (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, इन दोनों विपक्षी दलों में सौदा हो गया है इसीलिए आज यह दोनों मिलकर एक ही बात कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, माननीय मुख्यमंत्री जी जवाब देना चाह रहे हैं, अतः आप प्लीज बैठिए।(शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, जैसाकि नेता प्रतिपक्ष की तरफ से 400 पेज की चार्जशीट देने की बात की जा रही है, अगर ये इस संबंध में इतने ही गंभीर होते

तो इनको पता होना चाहिए था कि यह चार्जशीट 400 पेज की नहीं बल्कि 290 पेज की है। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधूः अध्यक्ष महोदय, इस चार्जशीट में पेज तो 400 ही थे अगर 290 पेज बचे हैं तो इसका मतलब बाकी पेज निकाल दिए गए हैं। (शोर एवं व्यवधान) भारतीय जनता पार्टी की सरकार को बने लगभग 4 साल हो गए हैं लेकिन इन्होंने आज तक कांग्रेस के खिलाफ कुछ नहीं किया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मैं एक चीज सदन के माध्यम से साफ कर देना चाहूंगा कि हमारी सरकारी किसी भी विपक्षी दल के प्रति बदले या राजनीतिक द्वेष की भावना से कोई फैसला नहीं करती है। हमारी सरकार हर मुद्दे पर जो भी जांच चल रही है और जांच के बाद जो भी तथ्य सामने निकलकर आते हैं और जो भी गंभीरता ध्यान में आती है केवल उसी हिसाब से निर्णय करती है। विपक्ष का एक सुझाव हो सकता है या यूं कहें कि एक मांग हो सकती है लेकिन निर्णय करने का काम इनका नहीं है (शोर एवं व्यवधान) निर्णय करना सरकार का काम है और जो बिल्कुल उचित होगा सरकार वही निर्णय करेगी । उनमें से हमने कुल 5 केस जांच के लए सीधे–सीधे सी.बी.आई. को दिए हैं । उनमें से अभी भी कई मामले हाई कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट और विजीलैंस में चल रहे हैं । हमारे पास इन केसिज की जैसे–जैसे रिपोर्ट आएगी हम उन रिपोर्ट्स के आधार पर इन केसिज को सी.बी.आई. को जांच के लिए देंगे । इतिहास ऐसे विषयों से भरा पड़ा है जिनमें सी.बी.आई. को जांच के लिए केसिज भेजे गये और सी.बी.आई. ने उनमें तथ्यों की कमी का हवाला देकर जांच करने से मना कर दिया । उसके बाद अगर सी.बी.आई. द्वारा उन केसिज में जांच करवाने के लिए कोर्ट में याचिका लगाई गई तो कोर्ट ने भी इससे मना कर दिया । अतः हम ऐसे किसी भी केस को सी.बी.आई. को नहीं देना चाहते जिसमें तथ्य न हो । चार्जशीट देना एक अलग विषय है । इस पर जांच आगे बढ़ाना सरकार का काम है और सरकार जांच आगे बढ़ाएगी । मैं इस बात की पुष्टि के लिए एक उदाहरण देना चाहूंगा । इस से आई.एन.एल.डी. के मित्रों को तकलीफ हो सकती है और इसमें हमारे एक कांग्रेस के साथी की भी जुबान फिसली थी । संजीव कुमार, आई.ए.एस. ने जे.बी.टी. भर्ती मामले में चौटाला साहब और अन्य व्यक्तियों के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की थी । इसके बाद इस पूरे मामले की जांच हुई थी और उसके बाद अभियोग अंकित किया गया

था । एफ.आई.आर. इसके बाद दर्ज हुई थी । अतः इस बात को ध्यान में रखा जाना चाहिए । अगर जांच में कुछ तथ्य पाए जाएंगे तो अभियोग भी दर्ज किया जाएगा और एफ.आई.आर. भी लिखी जाएगी । (विघ्न) अतः जांच होने के बाद ही एक्शन होगा । अगर पूरी जांच होने से पहले हम कोई ऐसी कार्रवाई कर दें जिससे बाद में हमें अपने कदम वापिस खींचने पड़े तो यह हमारे लिए संभव नहीं है । हमने इस मामले की जांच डी.जी., विजीलैंस को सौंपी है । यह मामला रिश्वत के लेन–देन का है । इस तरह के मामलों की जांच करने के लिए राज्य स्तर पर इससे ऊपर कोई अथॉरिटी नहीं है । इस मामले की रिपोर्ट हमारे पास एक महीने में आयेगी । रिपोर्ट में जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी ।

हिमाचल विधि महाविद्यालय काला आम्ब के अध्यापकों एवं विद्यार्थियों, असंध, करनाल की नगर पालिका के सभापति तथा पार्षदों तथा सरपंच संघ के अध्यक्ष और निसिंग ब्लॉक के अन्य सरपंचों का अभिनन्दन

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, हिमाचल कॉलेज ऑफ लॉ, काला आम्ब के विद्यार्थी और उनके अध्यापकगण सदन की दर्शक दीर्घा में उपस्थित हैं । हम उनका स्वागत करते हैं । चेयरमैन एण्ड काउंसलर ऑफ म्युनिसिपल कमेटी असंध, करनाल और निसिंग ब्लॉक के सरपंच एशोसिएशन के प्रधान एवं कुछ अन्य सरपंच आज सदन की कार्यवाही देखने के लिए दर्शक दीर्घा में बैठे हैं । मैं सदन की तरफ से इन सभी का अभिनन्दन करता हूँ । (विघ्न)

विभिन्न मामले उठाना/बैठक का स्थगन (पुनरारम्भ)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष जी, चेयरमैन बनाने के लिए पैसों के लेन–देन के मामले में आज माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने जो जवाब दिया है हम उससे संतुष्ट नहीं है । (विघ्न) हम उससे इसलिए संतुष्ट नहीं हैं क्योंकि इसी इशू पर सदन के नेता ने कल हाउस में यह बात कही थी कि जिस व्यक्ति के खिलाफ ये आरोप लगाए जा रहे हैं उस पर एच.एस.एस.सी. के चेयरमैन के तीन साल के कार्यकाल के दौरान किसी ने उंगली भी नहीं उठाई है । उन्होंने कहा कि इस तरह से वह व्यक्ति इस मामले में दोषी नहीं हो सकता । यह बात कहकर माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने तो उनको कल ही क्लीनचिट दे दी थी । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : अभय सिंह जी, कल आपने माननीय मुख्य मंत्री महोदय से कहा कि वह व्यक्ति हरियाणा में ऐसी जगह पर बैठा है जहां से युवाओं को सरकारी नौकरी दी जाती है और वहां पर उन्होंने भ्रष्टाचार किया है । इस बात के जवाब में

माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने कहा था कि उनके 3 साल के कार्यकाल के दौरान मेरे पास इस तरह की कोई शिकायत नहीं आई है । अतः माननीय मुख्य मंत्री महोदय के इस कथन का भावार्थ और पृष्ठभूमि से स्पष्ट है कि उन्होंने यह जवाब किस परिपेक्ष्य में दिया था । (शोर एवं व्यवधान) माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने आपके और कांग्रेस के कार्यकाल में हुए इस तरह के सभी मामलों की जानकारी भी सदन में दी है । इस तरह के केसिज में सभी सरकारों ने इसी तरह से ही निर्णय किये हैं । किसी भी व्यक्ति को जांच होने से पहले सजा नहीं दी जा सकती । आप चाह रहे हैं कि उनको सजा पहले दे दी जाए और इंकवायरी बाद में की जाए लेकिन ऐसा नहीं हो सकता । (विघ्न)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री महोदय जी कह रहे हैं कि हम इस मामले की पहले इंक्वायरी करवायेंगे । मेरा कहना है कि माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने तो उनको इंक्वायरी करने से पहले ही क्लीनचिट दे दी है । (विघ्न) अगर उन्हें इस केस की निष्पक्ष इंकवायरी ही करवानी थी तो उन्हें सदन में कल ही कहना चाहिए था कि हम इस केस की विजीलैंस इंक्वायरी करवायेंगे । (शोर एवं व्यवधान) इसके अतिरिक्त मेरा कहना है कि इस इंक्वायरी का कार्यभार भी उन लोगों को सौंपा गया है जो माननीय मुख्य मंत्री महोदय के अधीन काम करते हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चन्द गुप्ता : आदरणीय अध्यक्ष जी, ... (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : आदरणीय अध्यक्ष जी, यह व्यक्ति जो हाउस में खड़ा है

****** हमारी पार्टी के सदस्य ने इन पर आरोप लगाए हुए हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अभी माननीय सदस्य अभय सिंह जी ने माननीय सदस्य श्री ज्ञान चन्द गुप्ता के खिलाफ जो अपमानजनक शब्द कहे हैं उनको सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाए । अभय सिंह जी, आप इस महान सदन के प्रतिपक्ष के नेता अतः आपको अपने पद की गरिमा के अनुसार व्यवहार करना चाहिए । आप इस तरह से सदन में अमर्यादित व्यवहार न करें । जब हमें आपके शब्द सदन की

***चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।**

कार्यवाही से निकलवाने पड़ते हैं तो हमें भी बहुत ज्यादा दिक्कत होती है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : आदरणीय अध्यक्ष जी, हम इस समय विपक्ष में बैठे हैं । विपक्ष का काम यह है कि हम सरकार से जवाब लें कि जिस व्यक्ति पर आरोप लगे हैं उसके खिलाफ सरकार क्या कार्रवाई करेगी । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अभय सिंह जी, सरकार अपना जवाब दे चुकी है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चन्द गुप्ता : आदरणीय अध्यक्ष जी, आई.एन.एल.डी. के सदस्य ने मुझ पर जो आरोप लगाए हैं उनकी विधान सभा की प्रिविलेजिज कमेटी जांच कर रही है । इस कमेटी की रिपोर्ट सदन में प्रस्तुत हो जाएगी । यह कमेटी इस ऑनरेबल हाउस ने बनाई है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अभय सिंह जी, मुझे लगता है कि आपने इरादा कर लिया है कि आज आप बजट पर चर्चा नहीं होने दोगे ।

श्री अभय सिंह चौटाला : आदरणीय अध्यक्ष जी, बजट पर चर्चा करने से पहले हमें हमारे सवाल का जवाब मिलना चाहिए । (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय नेता प्रतिपक्ष श्री अभय सिंह चौटाला और माननीय सदस्य सरदार जसविन्द्र सिंह संधू सदन की वैल में आ गये और श्री अध्यक्ष से तर्क–वितर्क करने लगे।)

श्री अध्यक्ष : अभय सिंह जी, आपने आरोप लगाया था कि वह व्यक्ति ऐसी जगह पर बैठा है जहां से हजारों नौकरियां दी जाती हैं । (शोर एवं व्यवधान) माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने इस मामले में किसी को कोई क्लीनचिट नहीं दी है । उन्होंने तो यह कहा है कि इस पूरे मामले की हम जांच करवायेंगे । (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अभिमन्यु : आदरणीय अध्यक्ष जी, इस सारे प्रकरण को जनता देख रही है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अभय सिंह जी, मैं किसी को बचा नहीं रहा हूं । मैं तो सदन में बजट पर चर्चा करने के लिए कह रहा हूं । जब इस मामले पर माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने सारी बात क्लीयर कर दी है तो मेरा कहना यही है कि अब आपको बजट पर चर्चा करनी चाहिए । (शोर एवं व्यवधान) आपकी पार्टी और कांग्रेस पार्टी के सदस्य बजट पर बोलना चाहते हैं । वह एक बड़ा इम्पोर्टेंट इशू है । आप बजट पर चर्चा न करके एक छोटी–सी बात पर रूके हुए हो । आपकी तो प्रदेश के हित में सोचने के लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी है । (शोर एवं व्यवधान) **(इस समय आई.एन.एल.डी. के सदन में उपस्थित सदस्यों ने सदन में नारेबाजी शुरू कर दी ।)**

अभय सिंह जी, बजट पर चर्चा बहुत इम्पोर्टेंट होती है । अगर विपक्ष का नेता बजट पर चर्चा नहीं करेगा

और बजट बगैर चर्चा के ही पास हो जाएगा ..... (शोर एवं व्यवधान) जब सदन की इस कार्यवाही का प्रदेश के लोगों को पता चलेगा तो वे बड़े आश्चर्यचकित होंगे । आप नेता प्रतिपक्ष हैं । अगर आप ही बजट पर चर्चा नहीं करोगे तो कैसे चलेगा ? (शोर एवं व्यवधान) आप चाहे सदन की कार्यवाही निकलवाकर देख लीजिए यह बात किसी ने नहीं कही है कि हमने जांच करवा ली है ।

(इस समय आई.एन.एल.डी. के कई सदस्य सदन की वैल में आ गये ।) (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : आदरणीय अध्यक्ष जी, यह बात आज के अखबार में भी आई हुई है । मैं आपकी पुष्टि के लिए आपको अखबार दिखा देता हूं । (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय नेता प्रतिपक्ष अभय सिंह चौटाला द्वारा एक अखबार श्री अध्यक्ष को दिखाया गया ।)

श्री अध्यक्ष : अभय सिंह जी, आप अखबार की बात छोड़िये । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : आदरणीय अध्यक्ष जी, कुछ समय पहले आप भी तो अखबार में आई हुई खबर के आधार पर बात कर रहे थे । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अभय सिंह जी, वह ऑनरेबल कोर्ट का फैसला था । (शोर एवं व्यवधान) जब सदन की इस कार्यवाही को कोई पढ़ेगा तो वह बड़ा हैरान होगा कि बजट पर कोई चर्चा ही नहीं की गई । (शोर एवं व्यवधान)

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री (श्री कृष्ण कुमार बेदी): अध्यक्ष महोदय, इन्होंने 3 चुनाव देख लिए हैं और कितनी बार जनता फैसला करेगी (विघ्न)।

श्री अध्यक्षः अभय सिंह जी, आप जिस विषय की बात कर रहे हैं उस मामले में माननीय मुख्य मंत्री ने जांच के आदेश दे दिये हैं। माननीय सदस्य जो अखबार लिए हुए हैं उन अखबारों में तो माननीय सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया है (विघ्न)। सरकार सभी विषयों की सी.बी.आई. जांच नहीं करवा सकती। कौन सी पार्टी सरकार बनाएगी इसका फैसला तो प्रदेश की अढाई करोड़ जनता करती है। (विघ्न) इसलिए कौन अच्छा है कौन बुरा है यह हमारे और आपके कहने से सिद्ध नहीं हो सकता है यह फैसला तो प्रदेश की जनता करती है यह फैसला राजनीतिक पार्टियां नहीं कर सकती हैं।

सरदार जसविन्द्र सिंह संधूः अध्यक्ष महोदय, हमने जो भ्रष्टाचार का मामला उठाया था उस मामले की भी सी.बी.आई. जांच करवायी जाए (विघ्न)।

श्री अध्यक्षः संधू जी, संबंधित मामले में विजीलैंस जांच के आदेश दे दिये गये हैं। आप अभी तक एक ऐसा उदाहरण दिखाएं जिसमें पहले सजा हुई हो और बाद में जांच की गयी हो। माननीय मुख्य मंत्री जी ने कह दिया था कि मामले की जांच होने के बाद ही एफ.आई.आर. दर्ज करवाई जाएगी (विघ्न)।

श्री कृष्ण कुमार बेदीः अध्यक्ष महोदय, क्या विपक्ष द्वारा उठाया गया रिश्वत वाला मामला माननीय श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के मामले से भी बड़ा मामला है (विघ्न) ?

कैप्टन अभिमन्युः अध्यक्ष महोदय, माननीय विपक्ष के नेता श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की ढाल बन रहे हैं (विघ्न)।

श्री अध्यक्षः अभय सिंह जी, माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा है कि नौकरियों के मामले में कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ है उसी के बारे में क्लीन चिट दी है (विघ्न)।

श्री ज्ञान चन्द गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात भी सुन लें। क्या केवल एक ही पक्ष की बात सनेंगे (विघ्न) ?

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आप कह रहे हैं कि पहले जांच करवाई जाएगी उसके बाद एफ.आई.आर. दर्ज करवाई जाएगी। लेकिन आप एक तरफ तो क्लीन चिट दे रहे हैं। यह प्रोसिडिंग में लिखा हुआ है कि तीन साल में नौकरियों के मामले में कोई भ्रष्टाचार नहीं किया है (विघ्न)।

श्री अध्यक्षः अभय सिंह जी, सरकार द्वारा कोई क्लीन चिट नहीं दी गयी है बल्कि माननीय मुख्य मंत्री जी ने तो यह कहा था कि तीन साल में नौकरियां देने के बारे में कोई कम्पलेंट नहीं हुई है (विघ्न)।

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष जी, सरकार द्वारा क्लीन चिट देने के बाद आप कह रहे हैं कि संबंधित मामले की जांच विजीलैंस द्वारा करवायी जा रही है (विघ्न)।

श्री अध्यक्षः अभय सिंह जी, अगर देश का कोई मामला होगा तो उसकी जांच अमेरिका में नहीं करवायी जाएगी बल्कि जांच तो अपने स्टेट/देश में ही करवायी जाएगी। अभी माननीय सदस्य करण सिंह जी ने कहा है कि सी.बी.आई. तो सरकार का तोता है (विघ्न)। अभय सिंह जी, आप स्टेट के सिस्टम के प्रति अविश्वास प्रकट

कर रहे हैं (विघ्न)। इससे तो ब्यूरोक्रैसी का मनोबल डाउन हो जाएगा कि वे जांच नहीं कर सकते हैं। (विघ्न) हमें स्टेट के अधिकारियों पर विश्वास करके उनके साथ काम करना चाहिए। अगर कोई भ्रष्टाचार की बात आएगी तो सरकार उस मामले की जांच करवाएगी (विघ्न)।

श्री कृष्ण कुमार बेदी: अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के माननीय सदस्यगण श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा को गार्ड कर रहे है और किसानों के साथ धोखा कर रहे हैं (विघ्न)।

श्री अभय सिंह चौटाला: अध्यक्ष महोदय, अगर सरकार ने भ्रष्टाचार के मामले में क्लीन चिट दे दी है तो फिर जांच करवाने का क्या औचित्य रह जाता है (विघ्न) ?

श्री अध्यक्षः अभय सिंह जी, मैं इस बात को कार्यवाही से निकालकर आपको दिखा सकता हूं कि सरकार ने कोई क्लीन चिट नहीं दी है। आप इस विषय को छोड़कर दूसरे विषय पर चर्चा शुरू करें।

श्री अभय सिंह चौटाला: अध्यक्ष महोदय, ठीक है, आप हाउस की कार्यवाही निकलवाकर वह बात दिखा दें। (विघ्न)। अध्यक्ष महोदय, मैं चाहता हूं कि आप सबसे पहले हाउस को एडजर्न करके कल की प्रोसीडिंग्ज को निकलवा लें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को कहना चाहूंगा कि कल की प्रोसीडिंग्ज ये बाद में देख लें, उससे पहले ये मेरी बात सुन लें। अध्यक्ष महोदय, मैं ने जो कल कहा था उस बात को मैं फिर से दोहरा देता हूं। मैंने कल पहली बात यह कही थी कि उस ऑडियो में जो भी कन्वर्सेशन थी, उसमें एच.एस.एस.सी. के चेयरमैन का नाम नहीं, बल्कि उनके बेटे का नाम था। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविंद्र सिंह संधूः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से कहना चाहूंगा कि अगर उस ऑडियो में एच.एस.एस.सी. के चेयरमैन के बेटे का नाम है तो उसे अरैस्ट किया जाना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण कुमार बेदीः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य जसविंद्र जी से पूछना चाहता हूं कि क्या इनके बेटे को अरैस्ट किया गया था? (शोर एवंव्यवधान)

श्री अध्यक्षः जसविंद्र जी, आप अपनी सीट पर बैठ जाएं।(शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण कुमार बेदीः अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूंगा कि जब एम.सी. का चुनाव हुआ था तो उस समय कुछ घोटालों के कारण जसविंद्र जी के बेटे के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करने के लिए मांग की गई थी, लेकिन इन्होंने खुद बोला था कि पहले जांच करवाई जाए, उसके बाद ही एफ.आई.आर. दर्ज करवाई जाए। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य अपने बेटे को बचाने के लिए हमेशा कोशिश करते रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि क्या उस समय इनके बेटे के खिलाफ जांच पहले हुई थी या एफ.आई.आर. पहले दर्ज हुई थी? (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, आज ये हुड्डा जी को बचाने के लिए तैयार हैं। जब मुख्यमंत्री जी ने कह दिया है कि उसकी जांच करवाई जाएगी तो फिर ये मान क्यों नहीं रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अब सदन 15 मिनट के लिए स्थगित किया जाता है।

***12:26** **(*The Sabha then adjourned at 12:26 P.M. and re-assembled at 12:41P.M.)**

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, सदन की कार्यवाही दोबारा 15 मिनट के लिए स्थगित' की जाती है।

*12.41 **(*The Sabha then adjourned at 12:41 P.M. and re-assembled at 12:56P.M.)**

सदस्यों का नाम लेना

श्री अध्यक्ष : जसविन्द्र सिंह जी, आपके नेता श्री अभय सिंह चौटाला जी द्वारा हाउस को एडजर्न करने से पहले मुख्यमंत्री जी के द्वारा कल आपकी पार्टी द्वारा उठाये गये मामले पर जो वक्तव्य दिये गये थे, उनकी जानकारी सदन में देने की मांग की थी। मैं आपकी इसी मांग के तहत कल मुख्यमंत्री जी द्वारा इस विषय पर सदन में दिये गये वक्तव्य आपको सदन की कल की कार्यवाही में से पढ़कर सुनाता हूं। मुख्यमंत्री जी ने कल यह कहा था कि –

XXXश्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, संधू साहब को मेरी बात सुननी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान) मेरे साथी लोकल राजनीति के

शिकार हैं । लोकल राजनीति के बारे में यहां विचार नहीं करना चाहिए। वास्तव में जो टेप है उसमें तीन लोगों के बीच बात–चीत है जिनकी लोकल राजनीति है और उनके साथ संधू साहब जुड़ रहे हैं । हमें यहां लोकल राजनीति से उपर उठकर बात करनी चाहिए। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के साथी मेरी बात सुनें। दोनों टेप्स कंट्राडिक्टरी है इसलिए दोनों टेप्स की जांच करानी जरूरी है और उन दोनों टेप्स की जांच कराने की बात मैंने स्वीकारी है। हम इस रिश्वत के विषय को हमारी बड़ी से बड़ी एजैंसी से जांच करायेंगे और दोषी पाने पर एफ.आई.आर. भी दर्ज होगी और उचित कार्रवाई भी होगी । मैं यही कहना चाहता हूं कि इस विषय को यदि हम सिस्टम से आगे बढ़ायेंगे तो कार्रवाई होगी । (शोर एवं व्यवधान) **XXX**

उन्होंने यह भी कहा था कि–

XXX अध्यक्ष महोदय, मैंने यह कहा है कि दोनों टेप्स कंट्राडिक्टरी हैं। मैंने पैसे के लेन–देन की बात नहीं मानी है। (शोर एवं व्यवधान) मेरे साथी इस तरह से गलत राजनैतिक पक्ष न लें । ऐसा करना निंदनीय है। (शोर एवं व्यवधान) इस तरह से बिना तथ्यों के सदन में बैठकर राजनीति करना और बाहर जाकर कहना कि हमने फलां विषय उठा दिया, ऐसा करना गलत है । (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं फिर कहना चाहता हूं कि इस केस की हम जांच करायेंगे और इसमें यदि कोई दोषी होगा तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी । (शोर एवं व्यवधान) इस तरह से लोकल राजनीति की बात यहां करना गलत है । (शोर एवं व्यवधान) **XXX** अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य लोकल राजनीति का विषय उठा रहे हैं । मैं पहले भी कह चुका हूं कि लोकल राजनीति पर यहां चर्चा करने की आवश्यकता नहीं है । हमने इस विषय पर जांच कराने का आश्वासन दे दिया है । (शोर एवं व्यवधान) **XXX** अध्यक्ष महोदय, हमारा तीन साल का अनुभव है जिसमें स्टाफ सेलेक्शन कमीशन के बारे में किसी तरह की कोई शिकायत हमें नहीं मिली है । उसके चेयरमैन ईमानदारी से काम कर रहे हैं । इन तीन सालों में उनके खिलाफ किसी प्रकार की शिकायत नहीं मिली है । लोकल राजनीति के आधार पर किसी से इस्तीफा लेने का कोई कारण नहीं है । (शोर एवं व्यवधान) यदि विपक्ष के साथी सदन को सुचारू रूप से चलाना चाहते हैं तो चलायें नहीं तो बाहर जा सकते हैं । इस महान सदन का समय बहुत कीमती है । (शोर एवं व्यवधान) **XXX** स्पीकर सर, इस बारे में मेरा यह कहना है कि जो सोशल मीडिया के माध्यम से दो ऑडियोज़ सर्कूलेट हुई हैं अगर किसी माननीय सदस्य ने दोनों ऑडियोज़ नहीं सुनी है तो उसको दोनों ही सुननी चाहिएं। मैंने इन दोनों ऑडियोज़ को सुन लिया है। हम इन दोनों ऑडियोज़ को आधार मानकर निश्चित रूप से इस मामले की इंक्वॉयरी करवायेंगे और जो भी व्यक्ति इसके पीछे षडयंत्रकारी होंगे उनको किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जायेगा। (शोर एवं व्यवधान) **XXX** स्पीकर सर, मैं इस मामले में दो वाक्य और कहना चाहता हूं कि इस मामले में जांच निष्पक्ष होगी और जो भी व्यक्ति दोषी पाया जायेगा उसके खिलाफ निश्चित रूप से जो भी बड़ी से बड़ी कार्रवाई होगी वह की जायेगी। जहां तक माननीय सदस्यों का यह कहना है कि इस मामले की अमुक एजेंसी से जांच

करवाई जाये। इस बारे में मैं यह कहना चाहूंगा कि इस मामले की जांच किस एजेंसी से करवाई जायेगी यह तय करना सरकार का काम है। यह काम विपक्ष का नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)**XXX**

जसविन्द्र जी, मैंने कल आपकी पार्टी द्वारा उठाये गये विषय के बारे में माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा दिये गये सभी वक्तव्यों को पढ़कर सुना दिया है। अब आप मुझे यह बतायें कि इसमें क्लीनचिट वाली बात कहां पर है?

13.00 बजे

मास्टर कुणाल यादव, गूगल बॉय तथा श्री खुर्शीद आलम, शिक्षाविद् आ अभिनंदन

संसदीय कार्य मंत्री (श्री रामबिलास शर्मा): अध्यक्ष महोदय, 8 साल के गूगल बॉय मास्टर कुनाल यादव अपने पिता जी श्री संजय यादव के साथ सदन की कार्यवाही देखने के लिए वी.आई.पी. गैलरी में उपस्थित हैं। यह सदन उनका हार्दिक अभिनन्दन करता है। इसी प्रकार से लंदन के शिक्षाविद श्री खुर्शीद आलम भी सदन की कार्यवाही देखने के लिए वी.आई.पी. गैलरी में उपस्थित हैं, यह सदन उनका भी हार्दिक अभिनन्दन करता है। (शोर एवं व्यवधान)

सदस्यों का नाम लेना (पुनरारम्भ)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू: अध्यक्ष महोदय, पहले भारती जी का इस्तीफा लिया जाना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय इंडियन नैशनल लोकदल के कई सदस्य सदन की वैल में आकर अध्यक्ष महोदय से तर्क वितर्क करने लगे।)

श्री अध्यक्ष: जसविन्द्र जी, जिन बातों का आपने जिक्र किया था वह बात कम्पलीट हो चुकी है। उससे यह साबित हो चुका है कि मुख्यमंत्री ने किसी को कोई क्लीन चिट नहीं दी है। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह: अध्यक्ष महोदय, आपने जो सदन की कार्यवाही पढ़ कर सुनाई है वह हमारी बात पर मोहर लगाती है। जिस परिवार का कोई बेटा 45 लाख रुपये रिश्वत लेता है उसके खिलाफ कार्रवाई तो की जानी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: जसविन्द्र जी, जो बात आपने की थी कि मुख्यमंत्री जी ने भारती जी को क्लीन चिट दे दी है वह बात मैंने पढ़ कर सुना दी है इसलिए अब आपकी इन बातों का कोई अर्थ नहीं रह गया है। आप बैठ जाईये। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधूः अध्यक्ष महोदय, ऑडियो क्लिप में जिस व्यक्ति की आवाज आ रही है वह भारतीय जनता पार्टी के किसान सैल के जिला अध्यक्ष हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री (श्री नायब सैनी) : अध्यक्ष महोदय, सरदार जसविन्द्र सिंह गलत बोल रहे हैं वे हमारी पार्टी के किसान सैल के अध्यक्ष नहीं हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः जसविन्द्र जी, आप अपनी सीट पर बैठ जाइये अन्यथा मुझे आपको नेम करना पड़ेगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आपने हमें कल भी बजट पर बोलने नहीं दिया। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभय जी, आप तो अपनी ही बात पर स्टैंड नहीं कर रहे हैं। आप बैठ जाइये अन्यथा मुझे आपको भी नेम करना पड़ेगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात सुन लीजिए।

श्री अध्यक्षः मैं इंडियन नैशनल लोकदल के श्री अभय सिंह चौटाला और सरदार जसविन्द्र सिंह संधू को नेम करता हूं। आप बाहर जाइये। (शोर एवं व्यवधान)

राजकीय महिला महाविद्यालय, सैक्टर–14, पंचकुला के प्राध्यापकों तथा विद्यार्थियों का अभिनन्दन

संसदीय कार्य मंत्री (श्री रामबिलास शर्मा): अध्यक्ष महोदय, राजकीय महिला सनात्कोतर महाविद्यालय सैक्टर–14, पंचकुला के विद्यार्थी तथा प्राध्यापक सदन की कार्यवाही देखने के लिए दर्शक दीर्घा में उपस्थित हैं। यह सदन उनका हार्दिक अभिनन्दन करता है।

सदस्यों का नाम लेना (पुनरारम्भ)

(इण्डियन नैशनल लोकदल पार्टी के सभी सदस्य व सत्ता पक्ष के सदस्य भी अपनी सीटों पर खड़े होकर नारे बाजी करने लगे।)

श्री जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात सुनिये (विघ्न)

श्री जाकिर हुसैन : अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात सुनिये (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : अभय जी, अगर आप अपनी सीटों पर नहीं बैठते हैं तो मैं इण्डियन नैशनल लोकदल पार्टी के माननीय सदस्यों श्री अनूप धानक, बलवान सिंह दौलतपुरिया, हरिचंद मिढ्ढा, केहर सिंह, नसीम अहमद, ओम प्रकाश बड़वा, पिरथी सिंह, राजदीप सिंह फौगाट, राम चन्द कम्बोज, रणबीर गंगवा, रविन्द्र बलियाला, वेद नारंग और जाकिर हुसैन को नेम करता हूं और इन सभी सदस्यों से निवेदन करता हूं कि वे हाउस से बाहर चले जाएं ।

(इस समय इण्डियन नैशनल लोकदल के उपरोक्त नामित सदस्य सदन से बाहर नहीं गए और नारेबाजी करने लगे।)

वित मंत्री(कैप्टन अभिमन्यु) : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य जाकिर हुसैन जी का बर्ताव आज सदन की गरिमा के अनुरूप है तो मेरा आपसे निवेदन है कि आप इस बात का संज्ञान लें क्योंकि जाकिर हुसैन जी आज सच्चाई के साथ खड़े हैं । अभी तक उनका आचरण सदन की गरिमा के अनुकूल है । आप इस पर विचार करें ।

श्री जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, जब हम आपके आदेश का पालन कर रहे हैं तो आपने इस फौज को क्यों बुलाया? जब हम बिना कहे सदन से बाहर चले जाते हैं तो फिर आपने इस फौज को क्यों बुलाया है ?(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप हमें ऐसा करने पर मजबूर कर देते हैं । आपने कार्यवाही निकालने के लिए कहा तो हमने कार्यवाही भी निकलवा दी । उसके बावजूद भी आप नहीं मान रहे हैं ।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आपने यह निर्णय ठीक नहीं लिया है ।

श्री अध्यक्षः अभय जी, आप स्वयं भी बजट पर चर्चा नहीं कर रहे हैं और दूसरे सदस्यों को भी चर्चा नहीं करने देने रहे है, यह तो बहुत गम्भीर मसला है। (शोर एवं व्यवधान) नेता प्रतिपक्ष होने के नाते सदन के प्रति आपकी भी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। (शोर एवं व्यवधान) जब आपने कहा कि सदन की कार्यवाही निकालकर देख लो उसमें मुख्यमंत्री जी ने भ्रष्टाचार के आरोपी का क्लीन चिट दी है तो मैने सदन की कल की कार्यवाही को पढ़कर सुनाया तो क्लीयर हो गया कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने किसी को कोई क्लीन चिट नहीं दी है।(शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, पिछले दो घंटे से इंडियन नैशनल लोकदल के सदस्यों ने सदन को बंधक बना रखा है। यह ठीक बात नहीं है। यह बिल्कुल गलत बात है। अतः इनको ऐसा करने से रोका जाये और सदन की कार्यवाही को चलने दिया जाये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं तो आपकी सरकार की बढ़ाई ही कर रहा हूँ। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभय जी, बढ़ाई की बात नहीं है। सदन को चलाना मेरी जिम्मेदारी है और आपको इसमें पूर्ण सहयोग करना चाहिए? (शोर एवं व्यवधान)

वित्त मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से नेता प्रतिपक्ष से निवेदन करना चाहूंगा कि बजट सत्र बहुत ही महत्वपूर्ण सत्र होता है। आज पूरे हरियाणा प्रदेश की अढ़ाई करोड़ से अधिक जनता बजट के विषय पर आपके बहुत ही महत्वपूर्ण सुझाव सुनना चाहती है। हरियाणा प्रदेश की जनता हमारी तरफ देख रही है कि साल भर में प्रदेश के खजाने में जो पैसे का आना–जाना होगा, उस पर विपक्ष के साथियों की क्या राय है। अध्यक्ष महोदय, नेता प्रतिपक्ष हमारे बहुत ही सीनियर व सम्मानित साथी हैं और इसी तरह से सरदार जसविन्द्र सिंह संधू जी भी बहुत ही सीनियर व सम्मानित साथी हैं। हम सब इनकी बहुत इज्जत करते हैं। अतः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इनसे अनुरोध करता हूँ कि चूंकि सब कुछ सदन में स्पष्ट हो चुका है अतः वे पूरे विषय को समझते हुए बड़ा मन करते हुए सदन की कार्यवाही का चलने दें। अध्यक्ष महोदय, यह महान सदन कोई व्यक्तिगत राजनीति का अखाड़ा नहीं हो सकता? इस महान सदन को क्षेत्रीय चुनाव की राजनीति का अखाड़ा किसी भी कीमत पर नहीं बनाना चाहिए? अध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन है कि नेता प्रतिपक्ष को हरियाणा की जनता की भावनाओं को समझना चाहिए और बजट पर अपनी राय व विचार प्रस्तुत करने चाहिए। अगर वे बजट पर अपने तरीके से टिप्पणी करेंगे तो निःसंदेह इससे हमारा भी ज्ञान बढ़ेगा। अध्यक्ष महोदय, हम बजट पर नेता प्रतिपक्ष के सुझाव, विचार और हर प्रकार की टिप्पणी को जानना चाहते हैं। हम इनकी आलोचनाओं व समीक्षाओं का भी स्वागत करेंगे लेकिन कृपा करके इस सदन की कार्यवाही को चलने दिया जाए क्योंकि सदन का एक एक मिनट बहुत ही कीमती है। मेरा निवेदन है कि नेता प्रतिपक्ष को सदन की

कार्यवाही को चलने में सहयोग करते हुए हरियाणा प्रदेश की जनता के हित में बनाए गए बजट के एक–एक बिंदु पर चर्चा करनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं भ्रष्टाचार के विषय पर ही तो बोलना चाहता हूँ। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभय जी, आप एक फैसला करो चाहे तो आप बजट पर चर्चा कर लें या फिर सदन से बाहर चले जायें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मेरी पार्टी भ्रष्टाचार के विषय पर चर्चा करना चाहती है लेकिन सत्ता पक्ष के कुछ सदस्य बीच में इंट्रप्ट करते हैं। सत्ता पक्ष के यह लोग अपनी ही सरकार के खिलाफ भी नारे लगाने लग जाते है। इनको पता तो कुछ नहीं है, पता नहीं यह कहां कहां से यहां पर आ गए हैं। (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अभिमन्युः अध्यक्ष महोदय, नेता प्रतिपक्ष की टिप्पणी को खारिज किया जाना चाहिए। यह सत्ता पक्ष के सदस्य कहां कहां से नहीं आये हैं बल्कि इनको हरियाणा प्रदेश की जनता ने बहुत सोच समझकर चुनावों में जिताकर इस महान सदन का सदस्य बनाया है। जितने नेता प्रतिपक्ष सम्मानित है उतने ही इस सदन के सभी सदस्य सम्मानित है चाहे वह सत्ता पक्ष से संबंधित हो या विपक्ष से। अध्यक्ष महोदय, नेता प्रतिपक्ष को इस प्रकार की टिप्पणी करके कम से कम अपनी स्वयं की गरिमा को कम करने का काम नहीं करना चाहिए। जिस हरियाणा की जनता ने इनको चुनकर इस महान सदन में भेजा है, उसी जनता ने हम सभी सदस्यों को भी चुनकर इस सदन में भेजा है। सदन के सभी सदस्य बराबर हैं। सदन का कोई सदस्य अपने आप को फन्नेखां या तुर्रमखां न समझे। (शोर एवं व्यवधान) सदन के सभी सदस्य बराबर हैं। (शोर एवं व्यवधान) जो इस सदन के सदस्य हैं, जनता भी उनके साथ है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री महिपाल ढांडाः अध्यक्ष महोदय, ये लोग हमें गरिमा सिखायेंगे? (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधूः अध्यक्ष महोदय, भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने प्रदेश की जनता को भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देने का वायदा किया गया था लेकिन भ्रष्टाचार के विषय पर सदन में चर्चा नहीं करने दी जा रही है। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. पवन सैनीः अध्यक्ष महोदय, जानबूझकर सदन की कार्यवाही को बाधित करने का प्रयास किया जा रहा है। ये लोग सदन से बाहर जाने का रास्ता ढूंढ रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हम जनता के चुने हुए प्रतिनिधि हैं, हम हाउस से बाहर नहीं जायेंगे। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : अभय जी, जनता के द्वारा ही चुने हुए प्रतिनिधि सदन में आते हैं और मैं भी चुने हुए प्रतिनिधियों में से हूँ। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष होने के नाते माननीय सदस्यों ने ही मुझे नेम किए हुए सदस्यों को सदन से बाहर भेजने का अधिकार दिया हुआ है। मैं तो आप सभी माननीय सदस्यों को बजट पर चर्चा करने के लिए मौका दे रहा हूँ लेकिन आप बजट पर चर्चा ही नहीं करना चाहते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय इण्डियन नैशनल लोकदल के नामित सदस्य नारेबाजी करते रहे।)

श्री अध्यक्ष : आपको नेम किया जा चुका है इसलिए अब आप हाउस से बाहर चले जाएं।

(इस समय इंडियन नैशनल लोकदल के नेम किए हुए सभी सदस्य सदन से बाहर नहीं गए।)

श्री अध्यक्ष : अब मैं सार्जेंट–एट–आर्म्ज को निर्देश देता हूँ कि वह मेरे निर्देश का पालन करें और नेम किए हुए सदस्यों को वॉच एण्ड वार्ड स्टॉफ की मदद से सदन से बाहर ले जायें।

(इस समय वॉच एण्ड वार्ड स्टॉफ की मदद से सार्जेंट–एट–आर्म्ज स्पीकर के निर्देश का पालन करते हुए नेम किए हुए सदस्यों को सदन से बाहर ले गए।)

हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य का अभिनंदन

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को अवगत करना चाहूँगा कि श्री बंता राम बाल्मीकि, पूर्व विधायक सदन की वी.आई.पी. गैलरी में

विधान सभा की कार्यवाही देखने के लिए बैठे हुए हैं, हम पूरे सदन की तरफ से उनका स्वागत करते हैं।

इंडियन नैशनल लोकदल के नेम किए गए सदस्यों को वापिस बुलाने के लिए निवेदन

श्री परमेन्द्र सिंह ढुल : अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे प्रार्थना है कि हमारी पार्टी के जिन सदस्यों को आपने नेम किया हुआ है, उनको वापिस सदन में बुलाया जाए ताकि वे बजट पर चर्चा में हिस्सा ले सकें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : ढुल साहब, आपकी पार्टी के सदस्यगण बजट पर चर्चा करने के लिए तैयार ही नहीं हैं इसलिए उन्होंने इस तरह का व्यवहार किया जिसके कारण मुझे उनको नेम करना पड़ा। (शोर एवं व्यवधान)

वॉक – आउट्स

(i)

श्री परमेन्द्र सिंह ढुल : अध्यक्ष महोदय, यदि आप हमारी पार्टी के नेम किए हुए माननीय सदस्यों को हाउस में नहीं बुलाते हैं तो हम इसके विरोध में सदन से वॉक–आउट करते हैं।

(इस समय सदन में उपस्थित इण्डियन नैशनल लोकदल के सदस्य श्री परमेन्द्र सिंह ढुल व श्री मक्खन लाल सिंगला अपनी पार्टी के नेम किए गए सदस्यों को सदन में वापिस न बुलाए जाने के विरोध में वॉक–आउट कर गए।)

(ii)

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन में एक बात रखना चाहती हूँ और यह बहुत ही संगीन मामला है। यह अच्छी बात होगी कि यदि श्री भारत भूषण भारती खुद ही उस समय तक स्टैप डाउन कर दें। जब तक उनके लड़के श्री सुशांत भारती के ऊपर लगे आरोपों की निष्पक्ष तरीके से इन्क्वॉयरी न हो जाए। अध्यक्ष महोदय, श्री भारत भूषण भारती को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए तभी तो निष्पक्ष तरीके से इन्क्वॉयरी होगी। (विघ्न)

वित्त मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु) : अध्यक्ष महोदय, सी.एल.पी. लीडर हाउस में यह बात क्लीयर कर दें कि वे कौन से केस की निष्पक्ष इन्क्वॉयरी की मांग कर रही है। वे आदर्श घोटले की इन्क्वॉयरी की मांग कर रही है, रोहतक के जमीन घोटाले की

जांच की मांग कर रही है, पंचकूला के इण्डस्ट्रियल प्लाट घोटाले की जांच की मांग कर रही है या फिर ए.जे.एल. घोटाले की जांच की मांग कर रही है कृपया करके माननीय सी.एल.पी. लीडर सदन में इस बार में स्पष्ट कर दें। (विघ्न)

श्री करण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, आज सरकार के मंत्री भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। (विघ्न)

डॉ0 कमल गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी के सदस्य भी वॉक–आउट करना चाहते हैं और सदन से बाहर जाने का सिर्फ बहाना ढूंढ रहे हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री करण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, जब तक श्री भारत भूषण भारती अपने पद से इस्तीफा नहीं देते हैं तब तक निष्पक्ष इन्क्वॉयरी नहीं हो सकती है। सरकार निष्पक्ष इन्क्वॉयरी के लिए तैयार नहीं है, इसलिए इसके विरोध में हम सदन से वॉक–आउट कर रहे हैं।

(इस समय सदन में उपस्थित इण्डियन नैशनल कांग्रेस पार्टी के सभी सदस्यगण एच.एस.एस.सी. के चेयरमैन श्री भारत भूषण भारती से रिश्वत लेने के मामले पर इस्तीफा न लिए जाने के विरोध में सदन से वॉक–आउट कर गये।)

सदस्यगण का निलम्बन

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा): अध्यक्ष महोदय, आज बहुत ही चिंता का विषय है। हरियाणा की महान जनता से चुने हुए प्रतिनिधियों को वहम हो गया है कि सदन हमारी व्यक्तिगत जागीर है। अध्यक्ष महोदय, कई बार माननीय सदस्यों को यह भी वहम हो जाता है कि सदन में जितना जोर–शोर से बोलेंगे अथवा जितना असंसदीय भाषा का प्रयोग करेंगे उतना ही अखबारों की सुर्खियों में आयेंगे जबकि हरियाणा प्रदेश की अढ़ाई करोड़ जनता ही नहीं अपितु हिन्दुस्तान की पूरी जनता बहुत गहराई से सदन में हमारे व्यवहार का देख रही है। प्रश्नकाल से लेकर बजट पर चर्चा तक विपक्ष के साथियों का एक सा ही व्यवहार रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं भी 5वीं बार इस सदन में चुनकर आया हूँ और वर्ष 1991 में मैं अपनी पार्टी का एकमात्र विधायक था। हम बजट पर बोलने के लिए तैयारी करके आते थे। बजट के ऊपर सरकार को अपने सुझाव देते थे। अपने क्षेत्र की समस्याओं के बारे में सरकार को अवगत कराते थे। आज सदन में सब माननीय सदस्यों का एक ही मुद्दा रहा है। भारत की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट है। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने

सी.बी.आई. की रिपोर्ट के आधार पर के ऊपर अपना क्रिस्टल क्लीयर फैसला दिया है कि मानेसर में 683 एकड़ जमीन जिस सरकार ने भी छोड़ी है Speaker Sir, they have exercised the misuse of power. In so many words, it is an aspersion on the there and the then Chief Minister.

Shri Karan Singh Dalal: Speaker Sir, I said same on all of you.

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब संसदीय कार्य मंत्री एक प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

संसदीय कार्य मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं:–

> कि श्री अभय सिंह चौटाला, श्री अनूप धानक, श्री बलवान सिंह दौलतपुरिया, श्री हरी चंद मिड्ढा, सरदार जसविन्द्र सिंह संधू, श्री केहर सिंह, श्री नसीम अहमद, श्री ओम प्रकाश बरवा, श्री पिरथी सिंह, श्री राजदीप सिंह फौगाट, श्री राम चंद कम्बोज, श्री रणबीर गंगवा, प्रो0 रविन्द्र बलियाला, श्री वेद नारंग और श्री जाकिर हुसैन को उनके दुर्व्यवहार, अति अनुत्तरदायी व्यवहार, इस महान सदन के सदस्य के अनुचित होने तथा सदन में उनके बहुत अनियमित आचरण के लिए वर्तमान सत्र की शेष बैठकों के लिए सदन की सेवा से निलम्बित किया जाये।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआः–

> कि श्री अभय सिंह चौटाला, श्री अनूप धानक, श्री बलवान सिंह दौलतपुरिया, श्री हरी चंद मिड्ढा, सरदार जसविन्द्र सिंह संधू, श्री केहर सिंह, श्री नसीम अहमद, श्री ओम प्रकाश बरवा, श्री पिरथी सिंह, श्री राजदीप सिंह फौगाट, श्री राम चंद कम्बोज, श्री रणबीर गंगवा, प्रो0 रविन्द्र बलियाला, श्री वेद नारंग और श्री जाकिर हुसैन को उनके दुर्व्यवहार, अति अनुत्तरदायी व्यवहार, इस महान सदन के सदस्य के अनुचित होने तथा सदन में उनके बहुत अनियमित आचरण के लिए वर्तमान सत्र की शेष बैठकों के लिए सदन की सेवा से निलम्बित किया जाये।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है :–

> कि श्री अभय सिंह चौटाला, श्री अनूप धानक, श्री बलवान सिंह दौलतपुरिया, श्री हरी चंद मिड्ढा, सरदार जसविन्द्र सिंह संधू, श्री केहर सिंह, श्री नसीम अहमद, श्री ओम प्रकाश बरवा, श्री पिरथी सिंह, श्री राजदीप सिंह फौगाट, श्री राम चंद कम्बोज, श्री रणबीर गंगवा, प्रो0 रविन्द्र बलियाला, श्री वेद नारंग और श्री जाकिर हुसैन को उनके दुर्व्यवहार, अति अनुत्तरदायी व्यवहार, इस महान सदन के सदस्य के अनुचित होने तथा सदन में उनके बहुत अनियमित आचरण के लिए वर्तमान सत्र की शेष बैठकों के लिए सदन की सेवा से निलम्बित किया जाये।

(प्रस्ताव पारित हुआ)

Shri Karan Singh Dalal: Speaker Sir, I would like to speak on this issue.

श्री अध्यक्षः करण सिंह जी, प्लीज आप बैठ जाएं। अब बजट पर चर्चा होगी । (शोर एवं व्यवधान)

Shri Karan Singh Dalal: Speaker Sir, I am standing on this point of order.

श्री अध्यक्षः नहीं नहीं, दलाल साहब, आप बैठिए।

वर्ष 2018–19 के लिए बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा का पुनरारम्भ

श्री अध्यक्षः करण सिंह जी, माननीय सदस्य डॉ0 कमल गुप्ता जी को बोलने का समय दिया गया है। आप बैठ जाएं (शोर एवं व्यावधान)।

डॉ0 कमल गुप्ता (हिसार): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं।

"हर फूल है खुशबू है, रस है रसवन्ती मौसम में,

पेश हुआ है प्रदेश का बजट, बहुत सुहाने मौसम में,

वित्त मंत्री ने निज कौशल से, कर दिया देखो कमाल,

जन कल्याण को ध्यान में रखकर, सबको कर दिया मालामाल।"

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय वित्त मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा कि इस बजट में हिन्दु संस्कृति के अनुरूप महात्मा गांधी जी के समाजवाद और राम राज्य की कल्पना की झलक नजर आती है। इस बजट में देश के महान विचारक पंडित दीन दयाल उपाध्याय की विचारधारा एकात्मवाद, मानवतावाद और अन्त्योदय की बातों की झलक नजर आती है। एकात्मवाद में कहा गया है कि तन, मन, बुद्धि और आत्मा का विकास हो। अन्त्योदय में कहा गया है कि समाज में बैठे अंतिम व्यक्ति के बारे में भी विचार किया जाए। इस बजट में इन सब बातों पर विचार किया गया है। इस प्रदेश के यशस्वी और लोकप्रिय माननीय मुख्य मंत्री जी जिनका मूल मंत्र "सबका साथ, सबका विकास" और "हरियाणा एक, हरियाणवी

एक" की मनोहर प्रवृति बजट में झलकायी गयी है। मैं माननीय मंत्री कैप्टन अभिमन्यु और माननीय मनोहर लाल जी को बधाई देना चाहता हूं। तुलसी दास जी ने कहा है कि मुखिया मुख सो चाहिए, खान पान को एक, पाले पोसे सकल अंग तुलसी सहित विवेक (विघ्न)।

श्री करण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है।

श्री अध्यक्षः करण सिंह जी, आप बैठ जाएं।

डॉ0 कमल गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, तुलसी दास जी ने माननीय मुख्य मंत्री जी तुलना मुख से की है जो सब तरह की चीजों को खाता है (विघ्न)।

श्री करण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ ऑर्डर है।

श्री अध्यक्षः करण सिंह जी, माननीय सदस्य बजट पर अपनी बात कर रहे हैं। आपको बाद में बोलने का समय दे दिया जाएगा। इसलिए आप बैठ जाएं।

श्री करण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य शास्त्रों की बात कर रहे हैं (विघ्न)।

श्री अध्यक्षः करण सिंह जी, आप बैठ जाएं।

डॉ0 कमल गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, तुलसी दास जी ने बताया है कि मुखिया कैसा होना चाहिए और उन्होंने मुखिया की तुलना मुख से की है। जो मुख सब कुछ खाने के बाद उस खाने को डाईजैस्ट करता है उसका एसिमिलेशन करता है और सकल अंग में चाहें हाथ हों, चाहे पैर हों या दिमाग हो सबका पालन पोषण करता है इसी के अनुरूप माननीय मुख्य मंत्री जी ने सभी जिलों में भ्रमण किया है। वे किसी एक जिले में नहीं बल्कि सभी विधान सभा क्षेत्रों में गये हैं। सकल अंग के तहत वे प्रदेश के सभी हिस्सों में गये हैं और उन सबका पालन पोषण किया है इसमें चाहे किसान की फसलों के नुकसान की बात हो, चाहे गरीब की भलाई की बात हो। चाहे विकलांग पैंशन की बात हो, चाहे मजदूरों की बात हो, हर चीज का वित्त मंत्री जी ने इस बजट में ध्यान रखा है। अध्यक्ष महोदय, मैंने जो तुलसी जी की चौपाई बोली है मानव सकल अंग यानि सकल अंग का पालन–पोषण करना।अध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी का जो विचार है उस विचार को हमारे वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु जी ने अभिव्यक्त किया है। अध्यक्ष महोदय, हमारे वित्त मंत्री कैप्टन

अभिमन्युएक किसान के बेटे भी हैं, व्यापारी भी हैं और देश पर जान को न्यौछावर करने वाले फौजी भी हैं और इन तीनों चीजों के साथ–साथ वे बहुत अच्छे अर्थशास्त्री भी हैं। अध्यक्ष हमारे वित्त मंत्री जी ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटीसे एम.बी.ए. किया है। अध्यक्ष महोदय, मैं ऐसी ही दूसरी चौपाई पढ़ना चाहता हूं:–

''दैहिक दैविक भौतिक तापा। राम राज नहिं काहुहि ब्यापा।।''

अध्यक्ष महोदय, इस चौपाई में तीनों चीजों का वर्णन है। ''दैहिक'' शब्द स्वास्थ्य और तन से संबंध रखता है।''दैविक'' शब्द जो प्राकृतिक आपदाएं आ जाती हैं, जैसे ओला–वृष्टि, सफेद मक्खी की बीमारी,बाढ़ और सूखा इन सबसे संबंध रखता है और इस तरह की जो बाधाएं आती हैं हमारी सरकार ने उनको भी दूर करने का कामकिया है।''भौतिक''शब्द का मतलब सड़क, बिजली और पानी होता है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने सड़क, बिजली और पानी इन तीनों चीजों को ध्यान में रखकर जो बजट प्रस्तुत किया है इसके लिए मैं उनको बधाई देना चाहता हूं। (इस समय मेंजें थप–थपाई गईं)अध्यक्ष महोदय,यहां पर मैं एक बात परफिर से चर्चा करना चाहूंगाकि पिछले चुनाव में जब भारतीय जनता पार्टी सरकार में आयी तो वह केवल और केवल कांग्रेस के काले कारनामों कीवजह से आई। अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस ने जो भ्रष्टाचार किया है,चाहे 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला हो, चाहे हवा में घोटाला हो, चाहे पृथ्वी पर घोटाला हो, चाहे पानी में घोटाला होइन सब घोटालों को देखकर ही जनता ने इन्हें नकारा है।अध्यक्ष महोदय, हमारे वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु जी ने जो 4 साल लगातार बजट प्रस्तुत किया है और हमारी सरकार की जो कार्य–प्रणाली है, उससे लोग बहुत खुश हैं। अध्यक्ष महोदय, लागों ने कांग्रेस पार्टी को त्रिपुरा और नागालैंड में आईना दिखाने का काम किया है। अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी कहना चाहूंगा कि आने वाले चुनाव में हरियाणा की जनता इन्हें फिर से आईना दिखाने का काम करेगी और इन्हें एक भी सीट हरियाणा में नहीं मिलेगी। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इस देश को हमारी सरकार ने स्वच्छ भारत–स्वस्थ भारत बनाया है। हमने भारत को खुले में शौच से मुक्त किया है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने हरियाणा को कैरोसीन फ्री करने का भी काम किया है।अध्यक्ष महोदय,मैं एक बात और बताना चाहूंगा कि जिस तरह से कांग्रेस पार्टी ने इस देश के अंदर जो कलंकित काम किए हैं,उसे भी भारत और हरियाणा से मुक्त करने का काम हमारी सरकार करेगी। अध्यक्ष महोदय, अब मैं बजट के बारे

में कुछ कहना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, हम सब लोग कहते हैं कि यह बजट बहुत ही अच्छा बजट है।

श्री करण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैंकमल जी से कहना चाहूंगा कि यह बात सिर्फ इनकी पार्टी के लोग ही कहते हैं और कोई नहीं कहता है।

डॉ. कमल गुप्ताःअध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य श्री करण सिंह जी को कहना चाहूंगा कि ये बहुत सीनियर विधायक हैं और जब मैं इस सदन में बोल रहा हूं तो ये बीच–बीच में बोलना शुरू कर देते हैं जोकि ठीक नहीं है और यह इनके स्टेटस के अनुरूप भी नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को कहना चाहूंगा कि ये बीच–बीच में न बोलें। अध्यक्ष महोदय, मैं अब इस बात को बताना चाहता हूं कि आखिर यह बजट अच्छा क्यों है? अध्यक्ष महोदय, सबसे पहला बिन्दु ग्रोथ का है। जिस सरकार के कार्यकाल में राज्य का ग्रोथ जितना ज्यादा अच्छा होगा,वह बजट उतना अच्छा माना जाएगा। अध्यक्ष महोदय, एकेडमिक रिसर्च यह कहती है कि जिस सरकार के कार्यकाल में राज्य का ग्रोथ ज्यादा होता है वह सरकार बार–बार आती है। अध्यक्ष महोदय, इसके लिए मैं एक उदाहरण देना चाहता हूं । वर्ष 2010 से लेकर 2014 तक जो कांग्रेस की सरकार रही,उसके कार्यकाल में स्टेट का ग्रोथ रेट 7.1 प्रतिशत था, लेकिन अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार आने के बाद इन 4 सालों में स्टेट का जो ग्रोथ रेट है वह 8.6 प्रतिशत है। (इस समय मेंजें थप–थपाई गईं)अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार के कार्यकाल में जो हरियाणा की ग्रोथ रेट है वह तीनों सैक्टरों में हुई है, चाहे प्राइमरी सैक्टर हो, चाहे सैकैन्ड्री सैक्टर हो और चाहे टर्सरी सैक्टर हो यानि हर सैक्टर में ग्रोथ हुआ है। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि प्राइमरी सैक्टर का मतलब एग्रीकल्चर सैक्टर होता है, सैकैन्ड्री सैक्टर का मतलब इन्डस्ट्रियल सैक्टर होता है और टर्सरी सैक्टर का मतलब सर्विस सैक्टर होता है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह बताना चाहता हूं कि वर्ष 2014–15 में कांग्रेस पार्टी के शासन में प्राइमरी सैक्टर ग्रोथ –.21 प्रतिशत टोटल बजट की थी। हमारे वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु जी ने अपने चार बजट्स में विजन दिया और आज प्रदेश की प्राइमरी सैक्टर ग्रोथ 1.6 प्रतिशत टोटल बजट की है । इसलिए यह बजट बहुत अच्छा बजट है । (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, जहां तक ग्रोस स्टेट डोमैस्टिक प्रोडक्ट (जी.एस.डी.पी.) की बात है तो वर्ष 2014–15 में टोटल इन्कम 4.40 लाख करोड़ रुपये थी जो कि देश की जी.डी.पी. में 3.6 प्रतिशत की भागीदारी थी और आज वर्ष 2018–19 में जी.एस.डी.पी. से

इनकम 6.87 लाख करोड़ रुपये की है जो कि देश की जी.डी.पी. में 3.7 प्रतिशत की भागीदारी है । अध्यक्ष महोदय, हमारे प्रदेश की जनसंख्या देश की टोटल जनसंख्या की 1.7 प्रतिशत है और हमारे प्रदेश की इकनॉमिक ग्रोथ और इनवोल्वमैंट पूरे देश में जनसंख्या के मुकाबले डबल है । इससे अच्छा बजट प्रदेश के लिए दूसरा नहीं हो सकता । अध्यक्ष महोदय, हमारे प्रधान मंत्री जी ने देश को आगे बढ़ाने के लिए स्टैंड–अप और स्टार्ट–अप इण्डिया नामक जैसी कई स्कीम्ज चला रखी हैं जिनसे हमारी ग्रोथ और जी.डी.पी. बढ़ी है । अध्यक्ष महोदय, अब मैं पर कैपिटल इन्कम के बारे में बताना चाहूंगा कि वर्ष 2014–15 में हरियाणा की पर कैपिटा इन्कम 1.47 लाख रुपये थी जो 2017–18 में बढ़कर 1.97 लाख रुपये हो गई और वर्ष 2018–19 में 2.17 लाख रुपये हो गई है । यह हमारे प्रदेश के लिए बहुत बड़ी तरक्की की बात है इसके लिए मैं वित्तमंत्री जी को बधाई देता हूं । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : जगबीर जी, आपको भी बोलने का अवसर दिया जायेगा । उस समय आप करैक्ट कर लेना । इस तरह से माननीय सदस्य को आप बीच में डिस्टर्ब न करें ।

डॉ. कमल गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, 2014–15 में कांग्रेस की सरकार के समय पर कैपिटा इन्कम 1.47 लाख रुपये हमारे प्रदेश की थी जो हमारी सरकार आने के बाद बढ़कर 2.17 लाख रुपये हो गई है । अध्यक्ष महोदय, रैवेन्यू डैफिसिट भी बजट का महत्वपूर्ण बिंदु होता है । इसका मतलब होता है रैवेन्यू एक्पैंडीचर माईनस रैवेन्यू रिसीट्स और जो अच्छी सरकारें होती हैं वे बड़ी कुशलता से रैवेन्यू रिसीट्स को बढ़ाती हैं । जब किसी बजट में रैवेन्यू रिसीट्स बढ़ेंगी और एक्सपैंडीचर कम होगा तभी रैवेन्यू डैफिसिट घटेगा । वर्ष 2014–15 में रैवेन्यू डैफिसिट 1.9 प्रतिशत था जो कि 2018–19 में कम होकर 1.2 प्रतिशत रह गया है और 2019–20 में वित्तमंत्री जी की कुशलता से रैवेन्यू डैफिसिट जीरो हो जायेगा । अध्यक्ष महोदय, इसमें एक–दो बातें और समझने की हैं । यदि इसमें से उदय स्कीम को निकाल देते हैं तो रैवेन्यू डैफिसिट 1.1 प्रतिशत से भी कम रह जाता है ।(विघ्न) हमारा रैवेन्यू डैफिसिट कम हो रहा है जो कि अच्छे बजट की निशानी है और हम इस बात का तकाजा करते हैं कि आने वाले साल में यह जीरो हो जायेगा । अध्यक्ष महोदय, अब मैं एक्साईज डयूटी पर बात करना चाहूंगा कि वर्ष 2017–18 में 6100 करोड़ रुपये की एक्साईज डयूटी मिलती थी जो अब कम होकर 6000 करोड़ रुपये हो गई है ।

इस तरह से जो भारतीय मूल्य हैं कि शराब बेचकर रैवेन्यू इन्कम नहीं करनी चाहिए उसकी तरफ भी हमारी सरकार आगे बढ़ रही है । शराब बेचकर हमारी जो इन्कम है उसको हम कम करना चाहते हैं । इस तरह से हम हमारे जीवन मूल्यों को ध्यान में रखकर आगे बढ़ रहे हैं । (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, अब मैं फिस्कल डैफिसिट के बारे में बात करना चाहूंगा कि किसी भी संस्था, देश या प्रदेश के बजट को चैक करना है तो उसके फिस्कल डैफिसिट के साथ–साथ यह भी देखा जाता है कि कैपिटल गेन और कैपिटल एक्पैंडीचर कितना–कितना किया गया है ? अगर कोई संस्था या सरकार अपनी ओकात से ज्यादा लोन ले लेती है और कैपिटल इनवैस्टमैंट अच्छी करती है तो फिस्कल डैफिसिट बढ़ा हुआ भी बुरा नहीं होता है । हमारे वित्तमंत्री जी ने फिसकल डैफीसिट बजट का 2.82 प्रतिशत दिया है । मेरा वित्तमंत्री जी को सुझाव है कि इसको हम 3 प्रतिशत तक लेकर जायें । हमारा जो 14वां वित्त आयोग आया था उसने यह रिकमंडेशन दी हुई है कि किसी भी बजट में 3 प्रतिशत फिस्कल डैफिसिट है तो वह विदिन लिमिट और नॉर्मल है। मेरा वित्तमंत्री जी को यही सुझाव है कि इसमें प्वायंट 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी करके अच्छी जगह पर कैपिटल इन्वैस्टमैंट की जाये और आमदन तथा सेवा के साधनों को बढ़ाया जाये । अध्यक्ष महोदय, अब मैं डैट लायबिलिटीज की बात करना चाहूंगा कि वर्ष 2014–15 में डैप्ट लायबिलिटीज 70 हजार करोड़ रुपये की थी और एक अखबार में मैंने हुड्डा साहब का बयान पढ़ा जिसमें वे कह रहे थे कि वे 70 हजार करोड़ रुपये की डैट लायबिलिटीज छोड़कर गये थे जो अब बढ़कर 1.61 लाख करोड़ रुपये हो गई हैं लेकिन मैं कहना चाहूंगा कि यदि किसी को हेराफेरी करना, आंकड़ो को मिस–रिप्रजैंट करके प्रदर्शित करना सीखना है तो कांग्रेस पार्टी से सीखना चाहिए । (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, इनको मेरी बात ध्यान से सुननी चाहिए मैं आंकड़ों पर बात कर रहा हूं । वर्ष 2014–15 में 70931 करोड़ रुपये की डैट लायबिलिटीज प्रदेश पर थी लेकिन उसके अतिरिक्त 35 हजार करोड़ रुपये का लोन बिजली बोर्ड ने लिया हुआ था । यदि परिवार में कोई अपने बेटे के नाम पर लोन ले ले तो काउंट तो पूरे परिवार पर जितना लोन होता है वही होगा । लेकिन यह 35 हजार करोड़ रुपये पिछली सरकार ने 70 हजार करोड़ रुपये में दर्ज नहीं किया था जबकि अब उसको सरकार के लोन में जोड़ा हुआ है । अब यह हेराफेरी या चालाकी नहीं है तो क्या है । उनकी उस समय जो डैट लॉयबिलिटी 16.29 प्रतिशत थी और 35 हजार करोड़ रुपये की डैप्ट लॉयबिलिटी 9 प्रतिशत बनती है।

यदि इसको 16.29 में जोड़ दिया जाये तो यह 25 प्रतिशत को क्रॉस कर जाती है। इस तरह से यदि हम टोटल एक्पैंडीचर को 25 प्रतिशत से क्रोस कर देते हैं तो वह अच्छा बजट नहीं माना जाता और उसको मिस मैनेजमैंट माना जाता है । (विघ्न) आज हमारा टोटल एक्पैंडीचर 23.5 प्रतिशत है वही बात जो मैंने फिस्कल डेफीसिट में कही यहां भी मैं यह कहना चाहूंगा कि इसको 25 प्रतिशत तक लेकर जाना चाहिए क्योंकि यदि टोटल एक्सपैंडीचर 25 प्रतिशत तक रहता है तो वह नार्म्ज के मुताबिक है । इसको प्रदेश के फायदे के लिए 25 प्रतिशत तक लेकर जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, अब मैं कैपिटल एक्सपैंडीचर के बारे में बात करना चाहूंगा कि वर्ष 2014–15 में कांग्रेस की सरकार के समय में टोटल एक्सपैंडीचर का 20 प्रतिशत कैपिटल एक्सपैंडीचर किया जबकि अब यह 26 प्रतिशत है जो कि बड़ी खुशी की बात है । हमने पैसे को उड़ाया नहीं है बल्कि इन्वैस्ट किया है । ये जो आंकड़े हैं ये किसी अर्थशात्री के द्वारा दिये गये नहीं हैं बल्कि ये बजट से लिये गये आंकड़े हैं। ये सभी आंकड़े इस बात को प्रमाणित करते हैं कि इससे अच्छा बजट हो नहीं सकता है। आज प्रश्नकाल में चर्चा हो रही थी कि हमने इनवैस्ट कहां पर किया तथा हम इनवैस्ट कहां पर करने की सोचते हैं । इस बारे में मैं दो चार बातों के बारे में और बोलना चाहता हूं। सबसे पहले मैं हिसार के इन्टरनैशनल एयरपोर्ट के विषय में बोलना चाहता हूं। देश को आजाद हुये आज 70 साल हो गये हैं और हरियाणा को बने हुये आज 50 साल हो गये हैं। मैं कांग्रेस के साथियों से पूछना चाहता हूं कि 50 साल में उन्होंने ऐसा क्या किया जिससे हमारी विश्व स्तर पर पहचान हो सके। अध्यक्ष महोदय, जब हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई तो 29 दिसम्बर, 2014 को सरकार बनने के दो महीने के अन्दर हमारे माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी ने यह ऐलान कर दिया कि हम हिसार में इन्टरनैशनल एयरपोर्ट बनायेंगे। एक विचार आया, एक सपना आया, एक सोच आई। यह सोच एक दो दिन में ही नहीं आती इसके लिए पहले से तैयारी करनी पड़ती है। इस एयरपोर्ट के लिए 190 एकड़ जमीन उपलब्ध थी जिसको हमने 3 साल में कंसोलिडेट करके 4200 एकड़ किया है। अध्यक्ष महोदय, 4200 एकड़ जमीन को कंसोलिडेट करना कोई आसान काम नहीं है। पिछली सरकार ने एयरपोर्ट के बारे में कभी नहीं सोचा। हमारे कांग्रेस के साथियों को तो यह भी पता नहीं है कि ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट क्या होता है। वर्ष 2013 में कांग्रेस की सरकार ने केन्द्र सरकार को अप्लाई कर दिया कि हमें हिसार में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट बनाने

की इजाजत दी जाये। उनको कौन समझाये कि ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट क्या होता है। रोहतक से कांग्रेस के सांसद श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा ने प्रैस कांफ्रेंस करके यह कहा कि हिसार में इंटरनैशनल एयरपोर्ट नहीं बन सकता क्योंकि हरियाणा सरकार ने अपनी प्रपोजल वापिस ले ली है। अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस के साथियों को तथ्यों का पता नहीं है और विषय की जानकारी नहीं है और प्रैस कांफ्रेंस में बोलते हैं कि हरियाणा सरकार ने ग्रीन फील्ड इंटरनैशनल एयरपोर्ट के प्रस्ताव को वापिस ले लिया है। (विघ्न) वास्तव में क्या था कि कांग्रेस के शासनकाल में हिसार में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट के लिए केन्द्र सरकार के पास प्रपोजल गई थी जिस पर केन्द्र सरकार के सिविल एवीएशन विभाग ने कहा कि आप ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट की अनुमति क्यों मांग रहे हैं, ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट तो आपका ऑलरेडी एग्जिस्ट करता है। आपको ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट की आवश्यकता नहीं है। चूंकि हिसार में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट पहले से ही एग्जिस्ट करता है इसलिए हरियाणा सरकार ने उस प्रस्ताव को वापिस लिया है। इसी प्रकार से वहां पर एक वॉटर वर्क्स बनना था उसको भी हमने शिफ्ट करके 40 एम.एल.डी. का बनवा दिया है जिसका शिलान्यास भी और उद्घाटन भी हमारी सरकार ने किया है। इसके अतिरिक्त मैं यह भी बताना चाहूंगा कि 300 एकड़ जमीन लुआव यूनिवर्सिटी की थी जिसको हमने एयरपोर्ट की जगह से दूसरी जगह पर शिफ्ट करके उनको यूनिवर्सिटी बनाने के लिए 1000 एकड़ जमीन दे दी है। अध्यक्ष महोदय, मैं दो बातें और बताना चाहता हूं जिनको बजट में भी मैन्शन किया गया है । पहली बात कि हिसार में इन्टरनैशनल ऐयर पोर्ट बनाएंगे और हमारी सरकार का दावा है कि हम इसको बनाएंगे । दूसरी बात बहादुरगढ़ के पास जो के.एम.पी. कट है वहां से हिसार तक 6 लाईन एक्सप्रैस–वे रोड़ बनाया जाएगा । इसकी आवश्यकता इसलिए है क्योंकि यह इंटरनेशनल ऐयरपोर्ट का प्रि–रिक्वीजिट है । इसके लिए हमारे मुख्यमंत्री जी ने गडकरी जी से भी बात की है और रेल मंत्री पीयूष गोयल जी से भी बात की है। (शोर एवं व्यवधान) मैं बताना चाहता हूं कि रोहतक से वाया महम–हांसी का जो रेलवे ट्रैक है उस पर हाई स्पीड ट्रेन चलेगी । उससे हिसार और दिल्ली का जो रास्ता है वह मात्र एक घण्टे या सवा घण्टे में पूरा होगा । यह इंटरनैशनल एयरपोर्ट की प्रि–रिक्वीजिट है । इसके बारे में भी मुख्यमंत्री जी ने बात की है ।

श्री आनन्द सिंह दांगी : अध्यक्ष महोदय, यह प्रोजैक्ट तो हमारी सरकार के समय में मंजूर हो गया था और उसके लिए पैसा भी सैंक्शन हो गया था । (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनीष कुमार ग्रोवर : अध्यक्ष महोदय, इसके लिए जमीन का सैक्शन–4 और सैक्शन–6 हमारी सरकार ने ही किया है और बाकी 9 लाख रूपये का अवॉर्ड भी हमारी सरकार ने दिया है । माननीय साथी गलत बात कहकर सदन को गुमराह कर रहे हैं ।

डॉ0 कमल गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के साथियों को तो हमारी सरकार के गुण गाने चाहिए क्योंकि हमारी सरकार काम कर रही है । हमारी सरकार जो काम कर रही है इसके गुण गाने में इनको क्या तकलीफ है ? अध्यक्ष महोदय, हिसार में 50 साल से वाशिंग यार्ड नहीं था । हमारी सरकार ने वहां वाशिंग यार्ड का शिलान्यास किया है और अब हमारी सरकार उसका उद्घाटन करने जा रही है ।

श्री करण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, इनकी बातें सुनते हुए हमारे कानों में दर्द होना शुरू हो गया है ।

डॉ0 कमल गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, अच्छी बात सुनकर इनके कानों में दर्द होने लगा है और खुशबू इनको बदबू लगती है । करण जी, आप अपने नाक भी साफ करवाओ और अपने कान भी साफ करवाओ । अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने जो 3 फेजिज में इन्टरनैशनल एयरपोर्ट बनाने की बात की है । उसके बारे में मैं सदन को बताना चाहता हूं कि वित मंत्री जी वहां पर आप सबके विजन से 6 से 8 महीने में इन्टरनैशनल एयरपोर्ट बनाने जा रहे हैं । इसके साथ ही वहां पर हमारी सरकार एक डेढ़ साल में 4 हजार मीटर की पट्टी को 9 हजार मीटर की बनाने जा रही है जिससे वहां से मिडल साईज के हवाई जहाज भी उड़ने लगेंगे । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कमल जी, आप वाईंडअप कीजिये।

डॉ0 कमल गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में जितनी भी एयर स्ट्रिप्स हैं उनको सरकार ने 3 हजार मीटर से बढ़ाकर 5 हजार मीटर करने का जो प्रावधान किया है उसके लिए मैं अपनी सरकार को बधाई देता हूं । हमारे यहां यह सब करने से हमारे प्रदेश की आमदनी बढ़ेगी और प्रदेश की इन्कम बढ़ेगी तो यह प्रदेश विश्व

स्तर पर आएगा । इसमें कोई शक नहीं है । अध्यक्ष महोदय, कैप्टन साहब से मैं कहना चाहूंगा कि हम हिसार में जो इंटरनैशनल एयरपोर्ट बनाने जा रहे हैं वहां पर ऐसे ही 2200 एकड़ जमीन इण्डस्ट्रियल हब बनाने के लिए मंजूर हुई है । उसमें मेरा सुझाव है कि उसमें से 60 एकड़ जमीन में इंटरनैशनल क्रिकेट ग्राउंड बनाया जाए जोकि हिसार नगरनिगम के पास वह 60 एकड़ जमीन उपलब्ध भी है । वहां पर 30 हजार लोगों की कैपेसिटी वाला इंटरनेशनल लैवल का क्रिकेट ग्राउंड बन सकता है । जिसका बजट 250 करोड़ रूपये का है । इसलिए वित मंत्री जी से मेरा निवेदन है कि जो यह .18 प्रतिशत फिसकल डैफिसिट की गुंजाईश छोड़ी हुई है, डेढ़ प्रतिशत डैट लायबिलिटी की जो गुंजाईश छोड़ी हुई है उसमें यदि हमारी सरकार 250 करोड़ रूपये इंटरनैशनल क्रिकेट ग्राउंड के लिए देगी । यह क्रिकेट ग्राउंड और इंटरनैशनल एयरपोर्ट दोनों ही एक दूसरे के काम को बढ़ाएंगे । हिसार जिले में स्थित राखीगढ़ी हड़प्पाकालीन सभ्यता की एक निशानी है। अगर इसको विश्वस्तरीय स्थल के रूप में विकसित करना है तो इसके लिए स्पेशल बजट का प्रावधान करना पड़ेगा और इस प्रकार हरियाणा प्रदेश का नाम पूरे विश्व में विख्यात हो जायेगा। अध्यक्ष महोदय, बजट में इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए 200 करोड़ रूपये के बजट का प्रावधान किया गया है। मेरा निवेदन है कि अगर इस बजट को बढ़ाकर 1000 करोड़ रूपये करने का काम किया जाए तो बहुत अच्छा होगा। मैं विश्वास दिलाता हूँ कि इस कार्य पर जो खर्च होगा, उससे आमदनी भी जल्द मिलनी शुरू हो जायेगी और जो खर्चा होगा उसको बहुत ही जल्द कवर भी कर लिया जायेगा। जहां तक बात अग्रोहा धाम की है, अग्रोहा धाम हरियाणा की ऐसी जगह है जहां पर महाराजा अग्रसेन ने एक ईंट और एक रूपये की समाजवादी विचारधारा वाली बात कही थी। मेरा निवेदन है कि अग्रोहा धाम को भी विश्वस्तरीय स्थल के रूप से विकसित किया जाये। अब मैं यूनिवर्सिटीज पर अपनी बात रखूंगा। हिसार में तीन अच्छी खासी यूनिवर्सिटीज हैं। मेरा निवेदन है कि इन तीन युनिवर्सिटीज में से कम से कम एक यूनिवर्सिटी को इतना उंचे स्तर पर लेकर जाया जाये कि वहां पर 10000 स्टूडेंट्स के लिए इंतजाम हो सके। जहां तक इंटरनैशनल सोलर एलायन्स की बात है और मोदी जी भी इसके बहुत पक्षधर हैं कि किस तरह से भारत वर्ष में ज्यादा से ज्यादा सोलर लाइट्स को लाया जाये । यदि क्षेत्र में ज्यादा इंवेस्ट किया जायेगा तो यह भी हरियाणा प्रदेश के लिए बहुत तरक्की की बात होगी। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश का जो वर्ष 2018 के लिए

बजट पेश हुआ है, उसमें कहा गया है कि प्रदेश में कुल 759 रेलवे फाटक हैं जिनमें से 592 रेलवे फाटक मानव नियंत्रित हैं और 107 मानव रहित हैं और सदन में यह भी घोषणा की गई है कि जो यह 107 मानव रहित रेलवे फाटक हैं इनको भी समाप्त कर दिया जायेगा। इसी संदर्भ में मेरा एक सुझाव यह भी है कि जिस तरह से हमारी सरकार ने खुले में शौच जाना मुक्त किया है, प्रदेश को केरोसिन मुक्त किया है और जिस प्रकार भारतीय जनता पार्टी ने यह बीड़ा भी उठाया है कि देश को कांग्रेस मुक्त किया जायेगा, क्यों न उसी तर्ज पर हरियाणा प्रदेश को भी मानव नियंत्रित फाटकों से मुक्त करने की योजना बनाई जाए। (इस समय मेजें थपथपाई गई।) अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार हमारे हिसार में जो अंत्योदय योजना के तहत 10 रूपये में गरीब–मजदूरों को रोटी देने का काम किया गया है, उसके लिए भी मैं सरकार को बधाई और धन्यवाद देता हूँ। अध्यक्ष महोदय, हिसार में तीसरे वाटर वर्क्स के शिलान्यास और उद्घाटन का काम भी हमारी सरकार में हुआ। जब से हरियाणा बना तब से हिसार जैसे बड़े शहर में लोग शौच के पानी से तैयार हुई फसलों को खाने में प्रयोग करते थे। यह कितने शर्म की बात थी। It was a total failure on the part of the government. किसी गवर्नमैंट ने, किसी आफिसर ने और किसी चुने हुए प्रतिनिधि ने जोकि हिसार में रहते थे, वहां पर एस.टी.पी. प्लॉट लगाने का प्रबंध नहीं किया। यहां के लोग टट्टी–पेशाब के पानी से तैयार हुई फसलों का प्रयोग करते थे लेकिन हमारी सरकार ने यहां पर 40 एम.एल.डी. क्षमता के एस.टी.पी. प्लांट के शिलान्यास व उद्घाटन करने का काम किया। (शोर एवं व्यवधान)

श्री जय प्रकाशः अध्यक्ष महोदय, मैं हिसार से एम.पी. था तो मैंने हिसार को वर्ष 2006 में काउंटर मैगनेट टाउन बनवाया था। यहां पर जो वाटर सप्लाई और ट्रीटमैंट प्लांट्स बने हुए हैं, उनको मैने अपने प्रयत्नों से भारत सरकार से अनुरोध करके यहां पर लाने का काम किया था। गुप्ता जी सदन को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे है। इसके अतिरिक्त एन.एच.–8 को चारमार्गीय बनाना तथा हांसी और रोहतक तक जो रेल चलवाई गई, वह भी मेरे प्रयत्नों की वजह से संभव हो सका था। अध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन है कि गुप्ता जी को सदन को भ्रमित करने की आज्ञा कदापि न दी जाये।

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, आप वाईंड अप करें।

डॉ. कमल गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैं एक दो बातें और कहकर अपनी बात समाप्त करूंगा। हमारी सरकार ने हिसार में रेलवे स्टेशन पर वाशिंग यार्ड बनवाया, 18 किलोमीटर लंबा सर्दन बाईपास बनवाकर उसे बस स्टैंड से जोड़ने का काम किया गया, सब्जी मंडी को शिफ्ट करवाया गया तथा ढाबड़ा पुल के दोहरीकरण का जो काम एक महीने की समयावधि में पूरा होने वाला है आदि इन सभी महत्वपूर्ण कार्यो के लिए भी मैं सरकार का धन्यवाद करना चाहूंगा। इसके अतिरिक्त लुवास युनिवर्सिटी के लिए 1000 एकड़ जमीन देकर तलवंडी राणा के बाई पास पर जो इसका नया कैंपस देने का काम किया गया है उसके लिए भी मैं हरियाणा सरकार का बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूँ। अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस की सरकार ने गऊओं और नंदियों के लिए कभी कुछ नहीं किया लेकिन हमारी सरकार ने हिसार में 50 एकड़ जमीन लेकर निगम को दी और निगम द्वारा 25 एकड़ जमीन में उनके लिए बाड़े भी बनवाये और शैड भी बनवाये गए और आज नंदियों को वहां अच्छी तरह से रखा जा रहा है।

14.00 बजे

श्री कुलदीप शर्मा : आदरणीय अध्यक्ष जी, सैंकड़ों गाय मरी भी हैं ? (विघ्न)

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : यदि हाउस की सहमति हो तो सदन की बैठक का समय 20 मिनट के लिए और बढ़ा दिया जाए ?

आवाजें : ठीक है जी ।

श्री अध्यक्षः ठीक है, सदन की बैठक का समय 20 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है ।

वर्ष 2018–19 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

डॉ. कमल गुप्ता : आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं अब तुलसीदास जी की चौपाई के साथ अपनी बात खत्म कर रहा हूं । तुलसीदास जी कहते हैं –

"नहीं दरिद्र कोऊ, दुखी न दीना,
नहीं कोई अबुध, न लच्छन हीना ।"

तुलसीदास जी कहते हैं कि सरकार ऐसी होनी चाहिए जिसके राज में न कोई गरीब हो, न कोई दुखी हो, न कोई अशिक्षित हो और न कोई लच्छनहीन हो । जाट आरक्षण आन्दोलन की आड़ में असामाजिक तत्वों ने जिस प्रकार से हरियाणा के भाइचारे को बिगाड़ा है उस तरह की लच्छनहीनता भी नहीं होनी चाहिए । आदरणीय अध्यक्ष जी, इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपका बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूं और अपना स्थान लेता हूं ।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान (बेरी) : स्पीकर सर, आप जिस ढंग से माननीय सदस्य कमल गुप्ता जी द्वारा बजट पर एक लम्बी स्पीच देने के लिए मेहरबान हुए उसको देखकर मैं आपकी फिराकदिली की बड़ी कद्र करता हूं । मेरा आपसे निवेदन है कि आप आगे बोलने वाले सदस्यों के लिए भी अपनी इस फिराकदिली को कायम रखिएगा । ऑनरेबल स्पीकर सर, आपने मुझे बजट स्पीच पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद । वित्त मंत्री चाहे प्रदेश का हो चाहे देश का हो उसके सामने अपने बजट का आकार बड़ा दिखाने और बजट की दिशा और दशा पर बजट की दिशा और दशा पर सदन में उपस्थित सदस्यों द्वारा मेज थपथपाने की चुनौती होती है । मैं हरियाणा के अधिकारियों/कर्मचारियों को मुबारकबाद देता हूं । इन्होंने हरियाणा सरकार और वित्त मंत्री की स्किन को बचाने के लिए अपनी कला और कौशल को पूर्ण रूप से समर्पित कर दिया । (विघ्न) ऑनरेबल स्पीकर सर, कैप्टन अभिमन्यु एक उद्योगपति हैं, फौज में अफसर भी रहे हैं, सुशिक्षित हैं और प्रदेश के काबिल मंत्रियों में से एक हैं । मेरे विचार से काबिल आदमी वह होता है जो दो अच्छाइयों में से बड़ी अच्छाई को बयान करता है और दो बुराइयों में से छोटी बुराई को बयान करता है । कप्तान साहब इस कौशल को दिखाने में कामयाब हुए हैं । इन्होंने बजट में ऐसा मकड़जाल रचा है कि यह बजट किसी शास्त्री–अर्थशास्त्री को भी समझ में नहीं आ सकता । (हंसी) इतिहास में एक बहुत बड़े थिंकर हुए हैं – Simon Sinek । उन्होंने कहा है कि "Leadership is not about the next election, it's about the next generation." इसमें माननीय वित्त मंत्री महोदय ने कोताही बरती है । इसके अतिरिक्त इन्होंने बजट में कई शेरों का जिक्र किया है । मेरे हिसाब से बजट स्पीच की प्रिंटिंग में शेर नहीं होने चाहिए । इन्होंने एक शेर पढ़ते हुए कहा कि "मुश्किल ये है कि बाग में अब तक कुछ कांटे पुराने हैं ।" अध्यक्ष जी, इस शेर के द्वारा इन्होंने तो अपने पुराने सीनियर साथियों की तरफ ही उंगली उठा दी । **(इस समय उपाध्यक्ष महोदया पदासीन हुई ।)** दूसरे शेर में इन्होंने जुनून की बात कही है । यह बात सच है कि सफलता जुनून में छिपी हुई है । महान विचारक डकवर्थ ने कहा है "हुनर + मेहनत = कौशल, स्किल + मेहनत = सफलता ।" मेरा मानना है कि सफलता के लिए जुनून के साथ ग्रिट का होना बहुत जरूरी है । ऑनरेबल डिप्टी स्पीकर मैडम, वर्ष 2018–19 का प्रपोजिंग बजट 1 लाख, 15 हजार 198 करोड़ रूपये का है । इसमें सबसे बड़ी बात यह है कि इस बजट का 85 हजार करोड़ रूपये यानि कि लगभग

74 फीसदी बजट नॉन प्लान्ड एक्सपैंडिचर में खर्च किया जाएगा । इसके अतिरिक्त इसका 26 परसैंट यानि कि 30 हजार 12 करोड़ रूपये प्लान्ड बजट में खर्च किया जाएगा । डिप्टी स्पीकर मैडम, मैं आपके माध्यम से माननीय वित्त मंत्री जी से कुछ प्वायंट्स पर जिक्र करना चाहूंगा । इस बजट में 15 डिपार्टमैंट ऐसे हैं जिनको मैंशन नहीं किया गया है जबकि इनमें से कई विभाग तो अति महत्व के हैं । (विघ्न)

कैप्टन अभिमन्यु : डिप्टी स्पीकर मैडम, मेरा प्वायंट ऑफ ऑर्डर है । (विघ्न)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : ऑनरेबल डिप्टी स्पीकर मैडम, माननीय वित्त मंत्री जी को अपना उत्तर बाद में देना चाहिए । फिलहाल इनको अपना प्वायंट नोट कर लेना चाहिए । (विघ्न) मैं पूछना चाहता हूं कि ये किस रूलिंग के तहत मुझे बीच में डिस्टर्ब कर रहे हैं । आप मुझे रूलिंग बताइये । यह व्यवस्था का प्रश्न है । (विघ्न)

उपाध्यक्ष महोदया : कादियान जी, वित्त मंत्री जी एक मिनट में अपना जवाब दे देंगे ।

कैप्टन अभिमन्यु : उपाध्यक्ष महोदया, हमने बजट स्पीच के साथ–साथ प्रिंटिंग और सी.डी. में इसकी पूरी डिटेल दी हुई है । Deputy Speaker Madam, budget speech is merely a statement, a summary of the entire budget proposals. It may or may not include some departments at the same time. With your permission, if you allow me just to clarify this position since I raise this matter as a point of order. I would like to submit that due to limitation of time outlays some of the departments could not be mentioned in the budget speech. However, it does not mean that the requisite budget provisions have not been made for this department in the Budget for 2018-19 i.e. I proposes an outlay of Rs.802.07 crore in Budget Estimates 2018-19 for the Cooperation Department as against the Budget Estimates of Rs.624.25 crore for the year 2017-18 which is an increase of 28.49 per cent in Cooperation Department. Similarly, for the Department of Sport and Youth Affairs, I have proposed an outlay of Rs.423.35 crore in Budget Estimates 2018-19 against the revised estimates 2017-18 of 346.96 crore an increase of 22 per cent. I once again reiterate that in my Budget proposals for the year 2018-19, I have proposed adequate outlays for each and every department irrespective of

the fact whether they have been mentioned in my Budget speech or not. Thank you.

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : आदरणीय उपाध्यक्ष महोदया, ये बातें उसमें मैंशन नहीं हैं । मुझे तो इस बजट में मन्त्रिमण्डल में ग्रूपिज्म की भी स्मैल आ रही है । (विघ्न) ऑनरेबल डिप्टी स्पीकर मैडम, मैं सदन में कुछ प्वायंट्स पर बात करना चाहूंगा । मेरा पहला प्वायंट है – एम्पलॉयमैंट । इस बजट में जॉबलैस युवाओं को नौकरी देने संबंधी एक भी शब्द नहीं है । इसके अतिरिक्त इस बजट में किसानों को किसी तरह की सब्सिडी देने का भी कोई जिक्र नहीं किया गया है ताकि किसान अपनी प्रोडक्टिविटी बढ़ा सकें । इस बजट में न तो किसानों का मुनाफा दोगुणा करने की बात है और न ही डायवर्सीफिकेशन की बात है । इस बजट में न तो कहीं किसानों की कर्ज माफी का जिक्र है और न कहीं स्वामीनाथन रिपोर्ट की बात है । इसके अलावा इस बजट में प्रदेश की चरमराई हुई कानून–व्यवस्था को ठीक करने के लिए क्या स्टैप उठाए जाएंगे इसका भी कोई जिक्र नहीं है ।

डॉ0 रघुवीर सिंह कादियान: उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय वित्त मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि आज प्रदेश की जनता पर कर्ज का बोझ भयंकर तरीके से बढ़ रहा है परन्तु इस कर्ज को कम करने के लिए कोई उपाय नहीं किया गया है। बहुत से ऐसे महकमे हैं जिनके लिए बजट एलोकेशन की गयी है और 4 साल के बजट के आंकड़ों की जानकारी मेरे पास है। ये आंकड़े मैं आपको बाद में दे दूंगा। पहला प्वायंट बता रहा हूं जिसमें बजट एलॉटिड और एकच्युअल एक्स्पैंडीचर में ट्रिमैंडस डाउन फाल है। इसके क्या कारण हैं ? क्या यह सरकारी अफसरों की कैपेसिटी में है और अगर है तो इस डाउन फाल के प्रबन्धंन के बारे में क्या किया गया है। टोटल रिसीट्स और टोटल एक्सपैंडीचर को तो बराबर दिखाया गया है। एलोकेशन में जो डाउन फाल हुआ है वह पैसे कहां पर हैं क्योंकि कोई एक्सपैंडीचर नहीं हुआ है। टोटल एक्सपैंडीचर और टोटल रिसीट्स बराबर दिखाया गया है तो जो डाउन फाल हुआ है वह पैसा कहां इस्तेमाल हुआ है। इन 4 सालों में न कोई आर्थिक मदद न कोई नया बड़ा प्रोजैक्ट केन्द्र सरकार की तरफ से प्रदेश के लिए लाया गया है। जबकि माननीय वित्त मंत्री जी और माननीय मुख्य मंत्री जी के केन्द्र सरकार के माननीय नेताओं से पुराने संबंध हैं। मेरे हिसाब से जनता की भलाई के लिए इनको कोई प्रोजैक्ट लाना चाहिए था परन्तु ये कोई प्रोजैक्ट हरियाणा में नहीं लाए हैं। रेवैन्यू डैफिसिट और फिस्कल डैफिसिट तो ठीक

हैं अभी जैसा हमारे माननीय सदस्य डॉ0 कमल गुप्ता जी ने बताया है कि रेवैन्यू डैफिसिट और डैफिसिट फिस्कल को कुछ बराबरी पर लाए हैं। अगर रेवैन्यू डैफिसिट भी कम हुआ है तो डैफिसिट फाईनेंसिंग भी कम हुआ है। हालांकि वर्ष 2015–16 के बजट में फिसकल– डैफिसिट फाईनेंसिंग 6,000 करोड़ रूपये था और वर्ष 2018–19 में करीब 9,000 करोड़ रूपये है। इन 4 साल में तकरीबन 3000 करोड़ रूपये का फर्क तो है लेकिन मैं इस बात को ज्यादा वैटेज नहीं देता हूं क्योंकि यह 31,000 करोड़ रूपये से नीचे ले आए हैं लेकिन जब इन दोनों को बराबरी पर दिखाया है तो कर्ज का बोझ क्यों बढ़ा है। यह बहुत बड़ा सवाल खड़ा होता है। इस बजट के मामले में अफसरशाही ने माननीय वित्त मंत्री जी को गुमराह किया है। मैं तथ्यों के साथ सारी बातें बताउंगा। आप ये सारे जुमले, जश्न और गीत गानों को छोड़कर प्रदेश के विकास का रोड मैप तैयार करें अन्यथा प्रदेश की जनता आपको माफ नहीं करेगी। उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय वित्त मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि कॉ–आपरेटिव डिपार्टमैंट बहुत बड़ा डिपार्टमैंट हैं जिसमें 11 फैडरेशन शामिल हैं। जैसे हरियाणा कॉ–आपरेटिव एग्रीकल्चर रूरल डिवैलपमैंट बैंक, हैफेड, हरको बैंक, शुगर फैड, डेयरीफेड, हाउसिंग फैडरेशन, लेबर एण्ड कंस्ट्रकशन्ज फैडरेशन, इंडस्ट्रियल फैडरेशन और कान्फैड शामिल हैं इसलिए 80 फीसदी हरियाणा प्रदेश की पॉपुलेशन कॉ–आपरेशन मूवमैंट के साथ जुड़ी हुई है। इसमें पता नहीं वित्त मंत्री साहब को क्या दिक्कत थी जिसके कारण इन फैडरेशन्ज को बजट में शामिल नहीं किया। इसके बारे में माननीय मंत्री जी ही बता सकते हैं। दूसरे डिपार्टमैंट्स के साथ अगर सही मायने में देखा जाए तो ये सभी फैडरेशन्ज पैरलेल गवर्नमैंट हैं। (विघ्न) इसके अतिरिक्त हमारे युवाओं ने खेलों में देश और दुनिया में नाम रोशन किया है (विघ्न) लेकिन इस डिपार्टमैंट का भी बजट में काई जिक्र नहीं है।

कैप्टन अभिमन्युः उपाध्यक्ष महोदया, मेरा तो इतना ही सब्मिशन है कि हमारे माननीय सदस्य डॉ0 रघुवीर सिंह कादियान की इनपुट हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है मैं उनका बड़ा सम्मान करता हूं। मैं मानता हूं कि माननीय सदस्य ने बजट के प्रॉवीजन पर गहन अध्ययन किया है। हम उनका एक–एक शब्द सुनना चाहते हैं और अगर उन सुझावों पर कुछ संभव हुआ तो जरूर विचार किया भी जाएगा। मैंने समय बचाने के लिए यह बता दिया है कि कॉ–आपरेटिव डिपार्टमैंट का बजट 28.49 प्रतिशत इन्क्रीज हुआ है, स्पोर्टस डिपार्टमैंट का बजट 22 प्रतिशत इन्क्रीज

हुआ हैं। मैं चाहता हूं कि आप इन आंकड़ों को संज्ञान में ले और अपना भी समय बचाएं और हमें बेहतर इनपुट दे। हम आपकी एक–एक बात को सुनना चाहते हैं।

डॉ0 रघुवीर सिंह कादियानः उपाध्यक्ष महोदया, हमारे प्रदेश के युवाओं ने देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है और मैं एज ए स्पोर्टसमैंन देख रहा था कि इस बजट में खिलाड़ियों के लिए कोई प्रावधान किया गया होगा लेकिन पूरे बजट में स्पोर्टस डिपार्टमैंट का कहीं पर कोई जिक्र नहीं है। मैं यह नहीं मानता कि यह कोई गलती हैं या अनुभवहीनता है और मैं उस ट्रमिनोलॉजी पर भी नहीं जाना चाहता कि वित्त मंत्री जी से यह गलती कैसे हुई। उपाध्यक्ष महोदया, मैं कहना चाहूंगा कि सरकार ने इस बजट के माध्यम से लोगों के साथ भेद–भाव किया है और मुझे नहीं लगता है कि इस तरह से सबका साथ–सबका विकास हुआ है। उपाध्यक्ष महोदया, यह बजट एक तरह से ग्रुपिज्म की तरफ भी इशारा करता है। उपाध्यक्ष महोदया, मैं यह भी बताना चाहूंगा कि इस बजट के माध्यम से ऑपोजिशन के मैम्बर्ज के विधान सभा क्षेत्र के साथ भी भेदभाव हुआ है। (विघ्न)

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा): उपाध्यक्ष महोदया, डॉ. रघुवीर सिंह कादियान जी इस सदन के वरिष्ठ सदस्य हैं और मेरे साथी भी है। उपाध्यक्ष महोदया, ये हमारे माननीय सदस्य इस बजट के अमाउंट के माध्यम से हमारे कमरों में झांक रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदया, इसके साथ–साथ माननीय सदस्य यह भी कह रहे हैं कि इस बजट में ग्रुपिज्म की खुशबू आती है। उपाध्यक्ष महोदया, मैं माननीय सदस्य कादियान जी को कहना चाहूंगा कि भगवान ने हमें 5 अंगुलियां दे रखी हैं, इसलिए ये एग्रीकल्चर या शिक्षा की बात करें और इस बजट में ग्रुपिज्म की बात न करें।

श्री रघुवीर सिंह कादियानः उपाध्यक्ष महोदया, मैं कहना चाहूंगा कि इस बजट के माध्यम से सरकार ने ऑपोजिशन मैम्बर्ज के विधान सभा क्षेत्रों के साथ भेदभाव किया है। (विघ्न)

श्री राम बिलास शर्माः उपाध्यक्ष महोदया, हुड्डा जी के ऊपर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया और जो सी.एल.पी. लीडर हैं वे इस सदन में मौजूद नहीं हैं। उपाध्यक्ष महोदया, ग्रुपिज्म इस तरह से बना हुआ है, जैसे– एक साइकिल पंक्चर हो गई और उससे जनभ्रांति यात्रा खत्म हो गई। (हंसी)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः उपाध्यक्ष महोदया, मैं कहना चाहूंगा कि मेरे विधान सभा क्षेत्र में माननीय मुख्यमंत्री जी और शिक्षा मंत्री जी दोनों गए थे और वहां पर यह घोषणा करके आए थे कि गवर्नमेंट कॉलेज फॉर वुमन बनेगा।

उपाध्यक्ष महोदयाः कादियान जी, आप अपनी बात 4 मिनट में कंक्ल्यूड करें।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः उपाध्यक्ष महोदया, मुझे पहले अपनी बात को कम्पलीट करने दें। (शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदयाः ठीक है। रघुवीर जी आप अपनी बात पूरी करें।

Dr. Raghuvir Singh Kadian: Madam, the art and science of administration in the governance is equal and equitable distribution of the natural resources among the masses और उसमें वर्तमान सरकार की डिस्क्रिमिनेशन नजर आ रही है। आनरेबल डिप्टी स्पीकर मैडम, सबसे पहले मैं सदन का ध्यान स्टेट की डैट लायबिलिटी की तरफ ले जाना चाहता हूं। उपाध्यक्ष महोदया, मैं कहना चाहूंगा कि सरकार पर डैट लायबिलिटी का बोझ बजट वर्ष 2007–2008 में 29 हजार 118 करोड़ रुपए का था, वर्ष 2011–2012 में 50 हजार 688 करोड़ रुपए का था, वर्ष 2012–2013 में 60 हजार 159 करोड़ रुपए का था, वर्ष 2013–2014 में 71 हजार 305 करोड़ रुपए का था, वर्ष 2014–2015 में 82 हजार 305 करोड़ रुपए का था, वर्ष 2015–2016 में लगभग 1 लाख 14 हजार करोड़ रुपए का था, वर्ष 2016–2017 में लगभग 1 लाख 41 हजार करोड़ रुपए और अब वर्ष 2018–2019 में लगभग 1 लाख 61 हजार करोड़ रुपए का है। उपाध्यक्ष महोदया, मैं यह भी बताना चाहूंगा कि सरकार का जहां बजट इंट्रस्ट का भार वर्ष 2007–2008 में 2 हजार 346 करोड़ रुपए था और उस इंट्रस्ट को वर्तमान सरकार ने तकरीबन 13 हजार करोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है। उपाध्यक्ष महोदया, हरियाणा सरकार के ऊपर 48 साल में 70 हजार करोड़ रुपए का कर्ज था और इनके चार साल में 1 लाख 61 हजार करोड़ रुपए हो गया यानि कि इन 4 सालों में यह कर्जा 90 हजार करोड़ रुपये और बढ़ गया। उपाध्यक्ष महोदया, मैं पूछना चाहता हूं कि इन 4 सालों में ऐसी कौन सी बात हो गई कि हरियाणा सरकार के ऊपर इतना ज्यादा कर्जा बढ़ गया।

कैप्टन अभिमन्युः उपाध्यक्ष महोदया, मेरा एक प्वायंट ऑफ आर्डर है। उपाध्यक्ष महोदया, मैं यह बताना चाहूंगा कि इस विषय को पिछले साल भी माननीय सदस्यों

ने उठाया था। उपाध्यक्ष महोदया, प्वायंट ऑफ ऑर्डर इसलिए कहा, क्योंकि इस सवाल का जवाब दिया जा चुका है। उसके बावजूद मैं अपनी जिम्मेदारी समझते हुए, डॉ. रघुवीर सिंह कादियान जी को केवल याद दिलाना चाहता हूं कि सरकार के खजाने में 70 हजार करोड़ रुपया डैट था, लेकिन उसके अलावा 26 हजार करोड़ रुपया इन्होंने बिजली कम्पनियों में लोन के माध्यम से लिया हुआ था। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदया, मैं सदन को पहले ही बता चुका हूं और वह रिकॉर्ड में भी है। उपाध्यक्ष महोदया, इन्होंने जो 26 हजार करोड़ रुपए बिजली कम्पनियों में लोन लिया हुआ था वह महंगा लोन था। उपाध्यक्ष महोदया, मैं बताना चाहूंगा कि हमने उस लोन को बिजली कम्पनियों से लेकर सरकार के ऊपर लिया और सरकार पर लोन लेने की वजह से वह लोन सस्ता हो गया। उपाध्यक्ष महोदया, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि उसके कारण हरियाणा प्रदेश की जनता को 800 करोड़ रुपए सालाना की इंट्रस्ट में बचत हुई है। (इस समय मेजें थप–थपाई गईं)

बैठक का समय बढ़ाना

उपाध्यक्ष महोदया : यदि सदन की सहमति हो तो सदन की बैठक का समय 10 मिनट के लिए और बढ़ा दिया जाये।

आवाजें : ठीक है जी।

उपाध्यक्ष महोदया : ठीक है, सदन की बैठक का समय 10 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

वर्ष 2018–19 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

कैप्टन अभिमन्यु : आदरणीय उपाध्यक्ष महोदया, मैं बता रहा था कि हमने उस लोन को सरकार के स्तर पर करवाया जिससे 800 करोड़ रूपये सालाना इंट्रस्ट की बचत हरियाणा प्रदेश की जनता की हुई है। इससे बिजली कम्पनियों की सालाना बचत 2700 करोड़ रूपये हुई। जिसके कारण 37 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से उपभोक्ताओं को भी फायदा हुआ। इन्होंने एक बात यह कही कि 13000 करोड़ रूपये तो इंट्रस्ट की पेमैंट कर दी गई। मैं इनकी बात को इसलिए दुरूस्त करना चाहता हूं कि ये अपने पांवों पर कुल्हाड़ी न मारें। ये जो 13000 करोड़ का इंट्रस्ट है यह हमारे लोन का नहीं है बल्कि जो इनकी सरकार ने लोन लिया हुआ था यह उसका इंट्रस्ट है जिसको अब हमें चुकाना पड़ रहा है। यह बात मैं इस समय इसलिए बता रहा हूं कि कहीं ऐसा न हो जाये कि जब मैं जवाब दूं तो माननीय सदस्य कहीं हाउस में न हों।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : उपाध्यक्ष महोदया, कप्तान साहब ने जो बजट यहां पर प्रस्तुत किया है वह तो खोदा पहाड़ और निकली चुहिया की तर्ज़ पर है। हरियाणा प्रदेश की अढ़ाई करोड़ जनता के ऊपर यह कर्ज़ है जो कि 65000/– रूपये प्रति व्यक्ति बैठता है। एक व्यक्ति के ऊपर इतना कर्ज़ हो गया है। इसके विपरीत कहां तो सरकार 15 लाख रूपये प्रत्येक नागरिक के बैंक खाते में जमा करवाने की बात कह रही थी। वे 15 लाख रूपये तो आये नहीं बल्कि उसके हिस्से 65000/– रूपये का कर्ज़ और हो गया। मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि इस प्रकार के ये जुमले कब खत्म होंगे? डिप्टी स्पीकर मैडम, इसी प्रकार से सरकार द्वारा प्रति व्यक्ति आय की बात कही गई है जोकि एक लाख 96 हजार है जो कि पूरे देश में सर्वाधिक है। हम यह बात मान लेते हैं लेकिन मैं इसके साथ ही कप्तान साहब को यह कहना चाहूंगा कि अगर उद्योगपति, व्यापारी और कर्मचारियों को छोड़ दिया जाये तो 90 परसैंट हरियाणा की जनता (किसान और मजदूर) की प्रति व्यक्ति आय शून्य से नीचे चली जायेगी। सरकार द्वारा उद्योगपतियों के फायदे को गरीब आदमी के खाते में जोड़ दिया गया है। मैं यह कहना चाहता हूं कि सरकार द्वारा जो मेहनतकश लोगों पर जो कर्ज़ का बोझ डाला गया है यह पूरी तरह से गलत है। यह मैं नहीं कह रहा हूं इसका उल्लेख कैग की रिपोर्ट में किया गया है। थ्पतेज जपउम पद जीम भ्पेजवतल व िभ्ंतलंदं यह हुआ है कि कैग की रिपोर्ट को बजट से पहले सदन की टेबल पर नहीं रखा गया हो। यह एक बहुत बड़ा सीरियस मैटर है क्योंकि कैग की रिपोर्ट बजट के बारे में प्रत्येक बिन्दु को प्वायंट–आउट करती है। राज्य सरकारों द्वारा की गई अनियमितताओं और नियत के बारे में और उनकी नीतियों के बारे में कैग की रिपोर्ट में उल्लेख किया जाता है। मैं यहां पर यह कैग की ऑब्जर्वेशन बता रहा हूं कि अगर लोन और ब्याज की अदायगी के लिए कर्ज़ लिया जा रहा है तो सरकार द्वारा प्रदेश को गलत नीतियों की वजह से वित्तीय संकट की तरफ धकेला जा रहा है। पूरे के पूरे बजट में प्रदेश की जनता को कर्ज़ लेकर घी पिलाने की बात की जा रही है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि कर्ज़ के ऊपर सरकार द्वारा श्वेत पत्र जारी किया जाये और उसे सदन के पटल पर रखा जाये।

उपाध्यक्ष महोदया : कादियान जी, मैं आपके साथ–साथ पूरे सदन को यह जानकारी देना चाहूंगी कि सदन मे कल कैग की रिपोर्ट को प्रस्तुत किया जायेगा।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : उपाध्यक्ष महोदया, मैं कप्तान साहब को यह कहना चाहूंगा कि वे प्रदेश में टैक्स स्ट्रक्चर को मज़बूत करें जो कि सबसे बड़ी कैपेसिटी और कैपेबिलिटी की बात है। इसी प्रकार से सरकार को नैचुरल रिसोर्सिज़ को एक्सप्लोर करने की दिशा में चलना चाहिए। अगर सरकार ऐसा करती है तो हरियाणा प्रदेश हर दिशा में आगे बढ़ सकता है। इससे प्रदेश में खुशहाली दिनोंदिन बढ़ती ही चली जायेगी। यहा पर सरकार द्वारा कुछ सार्वजनिक उपक्रमों की बात भी की गई है। कैग की रिपोर्ट में राज्य के सरकारी विभागों की अनियमितताओं को उजागर किया जाता है। वर्ष 2015–16 की ऑडिट रिपोर्ट में यह बताया गया है कि इस दौरान कुल 47566 करोड़ रूपये के राजस्व की प्राप्ति हुई है। इसके बावजूद भी बिक्री कर, वैट, स्टॉम्प शुल्क एवं यात्रियों पर कर सहित कई तरह की वसूलियों में अनियमितताओं के कारण 2865 करोड़ रूपये की राजस्व वसूली नहीं हो पाई है। भू–राजस्व विभाग में बकाया राशि पिछले तीन साल में 112 परसैंट बढ़कर 8076 करोड़ रूपये हो गई है। इसी तरह नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग की भूमि को गलत तरीके से पट्टे पर देने से 417 करोड़ रूपये का नुक्सान हुआ है। इस प्रकार से सरकार के तकरीबन हर महकमे की अनियमिततायें कैग की रिपोर्ट में दर्शाई जाती हैं। कैग की रिपोर्ट में ये आरोप भी हैं कि 23 पब्लिक अण्डरटेकिंग और 21 कम्पनीज़ 2126 करोड़ रूपये के घाटे में चल रही हैं। अब मैं बजट एलोकेशन और एक्सपैंडीचर की जो सीरियस पोजीशन है उसके बारे में सदन को जानकारी देना चाहूंगा। वर्ष 2015–16 में इरीगेशन डिपार्टमैंट को 2351 करोड़ रूपये बजट के रूप में एलोकेट हुए और जो एक्चुअल खर्च हुआ वह राशि है 2223 करोड़ रूपये। इस प्रकार से इसमें –5 परसैंट का डाउनफॉल है। वर्ष 2016–17 में इरीगेशन डिपार्टमैंट को 2621 करोड़ रूपये बजट के रूप में एलोकेट हुए और जो एक्चुअल खर्च हुआ वह राशि है 2251 करोड़ रूपये। इस प्रकार से इसमें –15 परसैंट का डाउनफॉल है। वर्ष 2017–18 में इरीगेशन डिपार्टमैंट को 3222 करोड़ रूपये बजट के रूप में एलोकेट हुए। इसमें से कितना पैसा खर्च किया जाता है यह देखने वाली बात होगी कि इस प्रकार से ये जो लैपसिज़ हैं, वे अधिकारियों के स्तर पर हैं या वित्त विभाग के स्तर पर लैपसिज हैं। वर्ष 2015–16 में पॉवर डिपार्टमैंट में 6546 करोड़ रूपये का बजट एस्टीमेट आया है। इसी प्रकार से रिवाईज्ड एस्टीमेट आ गया 18000 करोड़ रूपये। इस प्रकार से इसमें 265 परसैंट की बढ़ोतरी हो गई। जब पहले

एस्टीमेट्स दिये जा रहे थे तो उस समय पॉवर डिपार्टमैंट के सभी सम्बंधित अधिकारी और वित्त मंत्रालय के अधिकारी कहां चले गये थे? इसी प्रकार से वर्ष 2015–16 में एजुकेशन डिपार्टमैंट को 11000 करोड़ रूपये अलॉट किया गया और एक्चुअल एक्सपैंडीचर हुआ 9681 करोड़ रूपये हुआ। इस प्रकार से इसमें 19 परसैंट का डाउनफॉल है। इसके बाद वर्ष 2016–17 में एजुकेशन डिपार्टमैंट को 13390 करोड़ रूपये अलॉट किया गया और एक्चुअल एक्सपैंडीचर हुआ 10782 करोड़ रूपये हुआ। इस प्रकार से इसमें भी 19 परसैंट का डाउनफॉल है। ऐसे ही वर्ष 2017–18 में 16 परसैंट का डाउनफॉल है। अब यह कहा जा रहा है कि हमने 25 परसैंट बजट बढ़ा दिया है इसका डाउनफॉल कितना होगा सरकार द्वारा यह भी बताया जाना चाहिए। अब मैं हैल्थ डिपार्टमैंट के सम्बन्ध में आंकड़े देना चाहूंगा। वर्ष 2015–16 में हैल्थ डिपार्टमैंट में 3028 करोड़ रूपये का बजट अलॉट हुआ और खर्च हुआ 2518 करोड़ रूपये। इस प्रकार से इसमें 17 परसैंट का डाउनफॉल आ गया। वर्ष 2016–17 में हैल्थ डिपार्टमैंट में 3916 करोड़ रूपये का बजट अलॉट हुआ और एक्चुअल खर्च हुआ 3044 करोड़ रूपये। इस प्रकार से इसमें 22 परसैंट का डाउनफॉल आ गया। इसी प्रकार से हैल्थ डिपार्टमैंट का बजट भी 25 परसैंट बढ़ाया गया है। इसमें कितना डाउनफॉल होगा उसकी जानकारी भी सदन में दी जाये। इसी प्रकार से मैं रूरल डिवैल्पमैंट डिपार्टमैंट के बारे में बताना चाहूंगा। उसमें बड़े काबिल मंत्री जी हैं। वर्ष 2015–16 में रूरल डिवैल्पमैंट डिपार्टमैंट में 2734 करोड़ रूपये का बजट अलॉट हुआ और खर्च हुआ 1837 करोड़ रूपये। इस प्रकार से इसमें 33 परसैंट का डाउनफॉल आ गया अर्थात जो पैसा बजट में अलॉट हुआ विभाग उसको खर्च ही नहीं कर पाया। वर्ष 2016–17 में रूरल डिवैल्पमैंट डिपार्टमैंट में 2824 करोड़ रूपये का बजट अलॉट हुआ व 3167 करोड़ रूपये रिवाईज्ड़ एस्टीमेट हुआ और खर्च हुआ 2875 करोड़ रूपये। इस प्रकार से इसमें 10 परसैंट का डाउनफॉल हो गया। कप्तान साहब ने रूरल डिवैल्पमैंट पर 4963 करोड़ रूपये का बजट अलॉट किया। रिवाईज्ड में आ गया 3551 करोड़ रूपये। इसमें 30 परसैंट का डाउनफॉल आ गया। अब की बार सरकार द्वारा इसमें भी 25 परसैंट की बढ़ौतरी की गई है। इसमें कितना डाउनफॉल आयेगा सरकार द्वारा इसकी जानकारी भी सदन में दी जाये। एक बहुत बड़ी हैडलाईन्ज़ में यह लिखा गया है कि एग्रीकल्चर को सरकार द्वारा 51 परसैंट बजट बढ़ाकर दिया गया है। एग्रीकल्चर में एनीमल हसबैंड्री, होर्टीकल्चर, फारैस्ट और फिशरी ये चार डिपार्टमैंट

भी आते हैं। वर्ष 2015–16 में एग्रीकल्चर और अलाईड में बजट एस्टीमेट्स में 2354 करोड़ रूपये की राशि अलॉट की गई है और एक्चुअल एक्सपैंडीचर हुआ है 1952 करोड़ हुआ। इस प्रकार से इसमें 22 परसैंट का डाउनफॉल हुआ है। ऐसे ही वर्ष 2016–17 में एग्रीकल्चर और अलाईड में बजट एस्टीमेट्स में 3136 करोड़ रूपये की राशि अलॉट की गई है और एक्चुअल एक्सपैंडीचर हुआ है 2112 करोड़ हुआ है। इस प्रकार से इसमें 33 परसैंट का डाउनफॉल हुआ है। यह सब एक डिपार्टमैंट की कैपेसिटी और यूटीलाईजेशन को दर्शाता है। वर्ष 2017–18 में एग्रीकल्चर और अलाईड में बजट एस्टीमेट्स में 3206 करोड़ रूपये की राशि अलॉट की गई है और रिवाईज्ड़ एस्टीमेट्स 2709 करोड़ रूपये आया यानि इसमें 16 परसैंट का डाउनफॉल हुआ है। ये एग्रीकल्चर और एलाईड में लगातार डाउनफॉल हो रहा है। फिर सरकार कहती है कि उसने एग्रीकल्चर और एलाईड डिपार्टमैंट्स के बजट में 51 परसैंट की बढ़ोतरी की है।

शिक्षा मंत्री (श्री रामबिलास शर्मा) : उपाध्यक्ष महोदया, डॉ. कादियान बजट पढ़ कर आये हैं और उन्होंने बहुत मेहनत की है। हमारी सरकार ने एक बेसिक चेंज किया है। डॉ. कादियान एक शब्द डाउनफाल का इस्तेमाल कर रहे हैं मैं इसके बारे में कुछ बताना चाहता हूं। बजट साल भर का बनता है। पहले 31 मार्च को जो बजट होता था और जिस विभाग को बजट ऐलोकेट होता था अगर उसका उपयोग नहीं किया जाता था तो वह लैप्स हो जाता था। हमारी सरकार आने के बाद हमने उस सिस्टम को बदला है। अगर इस साल का बजट किन्हीं कारणों से खर्च नहीं हो पाता है तो उसका अगले साल में उसी मद में प्रोविजन करके खर्च किया जा सकता है।

बैठक का समय बढ़ाना

उपाध्यक्ष महोदयाः यदि सदन की सहमति हो तो सदन की बैठक का समय 5 मिनट के लिए और बढ़ा दिया जाये।

आवाजेंः ठीक है, जी।

उपाध्यक्ष महोदयाः ठीक है, सदन की बैठक का समय 5 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

वर्ष 2018–19 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्रीमती किरण चौधरीः उपाध्यक्ष महोदया, इसका मतलब तो यही है कि विभाग को जो बजट ऐलोकेट किया गया विभाग ने वह पैसा खर्च ही नहीं किया। जब विभाग पैसा ही खर्च नहीं करेगा तो विकास भी नहीं होगा।

वित्त मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु) : उपाध्यक्ष महोदया, डॉ. कादियान ने एक बहुत अच्छी समीक्षा प्रस्तुत की है। इस बारे में मैं कहना चाहूंगा कि वादे–वादे जायते तत्व बोधः। चर्चा करके ही किसी विषय के तत्व को समझा जा सकता है। हमारे शब्दों में अन्तर हो सकता है। डॉ. कादियान डाउनफाल शब्द का इस्तेमाल कर रहे हैं। ये जो अभिव्यक्ति करना चाहते हैं वह शायद यह है कि बजट ऐस्टीमेट में से यूटीलाईजेशन कितना हुआ है। मैं सदन की जानकारी के लिए डाउनफाल शब्द का यूज बताना चाहता हूं। उनका मनतव्य यह है कि ऐस्टीमेट से यूटीलाईजेशन परसैंटेज कितना हुआ है that is not exactly downfall. डाउनफाल की अगर हम बात करेंगे तो उसका मतलब यह है कि पिछले साल कितना पैसा यूज हुआ और इस साल कितना पैसा यूज हुआ है, तथा उससे अगले साल कितना यूज हुआ है। मैं इसको क्लैरीफाई करना चाहता था। ऐलोकेशन की यूटीलाईजेशन ऑफ परसैंटेज के बारे में मैं अपने रिप्लाई में जवाब दूंगा क्योंकि यह मेरी जिम्मेदारी है।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः उपाध्यक्ष महोदया, दीनबंधु हरियाणा ग्राम उदय योजना, डॉ. मंगल सेन जी के नाम से नगर उदय योजना तथा मनोहर योजना के लिए बजट में कोई प्रावधान नहीं किया गया है। बजट में यह नहीं दर्शाया गया है कि इन योजनाओं के लिए कितना बजट ऐलोकेट किया गया है।

उपाध्यक्ष महोदयाः डॉ. साहब, आप अपनी बात को कंकल्यूड कीजिए, आपका समय समाप्त हो रहा है।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः उपाध्यक्ष महोदया मैं यह कहना चाहता हूं कि इसमें सरकार की गम्भीरता नजर नहीं आती है। चौधरी छोटूराम जी किसानों के मसीहा थे और उनके नाम से अगर कोई योजना बनाई जाती है तो उसके लिए बजट का प्रावधान भी किया जाना चाहिए था। इसी प्रकार से डॉ. मंगल सेन जी 1987 में मेरे साथ मंत्री थे उनके नाम से भी जो योजना बनी है उसके लिए भी बजट में फंड ऐलोकेशन का कोई जिक्र नहीं है।

उपाध्यक्ष महोदयाः डॉ. साहब आप अपनी स्पीच कंकल्यूड कीजिए आपके सिर्फ 3 मिनट रह गये हैं, आपने 2 बजे अपनी स्पीच शुरू की थी।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः उपाध्यक्ष महोदया, मैं जल्दी ही अपनी बात को समाप्ति की ओर लेकर जाना चाहूंगा। अब मैं रिवेन्यू रिसीट्स, कैपिटल रिसीट्स और टोटल रिसीट्स के बारे में बात करना चाहूंगा। वर्ष 2017–18 की सरकार की जो कैपिटल रिसिप्ट हैं वे वर्ष 2017–18 के बजट में 22920 करोड़ रुपये दिखाई गई हैं और वर्ष 2018–19 के बजट में 2017–18 की कैपिटल रिसीट्स को 23573 करोड़ रुपये दर्शाया गया है। मेरा आपके माध्यम से माननीय वित्त मंत्री जी से अनुरोध है कि वे इस बारे में अपने जवाब में अवश्य बतायें। इसमें एक आंकड़ा सही है और एक गलत है। इसका स्पष्टीकरण अवश्य दें। वर्ष 2017–18 के बजट में बजट एट ए ग्लांस में कैपिटल रिसीट्स 22920 करोड़ रुपये दिखाई गई है और वर्ष 2018–19 के बजट में वही आंकड़ा बदल कर 23573 करोड़ रुपये हो गया है। यह कोई प्रिंटिंग मिस्टेक नहीं हो सकती है। यह ऐसा क्यों है इस बारे में माननीय वित्त मंत्री जी को अपने अधिकारियों से पता करना चाहिए। इसी प्रकार से मैं टोटल रिसीट्स और टोटल एक्सपैंडीचर के बारे में बात कह रहा था उसी बात पर आ रहा हूं। रिवेन्यू डेफिसिट को कवर करने की वित्त मंत्री जी ने कोशिश की है। वर्ष 2015–16 में जो रिवेन्यू डेफिसिट 9557 करोड़ रुपये था अब वह 8253 करोड़ रुपये है। इसी प्रकार से फिस्कल डेफिसिट वर्ष 2015–16 में 16423 के अगेंस्ट एक्चुअल 31479 करोड़ रुपये पहुंच गया है। यह एक गम्भीर मामला है। इसको इन्होंने कवर तो किया है लेकिन मैं कैप्टन साहब से एक बात का जवाब अवश्य जानना चाहूंगा कि जब आप रिवेन्यू डेफिसिट भी कंट्रोल में लेकर चल रहे हो और फिस्कल डेफिसिट भी कंट्रोल में ले रहे हो तो फिर यह लोन किस काम के लिए ले रहे हैं, यह समझ से परे की बात है। आप चाहे कैपिटल रिसीट्स की बात करें, चाहे नॉन प्लान की बात करें लेकिन यह बात किसी भी अर्थ–शास्त्री की समझ से परे है कि यह कर्ज क्यों लिया जा रहा है?

बैठक का समय बढ़ाना

उपाध्यक्ष महोदया : माननीय सदस्यगण, यदि सदन की सहमति हो तो बैठक का समय 5 मिनट के लिए और बढ़ा दिया जाए ।

आवाजें : ठीक है जी ।

उपाध्यक्ष महोदया : ठीक है, बैठक का समय 5 मिनट के लिए और बढ़ाया जाता है ।

वर्ष 2018–19 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

डॉ0 रघुवीर सिंह कादियान : उपाध्यक्ष महोदया, तीन साल की वादा खिलाफी की वजह से किसान दुर्गति के कगार पर चला गया है । आज किसान सड़कों पर है और आज उनके खिलाफ 307 के मुकद्में बनाए जा रहे हैं । सर्व कर्मचारी संघ सड़कों पर है । आंगन वाड़ी व मिड–डे–मील वर्कर्ज सड़कों पर है । व्यापारी अपनी दुकान में हाथ पर हाथ धरे बैठा है । मजदूर मजदूरी के लिए इन्तजार कर रहा है । रोजाना अखबार मर्डर, डकैती और बलात्कार की घटनाओं से भरे पड़े हैं । फिर सरकार का बजट किस दिशा में जा रहा है । वित्त मंत्री जी, आपने कहां खर्च किया है ? और आज प्रदेश कहां जा रहा है ? आपने एक शेर यह भी कहा था कि हम दरिया पार करेंगे । लेकिन पतवार आई और छोड़ दी । आप दरिया तो पार करोगे लेकिन जनता बड़े भारी इन्तजार में बैठी है । मैं आपको आज एक बात बताकर जा रहा हूं कि आप चुल्लूभर पानी में भी गोता खाओगे । यह आप देख लेना । उपाध्यक्ष महोदया, पैडी के अवशेष जलाने पर गांव के सरपंच को सस्पैंड कर दिया जाता है जबकि इन लोगों ने हरियाणा को जलवाने का काम किया है। सदियों पुराने भाईचारे और सामाजिक ताने बाने को तोड़ने का काम किया गया है जिसके लिए दो–तीन बार आर्मी बुलानी पड़ी । मैं यह सवाल पूछता हूं कि क्या इस सरकार को बर्खास्त नहीं किया जाना चाहिए ?

श्री राम बिलास शर्मा : उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से डॉ0 रघुवीर सिंह कादियान जी से कहना चाहता हूं कि वे इसका जिक्र न करें क्योंकि–

'सीने के फफोले सीने के दाग से, इस घर को आग लग गई घर के चिराग से ।' कादियान जी, आप उस किस्से का जिक्र मत कीजिये क्योंकि उसमें आप भी फंसे हुए हो । (शोर एवं व्यवधान)

श्री आनन्द सिंह दांगी : उपाध्यक्ष महोदया, आप इस विषय पर बहस करवाईये ।(शोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास शर्मा : उपाध्यक्ष महोदया, इनको कहो कि इस विषय पर ऑपन बहस तो हो जाएगी लेकिन मैं यह जरूर कहना चाहूंगा कि रोहतक के रहने वाले लोगों को देख कर लोग अपने दरवाजे बन्द कर लें । ऐसे लोग झज्जर में जाएं तो वहां के लोग अपने दरवाजे बन्द कर लेते हैं और उनको जूते मारते हैं इसलिए उस

विषय का जिक्र मत कीजिये और यह हरियाणा की जनता सब कुछ देख रही है । (शोर एवं व्यवधान)

डॉ0 रघुवीर सिंह कादियान : उपाध्यक्ष महोदया, ये ठीक कह रहे हैं । लोक राज लोक लाज से चलता है । न आप लोगों को जानते हैं और न लोग आप लोगों को जानते हैं । आप लोगों ने सब कुछ चौपट करके रख दिया है । यह बात भी सही है कि तजुर्बा तो किसी चीज का था नहीं और सिर पर प्रदेश की जिम्मवारी आन पड़ी । आप लोगों ने सब कुछ चौपट करके रख दिया है।

श्री कुलदीप शर्मा : उपाध्यक्ष महोदया, आप इस विषय पर बहस करवाईये ।

उपाध्यक्ष महोदया : ठीक है कल करवाएंगे ।

डॉ0 रघुवीर सिंह कादियान : उपाध्यक्ष महोदया, करप्शन के बारे में बात आई है जिसके बारे में मुख्यमंत्री जी कह रहे थे कि अगर कोई शिकायत आए तो हम जांच करवाएगें । मैं आपको बताना चाहता हूं कि नौकरियों में भ्रष्टाचार हुआ है जिसका हमारे पास एफिडेविट है । बदलियों में पैसे लेने की बात सामने आई है जिसका हमारे पास एफिडेविट है । रेत और बजरी में घपला हुआ है । (शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदया, ये लोग खरीद फरोख्त में, बिजली के मीटरों में पैसा खा गये । हरियाणा में जो बायोमैट्रिक मशीनें लगाई गई हैं उनमें भी ये लोग पैसा खा गये । शराब के लाईसैंस देने में ये लोग पैसा खा गये और नकली गलियां बनाने के चक्कर में पैसा खा गये । इन्होंने सारा का सारा धन्धा चौपट कर दिया है । अतः कैप्टन साहब, मैं जो शिकायत दूंगा उसका मेरे पास रिकॉर्ड है । अगर मैं आपको लिख कर दूं तो क्या आप उसकी इन्कवायरी करवाएंगे ? हमें आपसे यह आश्वासन चाहिए । इसके साथ–साथ उपाध्यक्ष महोदया, हम बदले की भावना से नहीं चलते ।(शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदया : माननीय सदस्यगण, अब सदन बुधवार, 14 मार्च, 2018 प्रातः 10:00 बजे तक के लिए स्थगित किया जाता है।

*14.40 बजे (तत्पश्चात सदन की बैठक बुधवार, 14 मार्च, 2018 प्रातः 10:00 बजे तक के लिए *स्थगित हुई।)